शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 174 | गुवाहाटी | शनिवार, 14 जनवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

उजान बाजार में जोरपुखुरी पार्क का सीएम किया उद्घाटन पेज 3

कोरोना योद्धाओं के परिवारों को 1-1 करोड़ रुपए की सम्मान राशि देगी दिल्ली सरकार पेज 4

काशी नये कलेवर के साथ वैश्विक मानचित्र पर उभरी : योगी आदित्यनाथ पेज 5

सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को पढ़ाया जा रहा, सिखाया नहीं जाता पेज 8

विश्व की सबसे लंबी रिवर क्रूज यात्रा पर गंगा-विलास रवाना

पीएम मोदी की विदेशी पर्यटकों से अपील

वाराणसी। नरेंद्र मोदी वाराणसी को आज दो सौगातें दी। पहली गंगा विलास क्रूज और दूसरी 5 स्टार टेंट सिटी। पीएम ने इनका उद्घाटन वर्चुअली किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी को दो सौगातें दी हैं। पहली सौगात है गंगा विलास क्रूज और दूसरी 5 स्टार टेंट सिटी। प्रधानमंत्री मोदी ने इनका वर्चुअली उद्घाटन किया। गंगा विलास क्रूज दुनिया की सबसे लंबी रिवर क्रूज यात्रा पर रवाना हो गया। इस दौरान ये 3200 किलोमीटर का -शेष पृष्ठ दो पर

गंगा विलास के फ्लैग आफ कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा शुक्रवार को गुवाहाटी के पांडु घाट से दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज एमवी गंगा विलास को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वीडियो- कांफ्रेंसिंग के माध्यम से झंडी दिखाकर रवाना किए गए कार्यक्रम में शामिल हुए। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस, एमवी -शेष पृष्ठ दो पर

सूचना

सभी विज्ञापनदाताओं, एजेंटों, हॉकरों और पाठकों को **विकसित भारत समाचार** परिवार की ओर से माघ बिहू और मकर संक्रांति की शुभकामनाएं। इस उपलक्ष्य में 14 और 15 जनवरी को कार्यालय में अवकाश रहेगा। हम 17 जनवरी के अंक के साथ आपकी सेवा में प्रस्तुत होंगे।

-**संपादक**

जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमलों की जांच करेगा एनआईए

पीड़ित परिवार को अमित शाह का आश्वासन

श्रीनगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को जम्मू पहुंचे लेकिन खराब मौसम की वजह से राजौरी का उनका दौरा रद्द हो गया। इस यात्रा के दौरान अमित शाह ने पीड़ित परिवारों से फोन पर बात की और उन्हें आश्वासन दिया कि अगली यात्रा के दौरान मुलाकात करेंगे। श्रीनगर, एएनआई। राजौरी में हुए आतंकवादी हमले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण को सौंपी गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को जम्मू दौरे के वक्त इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राजौरी आतंकवादी हमले की जांच एनआईए को सौंपी गई है। एनआईए और जम्मू पुलिस दोनों मिलकर इस घटना की जांच करेगी। विगत डेढ़ साल में जितनी भी घटनाएं हुई हैं उन्हें भी सामने रखते हुए जांच की जाएगी। केंद्रीय -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

शोणितपुर में 50 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का निर्णय : जयंत मल्ल बरुवा

नई दिल्ली/गुवाहाटी। पर्यटन मंत्री जयंत मल्ला बरुवा ने संवाददाताओं से कहा कि हम बरछल्ला में 50 मेगावॉट का सौर पार्क बनाएंगे, जहां पिछले साल अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया था। यह भविष्य में अतिक्रमण की किसी भी संभावना से क्षेत्र की रक्षा करेगा। असम सरकार ने शोणितपुर जिले के बरछल्ला में 50 मेगावॉट का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का बृहस्पतिवार को फैसला किया, जहां पिछले साल एक अभियान में 1,000 बीघा भूमि अतिक्रमण से मुक्त शेष पृष्ठ दो पर

क्या असम सीमा से लगे गांवों के लोग मेघालय चुनाव में मतदान कर सकते हैं!

नई दिल्ली। असम से लगी विवादित सीमा से सटे गांवों में रहने वाले मतदाता मेघालय के आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान कर सकते हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने शुक्रवार को यह बात कही। कुमार की अगुवाई में निर्वाचन आयोग की टीम ने दो दिन मेघालय में चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरे का आज समापन हुआ। सीईसी कुमार ने कहा कि जो कुछ भी हुआ है उसके बावजूद विवादित सीमा से सटे गांवों में रहने वाले लोग चुनाव में भाग ले सकते हैं। दोनों पक्षों ने संयुक्त -शेष पृष्ठ दो पर

म्यांमार के दो नागरिक गिरफ्तार, हेरोइन जब्त

एजल। एजल में 63.3 लाख रुपए की हेरोइन रखने के आरोप में म्यांमार के दो नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। असम राइफल्स के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि दोनों की पहचान चिन्लमखाम और थंगसियालखुल के रूप में हुई है। दोनों पड़ोसी देश के तिद्दीम इलाके के रहने वाले हैं। दोनों की उम्र 18 साल है। जानकारी के मुताबिक, एक गुप्त सूचना के आधार पर असम राइफल्स के एक संयुक्त दल और राज्य पुलिस के विशेष मादक पदार्थ दस्ते ने गुरुवार को एजल -शेष पृष्ठ दो पर

प्रो० जगदीश मुखी
राज्यपाल, असम

राज भवन, गुवाहाटी
पिन-781 001

14 जनवरी, 2023

संदेश

मैं 'भोगाली बिहू' के शुभ अवसर पर अपने प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।

बिहू असम का एक प्राचीन त्योहार है। यह उमंग और उल्लास का प्रतीक है। भोगाली बिहू मुख्यतः कृषि-आधारित त्योहार है, जो मनुष्य और प्रकृति के बीच निकटता का बोध कराता है। इस त्योहार में भोग अर्थात् पारंपरिक खान-पान का विशेष महत्व रहता है। यह आत्मीयता एवं बंधुत्व को बढ़ावा देने के साथ ही सामाजिक समरसता को भी मज़बूत बनाता है।

'मेजी' भोगाली बिहू का एक अहम् हिस्सा है। आइए, समाज में व्याप्त कुरीतियों व रूढ़ियों को 'मेजी' की पवित्र अग्नि में जलाकर एक नवीन एवं वैज्ञानिक सोच के साथ हम आगे बढ़ें। साथ ही देश व प्रदेश की प्रगति में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

मेरा पूर्ण विश्वास है कि भोगाली बिहू का यह पावन त्योहार प्रेम, एकता एवं सौहार्द की भावना को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

भोगाली बिहू की पुनः शुभकामनाएं।

जय हिंद !

(प्रो. जगदीश मुखी)

-- Janasanyog /D/20451/ 22

Issued by Directorate of Information and Public Relations, Assam
Follow us @diprassam dipr.assam.gov.in

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारत आज अपनी प्रतिभा के लिए दुनिया में जाना जा रहा : रक्षामंत्री

लखनऊ (हि.स.)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को इंटीग्रल यूनीवर्सिटी के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत आज अपनी प्रतिभा और नेतृत्व के लिए दुनिया में जाना जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों ने हमेशा अपने परिश्रम और काबिलियत से विश्व को नेतृत्व प्रदान किया है। आज दुनिया की तमाम बड़ी-बड़ी कंपनियों के सीईओ भारतीय मूल के है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अडोबी, आईबीएम, पालो आल्टो नेटवर्क, मास्टरकार्ड और न जाने कितनी कंपनियों का नेतृत्व भारतीय मूल के लोग कर रहे हैं। रक्षामंत्री ने कहा कि हमारा भारत ऐसा देश है जहां सदियों से लोग परस्पर प्रेम और सौहार्द के साथ रहते आए हैं। दुनिया के सबसे पुराने चर्चों में से एक सेंट थामस चर्च भारत के केरल राज्य में मौजूद है। इसके अलावा किसी इस्लामिक देश में इस्लाम के 72 के 72 फिरके नहीं मौजूद हैं मगर वे भारत में शांति से रह रहे हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि विशेषरूप से सेनाओं में कई ऐसे विंग्स थे, जहां महिलाओं के लिए दरवाजे बंद थे। सेनाओं और पुलिस बलों में महिलाएं लगभग न के बराबर थीं। आपको जानकर खुशी होगी कि आज महिलाएं वार शिप्स पर भी तैनात हो रही हैं और दुनिया के सबसे ऊंचे युद्ध क्षेत्र सियाचिन में भी महिलाओं की तैनाती हो रही है। आजकल लड़कियां भी किसी मामले में पीछे नहीं हैं। एक समय था जब लड़कियां केवल कुछ सर्विस सेक्टर्स में ही दिखाई देती थीं। आज जीवन का शायद ही ऐसा कोई क्षेत्र हो जहां महिलाओं की भागीदारी न हो। रक्षामंत्री ने कहा कि चिकित्सा, शिक्षा, कृषि इत्यादि में भी डिजिटल तौर तरीके इस्तेमाल किए जा रहे हैं। खासतौर पर चिकित्सा के क्षेत्र में डिजिटल टेक्नोलोजी के इस्तेमाल से दूर दराज के इलाकों में बैठे लोगों का भी बढ़िया इलाज संभव हो पाया है। सिर्फ यूपीआई के माध्यम से पिछले दिसम्बर महीने में 7.82 बिलियन ट्रांजेक्शन हुए जिनका मूल्य 12-82 लाख करोड़ रुपए का था, जो कि अब तक सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। इस डिजिटल क्रांति से अब देश के ग्रामीण इलाके भी अछूते नहीं हैं। आज देश में जो डिजिटल क्रांति आप देख रहे हैं, वह हमारे देश के युवाओं के लिए केवल सूचना प्रौद्योगिकी ही नहीं बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में नए अवसर लेकर आई है। राजनाथ सिंह ने कहा कि इस समारोह को दीक्षान्त समारोह कहा जाता है न कि शिक्षांत समारोह। इसका कारण है कि दीक्षा तो इस कैम्पस में आपको मिली है, मगर आपकी शिक्षा तो जिंदगी भर चलती रहती है। किसी भी छात्र के जीवन में दीक्षान्त समारोह एक महत्वपूर्ण अवसर होता है। यह वह अवसर है जब आप अपने कोर्स की पढ़ाई समाप्त करके, कैम्पस से बाहर निकल कर एक नई दुनिया में कदम रखते हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी उपस्थित रहे।

कंझावला मामले में 11 पुलिस कर्मी सस्पेंड

नई दिल्ली। दिल्ली के कंझावला एक्सीडेंट मामले में गृह मंत्रालय (एमएचए) की सिफारिश पर कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को 11 पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान उनकी कथित लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने 31 दिसंबर-1 जनवरी की दरमयानी रात हुए एक्सीडेंट के मामले में ये कदम उठाया है। दिल्ली के कंझावला एक्सीडेंट मामले में गृह मंत्रालय (एमएचए) की सिफारिश पर कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को 11 पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान उनकी कथित लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया है। इस मामले में गृह मंत्रालय ने 12 जनवरी को हस्तक्षेप किया था, जिसके बाद ये कार्रवाई की गई है। इस मामले पर कार्रवाई करने के बाद दिल्ली पुलिस ने बयान दिया कि रोहिणी जिले में हादसे के इलाके में तैनात 11 पुलिसकर्मियों को निलंबित किया जाता है। ये सभी अधिकारी पीसीआईर और पिकेट पर तैनात थे, जिन्होंने सही से कार्रवाई नहीं की। गौरतलब है कि निलंबित पुलिस कर्मियों में पांच दो पिकेट पर थे और छह पुलिसकर्मी तीन पीसीआर पर थे जिन्हें निलंबित कर दिया गया है। बता दें कि इससे पहले 12 जनवरी को गृह मंत्रालय ने विशेष पुलिस आयुक्त शालिनी सिंह द्वारा तैयार की गई विस्तृत रिपोर्ट पर संज्ञान लिया था। मंत्रालय ने तीन पीसीआर वैन और दो पुलिस पिकेट पर तैनात पुलिस कर्मियों को निलंबित किए जाने की सिफारिश की थी। इस सिफारिश के बाद ही दिल्ली पुलिस ने ये कार्रवाई की है। इसके अलावा दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा को तीन पुलिस कंट्रोल रोम की पैट्रोलिंग वैन के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। इसके साथ ही दो पुलिस पिकेट के खिलाफ भी सख्त कदम उठाने चाहिए। गृह मंत्रालय ने दिल्ली पुलिस आयुक्त मामले में जांच में लापरवाही पर विचार करने वाले पर्यवेक्षक अधिकारियों के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय ने दिल्ली पुलिस को दोषियों के खिलाफ जल्द से जल्द अदालत में चार्जशीट दायर करने और सभी जरूरी कदम उठाने का सुझाव दिया ताकि उन्हें सजा मिल सके। सूत्रों ने कहा कि गृह मंत्रालय ने गुरुवार को दिल्ली पुलिस को कंझावला मामले के आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) लगाने का निर्देश दिया। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि कंझावला दुर्घटना मामले में शामिल पांच लोगों के खिलाफ हत्या का आरोप दर्ज किया जाना चाहिए।

सड़क दुर्घटना में चार व्यक्ति घायल

जोरहाट (हि.स.)। जोरहाट जिला के मरियानी में बीती मध्य रात को हुए भीषण सड़क हादसे में चार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि एक बेयलॉन कार अनियंत्रित होकर बीती मध्य रात को सड़क पर पलट गई। यह भीषण हादसा आमतल में उस समय हुआ, जब कार मोरियानी से नकसारी जा रही थी। हादसे में चालक सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों को गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भारी मात्रा में नशीली टेबलेट्स के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

दक्षिण सालमारा (हि.स.)। नशे के खिलाफ फकीरगंज पुलिस की छापेमारी में भारी मात्रा में नशीले टेबलेट्स के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया है कि दक्षिण सालमारा-मानकचार जिला के फकीरगंज पुलिस ने बीती मध्य रात में फकीरगंज थाना अंतर्गत कुइशबाड़ी गांव में नशे के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान मादक पदार्थ तस्कर दिदारुल इस्लाम को गिरफ्तार किया। उसके पास से 188 नशीली टेबलेट मिली हैं। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित से थाने में गहन पूछताछ कर रही है।

ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगी नफरत की राजनीति : राहुल

नई दिल्ली। अपनी इस पत्र में राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा है कि कुछ विभाजनकारी ताकतें देश की विविधता को देशवासियों के खिलाफ इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि नफरत की राजनीति से ज्यादा दिनों तक नहीं चल सकती। राहुल गांधी ने यह हमला सीधे तौर पर भाजपा पर किया है। राहुल ने यह पत्र जनता के नाम लिखा है। नयी दिल्ली। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा लगातार जारी है। हालांकि, भारत जोड़ो यात्रा अब अपने आखिरी पड़ाव पर है। 30 जनवरी को भारत जोड़ो यात्रा का समापन श्रीनगर में होगा। इस कार्यक्रम को भव्य बनाने की कोशिश कांग्रेस की ओर से की जा रही है। इन सबके बीच 26 जनवरी से कांग्रेस की ओर से हाथ से हाथ जोड़ो अभियान शुरू हो रहा है। इसी को लेकर राहुल गांधी ने आज एक खुला पत्र लिखा है। अपनी इस पत्र में राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा है कि कुछ विभाजनकारी ताकतें देश की विविधता को देशवासियों के खिलाफ इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि नफरत की राजनीति से ज्यादा दिनों तक नहीं चल सकती। राहुल गांधी ने यह हमला सीधे तौर पर भाजपा पर किया है। राहुल ने यह पत्र जनता के नाम लिखा है। इस पत्र में एक बार फिर से राहुल गांधी ने कहा कि एक धर्म को दूसरे धर्म से, एक जाति को दूसरे जाति से, एक को दूसरे से और एक राज्य को दूसरे राज्य से लड़ाया जा रहा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि विभाजनकारी ताकतें जानती हैं कि लोगों के दिलों में असुरक्षा और डर पैदा करके ही समाज में नफरत का बीज बोया जा सकता है और इसमें वे लगे हुए हैं। अपने इस पत्र में राहुल गांधी ने आर्थिक संकट, महंगाई, बेरोजगारी और किसानों से जुड़े मुद्दे का भी उल्लेख किया। उन्होंने साफ करके कहा कि मैं संसद से लेकर सड़क तक हर दिन इन बुराइयों के खिलाफ लड़ूंगा। उन्होंने कहा कि मैं ऐसा भारत बनाने को दृढ़संकल्पित हूं, जहां हर एक भारतीय के पास सामाजिक खुशहाली के साथ आर्थिक समृद्धि के लिए समान अवसर हो, युवाओं को रोजगार मिले, किसानों को उनकी फसल का सही दाम मिले, छोटे और मझोले उद्योगों को प्रोत्साहन मिले, डीजल-पेट्रोल सस्ता हो, रुपया डॉलर के सामने मजबूत हो और गैस सिलिंडर की कीमत 500 रुपए से अधिक न हो। अपने पत्र में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि आज हर भारतीय ये महसूस कर रहा है कि आपसी नफरत और झगड़े हमारे देश के विकास में बाधक हैं। मुझे इस बात का पूरा विश्वास है कि हम सब समाज में बुराई पैदा करने वाले जाति, धर्म, क्षेत्र, और के मतभेदों से ऊपर उठेंगे। हमारी महानता विविधता में एकता की हमारी पहचान है।

शाह, नड्डा ने शरद यादव को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। जनता दल यूनाइटेड के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव का गुरुवार रात गुरुग्राम के फोर्टिस अस्पताल में निधन हो गया। वो 75 वर्ष के थे और काफी समय से गुर्दे की बीमारी से पीड़ित थे। सांस लेने में तकलीफ होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शरद यादव के निधन की जानकारी उनकी बेटी सुभाषिनी यादव ने फेसबुक पेज पर दी। शरद यादव ने जयप्रकाश नारायण से लेकर, चौधरी चरण सिंह, राजीव गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी के साथ भी लंबे समय तक राजनीति की। शरद यादव कुल सात बार लोकसभा सांसद चुने गए और तीन बार राज्यसभा सांसद बने। देश में आपातकाल के दौरान वो जेल भी गए थे। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई शख्सियतों ने शोक जताया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि समाजवादी विचारधारा को धार देने वाले हमारे वरिष्ठ नेता शरद यादव जी हमारे बीच में नहीं है। उनकी क्षति हम सभी को हमेशा खलती रहेगी। समाजवादी विचारधारा के लिए जिस समर्पण भाव से उन्होंने पूरी जिंदगी समाजिक न्याय की लड़ाई लड़ी, वो सच में हमको प्रेरणा देती है।

TENDER NOTICE

O.O. No : 19

Sealed tender affixing non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees Eight & paisa twenty-five) only for the following urgent works under **CSS-PT APO** for the year 2022-23 is hereby invited from intending registered Contractor/firms as detailed below-

Sl. No.	Name of the Range	Details of Works	Quantity	Estimate cost (in lakh)	Earnest Money	Comple-tion time
1	Western Range, Nagshankar	Construction of Forester Quarter	1	**24.98**	2% Gen. 1% SC/ST/ OBC	45 days

The tender will be received up to 3.00 P.M (IST) on **31/01/2023** in the office of the Divisional Forest Officer, Biswanath Wildlife Division, Biswanath Chariali and will be opened on the same day in presence of interested bidders or their authorized representative at 3.30 P.M. (IST). In the event of the office remaining closed under unavoidable circumstances, the tender will be received on next working day up to the stipulated time. The envelope containing the tender paper should be distinctly marked.

The details of the work, tender papers and general terms and conditions for execution may be collected from the office of the Divisional Forest Officer, Biswanath Wildlife Division, Biswanath Chariali during office hours on any working day on payment of **Rs.1000/-** (one thousand) in cash only being non-refundable processing cost. The bid offered should be clearly write both in figure and words. The offered bid should not be in percentage basis.

The acceptance of the tenders and issue of work order is subject to release of fund by the Govt. Of Assam/Competent Authority without hereby incurring any liabilities to the affected tenders any obligation to inform the effected tenderer of the grounds.

Divistional Forest Officer
Biswanath Wildlife Division cum
Deputy Director, Kaziranga Tiger Reserve
Biswanath Chaniali

-- Janasanyog /C/18517/ 22

पृष्ठ एक का शेष

विश्व की सबसे लंबी ...

सफर करेगा। ये वाराणसी से असम के डिब्रुगढ़ तक जाएगा। कार्यक्रम में पीएम वर्चुअली जुड़े। सीएम योगी ने इस दौरान कहा कि पिछले 8 सालों में बदलते हुए भारत को लोगों ने देखा। काशी ने नई यात्रा प्रारंभ की। कार्यक्रम में पीएम वर्चुअली जुड़े। सीएम योगी ने इस दौरान कहा कि पिछले 8 सालों में बदलते हुए भारत को लोगों ने देखा। काशी ने नई यात्रा प्रारंभ की। पीएम मोदी ने हर-हर महादेव से भाषण की शुरुआत की। कहा कि गंगा हमारे लिए सिर्फ एक जलधारा नहीं है। यह भारत की तपस्या की साक्षी है। इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है कि गंगा किनारे विकास के बजाए वह पिछड़ते चले गए। इसी वजह से गंगा किनारे के लाखों लोगों का पलायन हुआ। इसीलिए हमने नमामि गंगे शुरू की। इस क्रूज में सवार विदेशी टूरिस्ट साथियों से कहूंगा कि भारत के पास सब कुछ है। इंडिया को शब्दों में डिफाइन नहीं किया जा सकता है। इंडिया को अनुभव किया जा सकता है। हिंदुस्तान के धर्म, कला, संस्कृति, पर्यावरण, नदियों और समृद्ध खानपान से रूबरू होने का सुअवसर मिलेगा। भारत आइए, ये आपकी सोच से भी परे है। गंगा विलास क्रूज जहां से गुजरेगा वहां विकास की नई लाइन तैयार करेगा। शहरों के बीच लंबी रिवर क्रूज यात्रा के अलावा हम छोटे क्रूज को भी बढ़ावा देंगे। इसके लिए सुविधाएं विकसित की जा रही है। नदी जल मार्ग अब भारत का नया सामर्थ्य बनेगा। गंगा पर बन रहा राष्ट्रीय जलमार्ग पूरे देश के लिए एक मॉडल की तरह विकसित हो रहा है। ये राष्ट्रीय जलमार्ग ट्रांसपोर्ट, ट्रेड और टूरिज्म के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है। 2014 से पहले देश में वॉटर-वे का थोड़ा-बहुत ही उपयोग था। यह हाल तब था जबकि भारत में वॉटर-वे का पुरातन इतिहास था। 2014 के बाद हमने देश की बड़ी नदियों में जलमार्ग के विकास के लिए कानून बनाए। 2014 में 5 राष्ट्रीय जलमार्ग देश में थे। आज 24 राज्यों में 111 जलमार्गों को विकसित करने पर काम हो रहा है। यात्रा की अवधि- 51 दिन। दूरी- 3200 किलोमीटर। किराया- 19 लाख रुपए, सुइट का किराया 38 लाख। **क्रूज का रूट:** गंगा-भागीरथी-हुगली रिवर सिस्टम (नेशनल वॉटर वे 1), कोलकाता से धुबड़ी (इंडो बांग्ला प्रोटोकॉल रूट) और ब्रह्मपुत्र (नेशनल वॉटर वे 2)। रास्ते में 27 नदियां पड़ेंगी। गंगा, भागीरथी, हुगली, विद्यावती, मातला, सुंदरवन रिवर सिस्टम्स-5, मेघना, पद्मा, जमुना और ब्रह्मपुत्र जैसी 27 नदियां बीच में पड़ेंगी। **5 प्रदेशों और बांग्लादेश से गुजरेगा क्रूज:** यूपी, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और बांग्लादेश। वाराणसी, पटना, कोलकाता, ढाका, गुवाहाटी, डिब्रुगढ़ समेत 50 प्रमुख पर्यटन स्थल शामिल हैं। **सुविधाएं:** 18 सुइट, रेस्टोरेंट, बार, स्पा, सनडेक, जिम और लाउंज। 40 सीटों वाले रेस्तरां में कॉन्टिनेंटल और इंडियन फूड के साथ बफे काउंटर हैं। आउटडोर सिटिंग में स्टीमर चेयर्स और कॉफी टेबल के साथ एक बार है। बाथ टब वाला बाथरूम, कन्वर्टिबल बेड्स, फ्रेंच बालकनी, टीवी, तिजोरी, स्मोक अलार्म्स, लाइफ वेस्ट और स्प्रिंकलर्स भी हैं। **खासियत:** 62.5 मीटर लंबा और 12.8 मीटर चौड़ा, 40 हजार लीटर का फ्यूल टैंक और 60 हजार लीटर का वाटर टैंक। अप स्ट्रीम में क्रूज की रफ्तार 10 से 12 किलोमीटर प्रति घंटा है। डाउन स्ट्रीम में क्रूज की रफ्तार 15 से 20 किलोमीटर प्रति घंटा है। काशी में गंगा किनारे 30 हेक्टेयर में 265 टेंट लगाकर पर्यटकों के लिए लग्जरी टेंट सिटी बनाई गई हैं, जिनमें रहकर आप 5 स्टार जैसे होटल की लग्जरी सुविधाओं का लुफ्त उठा सकते हैं। उगते सूरज और गंगा आरती का नजारा, गेम्स और हॉर्स राइडिंग आपको सुकून देंगे। पीएम के इनॉगरेशन के बाद अब 15 जनवरी से यहां पर्यटकों का आना जाना शुरू हो जाएगा। टेंट सिटी का यह टूरिज्म प्रोजेक्ट पांच साल के लिए है। हर साल बाढ़ के समय कुछ महीनों के लिए टेंट सिटी को हटा दिया जाएगा। गंगा का जलस्तर सामान्य होते ही टेंट सिटी को फिर बसा दिया जाएगा। टेंट सिटी की डिजाइन काशी के मंदिरों के शिखर की तरह दिखेगी। रोजाना सूर्योदय होते ही घंटों-घड़ियालों की आवाज के साथ गंगा आरती होगी और सुबह की शुरुआत लाइव राग के साथ होगी। बनारस घराने की शहनाई, सारंगी, सितार, संतूर, तबला के साथ जुगलबंदी यहां सुनने को मिलेगी। टेंट सिटी में चंदन, गुलाब लैवेंडर की सुगंध फैलेगी। टेंट सिटी में स्वाद के लिए मलइयो, ठंडई, चाट, बनारसी पान और बनारस का खास खान-पान रिसॉर्ट और रेस्टोरेंट में परोसा जाएगा। टेंट सिटी में इनडोर और आउटडोर गेम जैसे स्नूकर, कैरम, बैडमिंटन, वॉलीबॉल आदि के अलावा बोटिंग की सुविधा मिलेगी। सर्दी से बचाव के लिए यहां बॉन फायर की सुविधा है।

गंगा विलास के फ्लैग आफ ...

गंगा विलास उत्तर प्रदेश में वाराणसी और ऊपरी असम में डिब्रुगढ़ के बीच 3,200 किमी की दूरी को 51 दिनों में बांग्लादेश से होते हुए तय करेगा और रास्ते में 50 प्रमुख पर्यटक स्थलों के पास स्टॉप-ओवर बनाएगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने गुवाहाटी में समुद्री कौशल विकास केंद्र का भी उद्घाटन किया, जिसे 6 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है। साथ ही पांडु में एक जहाज मरम्मत केंद्र और मल्टी-मॉडल टर्मिनल को जोड़ने वाली एक उन्नत सड़क की आधारशिला रखी। राष्ट्रीय राजमार्ग-27 के साथ इसके लिए क्रमश: 208 करोड़ और 180 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का आभार जताया। एमवी गंगा विलास के लांच का उल्लेख करते हुए डॉ. सरमा ने कहा कि यह प्रधानमंत्री के *पूर्वोत्तर के परिवर्तन* के आदर्श वाक्य को परिवहन के माध्यम से साकार करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। मुख्यमंत्री ने देश और विदेश के पर्यटकों से एमवी गंगा विलास के अभूतपूर्व अनुभव के लिए आगे आने की भी अपील की। मुख्यमंत्री ने यह विश्वास भी जताया कि समुद्री कौशल विकास केंद्र यह सुनिश्चित करेगा कि क्षेत्र के युवा रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों का उपयोग करने में सक्षम होंगे जो समुद्री क्षेत्र आने वाले दिनों में प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि आगामी जहाज मरम्मत केंद्र और राष्ट्रीय राजमार्ग 27 के साथ पांडु बंदरगाह को जोड़ने वाली उन्नत सड़क न केवल इस क्षेत्र में नदी के शिपिंग क्षेत्र को भारी बढ़ावा देगी, बल्कि इसके आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले सत्ता के गलियारों और बौद्धिक हलकों में *पूर्वोत्तर को मुख्य धारा में लाने* की आवश्यकता की बात होती थी लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह केवल एजेंडा नहीं रह गया है, बल्कि इसे अक्षरश: लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर सभी मोर्चों पर अभूतपूर्व स्तर की प्रगति और विकास देख रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी वीडियो कांफ्रेंसिंग मोड के माध्यम से शामिल हुए। केंद्रीय जहाजरानी राज्य मंत्री श्रीपद नाइक और सांसद क्वीन ओझा पांडु में समारोह में उपस्थित थीं।

जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी...

गृह मंत्री आतंकवादी हमले के पीड़ित परिवारों से मिलने जाने वाले थे लेकिन मौसम में खराबी की वजह से उनका राजौरी दौरा टल गया। हालांकि उन्होंने पीड़ित परिवारों से फोन पर बात की और उनकी बातों को गौर से सुना। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिवार वालों से मैंने फोन पर बात की है। मैं उनसे मुलाकात के लिए वहां खुद जाने वाला था लेकिन आज मौसम के कारण हम वहां नहीं पहुंच पाए। उनकी बातों को सुना है और मैंने उपराज्यपाल मनोज जी से भी बात की है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा में लगी सभी प्रकार की एजेंसियों से सभी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई है। आने वाले दिनों में एक बहुत सुरक्षित ग्रीड बनाने की तैयारी की जाएगी। बीएसएफ, सीआरपीएफ, सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस समेत सभी पूरी तरह से मुस्तैद है। साथ ही बताया कि संपूर्ण 360 डिग्री सुरक्षा चक्र को लेकर भी चर्चा हुई है।

क्या असम सीमा से लगे गांवों...

बैठकें की हैं और वरिष्ठ स्तर पर भी चर्चा जारी है। हम स्थिति के प्रति सजग हैं और चिंता की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि समस्या की कोई बात नहीं है। हमने अपने स्तर पर स्थिति की समीक्षा की है और दोनों ओर के जिला अधिकारियों ने विस्तृत बैठकें की हैं। सीईसी ने कहा कि चुनावी खर्च पर कड़ी निगरानी के लिए आयोग ने 16 केंद्रीय एजेंसियों को समन्वित तरीके से काम करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि कोई राजनीतिक दल या उम्मीदवार मतदाताओं को नकदी के जरिए लुभा न सके, इसके लिए विभिन्न एजेंसी को राज्य में आने वाले हेलीकॉप्टर और विमानों की उचित जांच के निर्देश दिए गए हैं। मेघालय की 60 सदस्यीय विधानसभा के लिए इस साल चुनाव प्रस्तावित हैं।

म्यांमार के दो नागरिक ...

के थुम्पुई इलाके में एक अभियान चलाया। इस दौरान नौ साबुनदानी में छिपाकर रखी गई 126 ग्राम हेरोइन जब्त की। आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए राज्य पुलिस को सौंप दिया गया है।

शोणितपुर में 50 मेगावाट ...

कराई गई थी। यह निर्णय मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। पर्यटन मंत्री जयंत मल्ला बरुवा ने संवाददाताओं से कहा कि हम बरछल्ला में 50 मेगावॉट का सौर पार्क बनाएंगे, जहां पिछले साल अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया था। यह भविष्य में अतिक्रमण की किसी भी संभावना से क्षेत्र की रक्षा करेगा। तीन सितंबर को, असम सरकार ने 1,000 बीघा भूमि पर अतिक्रमण मुक्ति अभियान चलाया था, जहां 299 परिवार रह रहे थे। प्रभावित परिवारों में से अधिकांश बंगाली थे और वे वहां वर्षों से रह रहे थे। मंत्रिमंडल ने एक बंद नदी सर्किट को भी मंजूरी दी, जो सागरमाला परियोजना के तहत पांच तीर्थस्थलों-कामाख्या, दौल गोबिंद, अश्वकलंता, उमानंद और पांडु नाथ को जोड़ेगी। उन्होंने कहा कि एक नौका इन क्षेत्रों को एक हॉप-ऑन हॉप-ऑफ सेवा के माध्यम से जोड़ेगी। यह राज्य सरकार और केंद्र के बीच एक संयुक्त उद्यम होगा। राज्य की हिस्सेदारी 45 प्रतिशत होगी और 55 प्रतिशत हिस्सेदारी केंद्र के पास होगी। बरुवा ने बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मंत्रिमंडल ने 4,362 करोड़ रुपए की लागत से 44 लाख घरों में स्मार्ट बिजली मीटर लगाने का भी फैसला किया है। उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि यह 5,000 तकनीशियन और 2,000 अनुसंधान एजेंट के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा। इसके अलावा, मंत्रिमंडल ने यह भी निर्णय लिया कि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) प्रमाणपत्र अब से हाई स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (एचएसएलसी) और हायर सेकेंडरी के बराबर होंगे। बरुवा ने कहा कि इसके लिए बोर्ड को भी अधिकार दिए जाएंगे। यह असम में तकनीकी शिक्षा पर एक बड़ा फैसला है। उन्होंने आगे कहा कि मंत्रिमंडल ने कामरूप जिले के हाजो में एनडीआरएफ की एक बटालियन स्थापित करने के लिए 227 बीघा जमीन आवंटित करने का फैसला किया है। बरुवा ने कहा कि किसी जिले में निरीक्षकों का स्थानांतरण अब जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) द्वारा किया जा सकता है। वर्तमान प्रणाली के तहत गुवाहाटी में पुलिस मुख्यालय इनका स्थानांतरण करता है।

हिरासत से फरार होने का प्रयास कर रहा डकैत गोलीबारी में घायल

गोलाघाट (विभासा)। असम के गोलाघाट जिले में हिरासत से कथित रूप से भागने की कोशिश कर रहा एक संदिग्ध डकैत पुलिस गोलीबारी में घायल हो गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक पुलिस कांस्टेबल को भी मामूली चोटें आई हैं। गोलाघाट एएसपी अंजन पंडित ने कहा कि बृहस्पतिवार को डेरगांव पुलिस ने एक कार को रोका था जिससे आरोपी ड्रूनो दास उर्फ अकोनी को तीन अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया गया। पंडित ने बताया कि चारों को एक डकैती में शामिल होने के संदेह में पकड़ा गया था, जिसे बाद में पूछताछ के दौरान उन्होंने कबूल कर लिया था। एएसपी ने कहा कि जब वे आरोपियों के बयानों के आधार पर आगे की जांच के लिए पड़ोसी नागांव जिले से एक पुलिस वाहन में लौट रहे थे, तो अकोनी ने कहा कि उसे शौच के लिए जाना है। उन्होंने कहा कि वाहन से उतरने पर उसने एक कांस्टेबल को धक्का देकर भागने की कोशिश की। पंडित ने बताया कि हमारे कर्मियों को गोली चलानी पड़ी क्योंकि वह भागने की कोशिश कर रहा था और उसके पैर में गोली लगी। उन्होंने बताया कि अकोनी का जोरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज चल रहा है।

अभामामस मध्य गुवाहाटी का अन्नपूर्णा कार्यक्रम संपन्न

गुवाहाटी। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन (अभामामस) मध्य गुवाहाटी शाखा की ओर से अन्नपूर्णा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मकर संक्रांति के मौके पर 9 नंबर रेलवे गेट के पास अन्नपूर्णा कार्यक्रम के तहत राहगीरों एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग लोगों के बीच भोजन का वितरण किया गया। जीसका लाभ बड़ी संख्या में लोगों ने लिया एवं भरपेट भोजन किया। अध्यक्ष रितु अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी सदस्याओ का भरपूर सहयोग रहा।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल — **सप्तम अध्याय**

(विरह)

पान बिलापन तन भया, मन मुख मण्डल आव।
जलन जलन्ती ताह को, हे प्रभु आय बुझाव॥ 09॥

शब्दार्थ : (पान) ताम्बूल (बुझाव) शान्त (जलन) जलना (दाह) ज्वाला, ताप।

भाष्य : पीले पान के समान शरीर हो गया। मन और मुखमण्डल विरह-ताप से धूमिल हो गया है। हे प्रभो! इस विरह की जलती हुई आग को आकर शीघ्र शान्त करें। विरह की अग्नि को प्रभु ही शांत करता है।

पपिहा पिव पिव पटत है, विरही विरह जगाव।
प्रभु वियोग तन विकल है, दुखमय जगत दिखाव॥ 10॥

शब्दार्थ : (रटत) रटना, बार-बार बोलना (विकल) व्याकुल।

भाष्य : पपीहा बार-बार पिव की रटन कर रहा है, जिससे विरही की वियोग-देवना जागृत हो जाती है। वह अपने प्रभु के वियोग में व्याकुल है, जिसके कारण उसे सारा संसार दु:खमय प्रती हो रहा है।

उजान बाजार में जोरपुखुरी पार्क का सीएम ने किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा ने शुक्रवार को यहां उजान बाजार स्थित जोरपुखुरी पार्क का उद्घाटन किया। पार्क का निर्माण राज्य सरकार की पहल और अटल मिशन कायाकल्प एवं शहरी परिवर्तन (एएमआरयूटी) के तहत किया गया है। 3.23 करोड़ रुपए के वित्तीय परिव्यय के तहत पाथवे, लाइटिंग, फाउंटेन, रिटेनिंग वॉल, कटाव सुरक्षा दीवार, बत्तखों के लिए आश्रय आदि जैसी सुविधाओं के साथ इसका निर्माण किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जोरपुखरी से जुड़े ऐतिहासिक महत्व को बनाए रखते हुए उन्हें और अधिक आकर्षक बनाने के लिए उजान बाजार में जोरपुखुरी पार्क का उद्घाटन कर मुझे खुशी हो रही है। सदियों पहले स्वर्गदेव शिव सिंघा द्वारा निर्मित जोरपुखुरी गुवाहाटी के विरासत पर्यटन स्थलों में से एक है। पार्क का निर्माण कर सरकार ने जगह की वैल्यू बढ़ा दी है। पार्क आगंतुकों को एक ताज़ा अनुभव प्रदान करेगा। सरकार आने वाले समय में शहरवासियों के लक्ष्यों और आकांक्षाओं को पूरा करते हुए गुवाहाटी को एक सुंदर शहर में बदलने के लिए और कदम उठाएगी। कार्यक्रम में स्वागत भाषण आवास एवं शहरी कार्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव ने दिया जिसे आवास एवं शहरी कार्य मंत्री अशोक सिंघल, सांसद क्वीन ओजा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर महापौर जीएमसी मृगेन सरणिया, अध्यक्ष जीएमडीए नारायण डेका भी उपस्थित थे। बाद में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने गुवाहाटी को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने के क्रम में पानबाजार निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और कार्य की प्रगति का जायजा लिया। परियोजना में महाबाहु ब्रह्मपुत्र रिवर हेरिटेज सेंटर के विस्तार के रूप में पुराने पुलिस आयुक्त बंगला परिसर का विकास शामिल था। परियोजना के घटक पुराने सीपी बंगला परिसर के साथ महाबाहु हेरिटेज सेंटर का एकीकरण, मौजूदा पदुम पुखुरी क्षेत्र का विकास, मौजूदा रिवरफ्रंट क्षेत्र का विकास और लैंडस्केप कोर्ट का विकास और क्षेत्र के चारों ओर पैदल मार्ग हैं। मुख्यमंत्री ने परियोजना को समय पर पूरा करने पर जोर देते हुए परियोजना के गुणवत्तापूर्ण निर्माण पर जोर दिया। उन्होंने कार्य की निष्पादन एजेंसी से भी बात की और पूरे परिदृश्य की एक सामान्य समरूपता बनाए रखते हुए इसे एक आकर्षक बनाने के लिए कहा। डॉ. शर्मा ने फैंसी बाजार बॉटनिकल गार्डेन के स्थल का भी दौरा किया और इसके निर्माण की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण के सभी पहलुओं का निरीक्षण किया और उम्मीद जताई कि अगले छह महीने में पार्क का पहला चरण आम लोगों को समर्पित किया जा सकता है। उन्होंने जीएमडीए को सहायक सुविधाओं का ध्यान रखने और जगह को आकर्षक और अद्वितीय बनाने के लिए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाने के लिए कहा। आवास और शहरी मामलों के मंत्री अशोक सिंघल, जीएमडीए के अध्यक्ष नारायण डेका, आवास और शहरी मामलों के आयुक्त और सचिव कविता पद्मनाभन और अन्य हितधारक मुख्यमंत्री की यात्रा के दौरान उपस्थित थे।

हिंयुछाप ने सरकार से बेदखली अभियान जारी रखने को कहा

लखीमपुर (विभास)। हिंदू युवा छात्र परिषद, असम ने राज्य सरकार से अतिक्रमित भूमि पर अपना निष्कासन अभियान जारी रखने और इन अतिक्रमणकारियों के खिलाफ अधिक सख्ती बरतने का आग्रह किया है। परिषद के केंद्रीय अध्यक्ष ने आज एक प्रेस बयान में कहा कि बैश्य और महासचिव माधव दास ने कहा कि जाति और भूमि आधार की रक्षा के हित में सत्ता में आई इस सरकार ने बेदखल अतिक्रमणकारियों के पुनर्वास के सरकार के प्रयास की कड़ी आलोचना की है। हमें यह कहने के लिए कुछ नहीं है कि किसी भूमिहीन परिवार को सरकार ने एक आवेदन के आधार पर जमीन दी है, लेकिन अवैध रूप से कब्जा किए गए कानूनों का उल्लंघन करने वाले अतिक्रमणकारियों को फिर से जमीन देना स्वीकार्य नहीं है। इसी बयान में बैश्य और दास ने कहा कि एसाम धुरंधा के राजनेताओं और बुद्धिजीवियों ने जिस तरह मानवता के नाम पर मानवता की वकालत करते हुए अतिक्रमणकारियों को प्रोत्साहित करने और बनाए रखने की कोशिश की, उसकी वे कड़े शब्दों में निंदा करते हैं और सरकार से इस अभियान को जारी रखने और अतिक्रमणकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं। उधर, बैश्य और दास ने कहा कि परिषद ने अतिक्रमणकारियों के पुनर्वास के लिए प्रोत्साहित करने के बजाय मांग की कि परिषद अतिक्रमणकारियों को दंडित करने के लिए एक नीति बनाए और अतिक्रमणकारियों पर बेदखली के नाम पर खर्च किए गए धन को थोपे ताकि उन्हें खुद राजकोष पर खर्च करना पड़े। बयान के अंत में बैश्य और दास ने कहा कि संगठन की मांग है कि सरकार सख्त कानून बनाए ताकि अतिक्रमणकारियों का पुनर्वास न हो सके और असम के लोगों को भी वोट के लालच में अतिक्रमणकारियों के प्रति सम्मान दिखाने के लिए राजनीतिक दलों का बहिष्कार करना चाहिए और सभी से खिलोंजिया के हित में एक साथ आने का आह्वान किया।

पुलिस कस्टडी से भाग रहे डकैत के पैर में मारी गोली

गोलाघाट (हि.स.)। गोलाघाट जिला के देरगांव पुलिस ने बनगांव में पुलिस कस्टडी से भागने की कोशिश कर रहे एक डकैत के पैर में गोली मार दिया, जिसके चलते डकैत घायल हो गया। घायल डकैत को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया है कि देरगांव पुलिस बीती रात नगांव से चोरी किए गए सामानको बरामद कर एक डकैत अकोनी दास को लेकर जा रही थी। इसी दौरान डकैत अकोनी दास बनगांव के पास शौच करने की बात की। पुलिस टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर वाहन को रोक दिया। मौका पाकर डकैत पुलिस कांस्टेबल निपुल बरुवा पर हमला कर भागने लगा। उसे पकड़ने के लिए पुलिस कर्मियों ने उसके पैर में गोली मार दी, जिसके चलते वह घायल हो गया। बाद में पुलिस ने उसे फिर से पकड़ लिया। पुलिस की गोलीबारी में अकोनी दास घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल दास को तुरंत पुलिस वाहन से अस्पताल ले जाया गया। दूसरी ओर पुलिस जवान निपुल बरुवा को भी मामूली चोटें आईं। इस बीच गोलाघाट जिला के एक उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारी रात में ही गोलीबारी की घटनास्थल पर पहुंचे और घटना की जांच की। हालांकि, उन्होंने मीडिया के सामने घटना के बारे में कुछ भी नहीं बताया। अकोनी दास का फिलहाल जोरहाट मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

रेलवे सुरक्षा बल ने छह बांग्लादेशियों को पकड़ा

गुवाहाटी (हि.स.)। अवैध प्रवासियों और रोहिंग्याओं का पता लगाने के लिए लड़ाई जारी रखते हुए पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के रेलवे सुरक्षा बल ने नियमित तलाशी अभियान चलाते हुए अलीपुरद्वार जंक्शन रेलवे स्टेशन से छह बांग्लादेशियों को पकड़ा है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि 11 जनवरी को अलीपुरद्वार जंक्शन की रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने अलीपुरद्वार जंक्शन रेलवे स्टेशन पर प्रतिबंधित वस्तुओं और असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान चलाया। तलाशी के दौरान उन्होंने संदिग्ध राष्ट्रीयता के 06 व्यक्तियों (04 महिलाएं और 02 पुरुष) का पता लगाया। पूछताछ के दौरान वे कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके और बाद में स्वीकार किया कि उन्होंने बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था। तलाशी के दौरान, उनके पास से फर्जी भारतीय आधार कार्ड, 02 मोबाइल फोन और ट्रेन नंबर 13174 (कंचनजंघा एक्सप्रेस) अगरतला से सियालदह जाने वाली तथा अगरतला से रवाना होने वाली 02 रेलवे ई-टिकट बरामद किए गए। बाद में सभी 06 बांग्लादेशियों को बरामद वस्तुओं के साथ हिरासत में लिया गया और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए अलीपुरद्वार जीआरपी को सौंप दिया गया।

अल्पसंख्यकों की समस्या को लेकर दिल्ली पहुंचा प्रतिनिधिमंडल

नागरबेड़ा (निसं)। असम चर परिषद और असम अल्पसंख्यक संघर्ष परिषद की एक प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली पहुंची और राज्य में चल रही अवैध और असंवैधानिक बेदखली प्रक्रिया के संबंध में केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू से मुलाकात की और उन्हें मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी। असम चार परिषद की केंद्रीय समिति के महासचिव अधिवक्ता हन्नानुल अहमद ने बताया। इसके अलावा सजाति पार्टी ने अल्पसंख्यकों पर राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार द्वारा अवैध और अमानवीय निष्कासन के खिलाफ और विभिन्न मांगों के साथ राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और मानवाधिकार आयोग को एक ज्ञापन भी सौंपा। टीम में असम चर परिषद की केंद्रीय समिति के महासचिव अधिवक्ता हन्नानुल अहमद, दक्षिण बरपेटा जिला समिति, असम सांखलगु सांगरा के अध्यक्ष मिर्जा उस्मान गनी,असम संख्या लघु संग्राम परिषद सलाहकारद्वय आब्दुस समाद अहमेद, अब्दुल अजीज, साधारण सचिव द्वय मुवाज्जेम हुसैन और मुज्जमिल हक मौजूद थे।

एसएसबी ने प्रतिबंधित मादक पदार्थ के साथ एक तस्कर को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) गुवाहाटी फ्रंटियर द्वारा सीमा पर होने वाले अपराधों एवं तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए विशेष अभियान के दौरान एक भारतीय तस्कर को भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीले टेबलेट्स याबा के साथ गिरफ्तार किया है। एसएसबी सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार रात सीमा प्रहरियों ने असम पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान चलाते हुए भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक से एक भारतीय तस्कर को प्रतिबंधित मादक पदार्थ 7,800 नग याबा टेबलेट के साथ गिरफ्तार किया गया। एसएसबी गुवाहाटी फ्रंटियर के अन्तर्गत तैनात सीमा प्रहरियों ने गुप्त सूचना के आधार पर असम पुलिस के साथ मादक पदार्थ की तस्करी के खिलाफ चलाए गये संयुक्त अभियान में धुबड़ी जिले के भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती गांव नलिया पार्ट-।। (बेरबंगी) से एक तस्कर को 39 लाख रुपए मूल्य की 7800 नग याबा टेबलेट के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्कर को जब्त किये गए मादक पदार्थ के साथ अग्रिम कार्यवाही के लिए नजदीकी पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है।

मोमबत्ती से घर में लगी आग, लाखों की संपत्ति जलकर खाक

नगांव (हि.स.)। नगांव जिला के जुरिया थानांतर्गत इलाके में बीती मध्य रात को मोमबत्ती के चलते घर में अचानक भयावह आग लग गयी। हादसे में लाखों रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गयी। जुरिया के परमाइभेटी में बीती मध्य रात को लगी आग में लाखों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। आग जुरिया के परमाइभेटी निवासी फकीर उद्दीन अहमद के घर में लगी थी। परिवार के सदस्यों के अनुसार मोमबत्ती से आग लगने के कारण घर आग की लपटों से पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग में महत्वपूर्ण दस्तावेज, नकदी और लाखों रुपए की संपत्ति जल गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशमन विभाग की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से आग को बुझाया। हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है।

कामरूप में गुणोत्सव-2023 की तैयारियां जोरों पर

रंगिया (निसं)। कामरूप का समूचा शिक्षा विभाग आगामी 18 जनवरी से शुरू होने वाले गुणोत्सव-2023 की सभी तैयारियां पूरी कर चुका है। गुणोत्सव को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए पुस्तक मूल्यांकनकर्ताओं के प्रशिक्षण सहित अन्य सभी योजनाएं पहले ही तैयार कर ली गई हैं। उल्लेखनीय है कि इसबार गुणोत्सव में पहली कक्षा से 9वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को चालू वर्ष के मूल्यांकन द्वारा मापांक निर्धारित किया जाएगा। इस आकलन को 2 कैटेगरी में बांटा गया है। इनमें से एक आंतरिक मूल्यांकन और दूसरा बाह्य मूल्यांकन है। 18 जनवरी को आंतरिक मूल्यांकन किए जाने के बाद एक दिन में बाहरी मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा। इस मूल्यांकन में छात्र-छात्राओं की शिक्षा की गुणवत्ता, शैक्षणिक स्थिति, शिक्षण अथवा सीखने का व्यवधान, सह-शैक्षणिक और सामुदायिक भागीदारी आदि सहित विभिन्न पहलुओं को शामिल किया जाएगा। दूसरी ओर गुणोत्सव-2023 की पूर्व संध्या पर जिले के विद्यालयों को और अधिक उत्साहित करने के उद्देश्य से समूचे शिक्षा कामरूप के सौजन्य से गुणोत्सव-2022 में ए प्लस एवं ए ग्रेड प्राप्त करने वाले जिला के विद्यालयों जिला प्रशासन और समूचे शिक्षा, कामरूप की ओर से विशेष रूप से प्रशंसा पत्र प्रदान करने का कदम उठाया गया है। जिससे कि विद्यालय आगामी गुणोत्सव में बेहतर परिणाम दिखा सकते हैं और शैक्षणिक सुधार की दिशा में अधिक प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा जिले में गुणोत्सव-2022 में बी%, सी या डी ग्रेड प्राप्त करने वाले विद्यालयों को प्रोत्साहित करने का भी प्रयास है ताकि वे भी आगामी गुणोत्सव में और आशाप्रद परिणाम दिखा सकें। उल्लेखनीय है कि गुणोत्सव-2022 के परिणामों में कामरूप जिले के 344 विद्यालयों को ए प्लस तथा 924 विद्यालयों को ए ग्रेड प्राप्त हुआ है। कामरूप जिला की उपायुक्त कीर्ति जल्ली और समग्र शिक्षा, कामरूप जिला मिशन समन्वयक अपूर्ब ठाकुरिया द्वारा हस्ताक्षरित यह प्रशंसा पत्र आज से विद्यालयों के प्राचार्यों को प्रदान करने का कदम उठाया गया है।

विश्वनाथ में महर्षि ज्ञानयुग दिवस समारोह

विश्वनाथ चाराली (निसं)। महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठ विश्वनाथ चाराली महर्षि आश्रम में कल प्रातः 8.30 वजे से गुरु परम्परा पुजन से परम पूज्य महर्षि महेश योगी का 106वां जन्म जयंती समारोह परम्परागत ढंग से मनाया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में डिग्री कालेज के अवसर प्राप्त प्रिंसिपल कमला कांत उपाध्याय उपस्थित थे अपने वक्तव्य में उपाध्याय ने कहा धर्म की रक्षा वेद की रक्षा करना अनिवार्य है उन्होंने कहा वैदिक परंपराओं को जिवित रखना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है एवं महर्षि महेश योगी के द्वारा चलाए जा रहे सभी संस्थानों को भूरी भूरी प्रशंसा की है। वहीं अति विशिष्ट अतिथि के रूप में असम गोर्खा छात्र संगठन के केंद्रीय उपसभापति दिलीप गजूरेल उपस्थित थे। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा परम पूज्य महर्षि महेश योगी के द्वारा चलाए जा रहे सभी संस्थानों को उत्तरों उत्तर प्रगति की कामना की एवं महर्षि महेश योगी के संस्थानों द्वारा प्रशिक्षित वैदिक पंडितगण विश्व में प्रसिद्ध है। एवं कोही हरा नहीं सकता है। एवं वर्तमान समय पर परम पूज्य महर्षि महेश योगी के तपोनिष्ठ शिष्य वेद विद्या मार्तण्ड महर्षि विद्या मंदिर स्कूल समुह के अध्यक्ष महर्षि महेश योगी वैदिक विश्व विद्यालय के कुलाधिपति डॉ गिरीश चंद्र वर्मा के द्वारा अनुशासित तरीके से चलाए जा रहे सभी कार्यक्रमों एवं संस्थानों को उत्तरों उत्तर प्रगति की कामना किये। इस पवित्र महोत्सव के शुभ अवसर पर आश्रम के प्रभारी भुपाली शर्मा एवं मनोज सिंह के द्वारा भावातीत ध्यान पर अपनी विचार रखे और अतिथियों का स्वागत किये। उक्त कार्यक्रम को मन्च का संचालन मुख्याचार्य पुण्य प्रसाद वास्तोला ने किया एवं 106वां महर्षि जन्म जयंती समारोह के उपलक्ष्य में परम पूज्य महर्षि द्वारा संचालित कार्यक्रम का व्याख्यान कर सभी महानुभावों को मंत्र मुग्ध कर दिया। विद्यापीठ के वरिष्ठ आचार्य खगेंद्र गौतम ने वेद विज्ञान के रहस्यों को अवगत कराया। उक्त कार्यक्रम में स्थानीय गणमान्य स्थानीय नागरिक आश्रम के वरिष्ठ पण्डित भोला, किशोर आचार्य, पुरुषोत्तम, पंकज, मोहन, प्रेम सहित सभी लोग उपस्थित रहकर कार्यक्रम को समापन से पूर्व विद्यापीठ के छात्रों ने खेल प्रतियोगिता में विजेता ओ को पुरस्कृत कर प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम को समापन किया गया।

भरलुमुख के सोनाराम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के भरलुमुख स्थित प्रसिद्ध सोनाराम हायर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। सोनाराम हाई स्कूल परिसर में आयोजित समारोह में असम सरकार के प्राथमिक शिक्षा विभाग के उप निदेशक प्रसन्न बोरा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बोरा ने छात्रों के अध्ययन और माता-पिता की जिम्मेदारी की भावना पर अपने विचार व्यक्त किये। प्रागज्योतिष महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज महंत ने विद्यार्थियों के अध्ययन और कार्य पर प्रकाश डाला। सोनाराम हायर सेकेंडरी स्कूल की प्रधानाचार्या मंजूरानी बर्मन ने आझ सुबह पुरस्कार वितरण समारोह का शुभारंभ ध्वजारोहण कर किया। ज्ञात हो कि पुरस्कार वितरण समारोह विद्यालय के वार्षिक सप्ताहभर चले विभिन्न खेलों के विजयी विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किया गया। आज के पुरस्कार वितरण समारोह में गुवाहाटी नगर निगम की पार्षद मंजू बोरा, पूर्व छात्र ध्रुबज्योति मरल, अध्यक्ष मालविका चौधरी, वरिष्ठ पत्रकार नयनज्योति तालुकदार, पूर्व छात्र हेमन शर्मा, शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

कोरोना योद्धाओं के परिवारों को 1-1 करोड़ रुपए की सम्मान राशि देगी दिल्ली सरकार

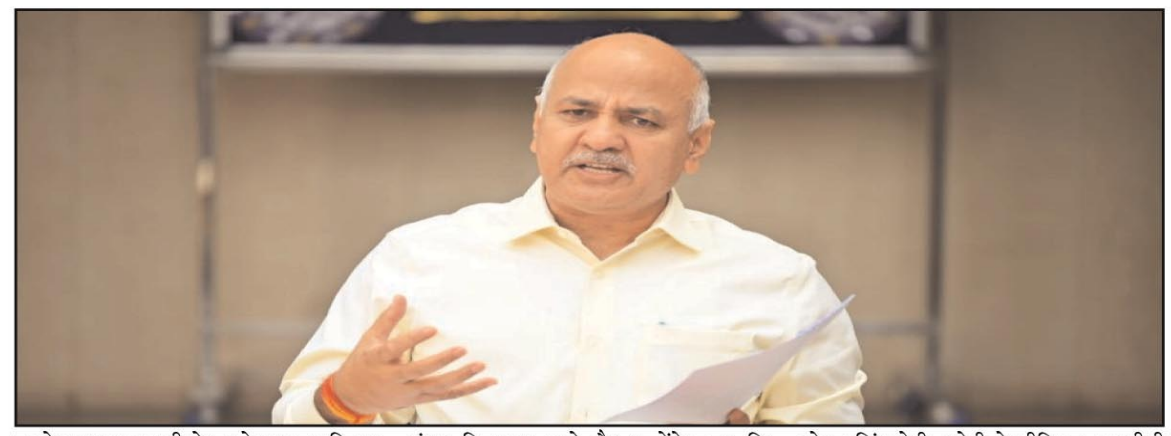

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली सरकार कोरोना महामारी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले 14 कोरोना योद्धा के परिवारों को 1-1 करोड़ रुपए की सम्मान राशि देगी, इससे पहले दिल्ली सरकार द्वारा 59 कोरोना योद्धाओं के परिवारों को 1-1 करोड़ रुपए की सम्मान राशि देने को मंजूरी दे चुकी है। शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की अध्यक्षता में ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की बैठक में इसे मंजूरी दी गई, बैठक में परिवहन व राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत भी शामिल रहे। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली के कोरोना योद्धाओं ने महामारी के दौरान अपनी जान की परवाह किए बिना मानवता और समाज की रक्षा करने का काम किया और अपने जीवन का बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार इनके जज्बे को सलाम करती है। बेशक इस राशि से दिवंगत कोरोना योद्धाओं के परिवार के नुकसान की पूर्ति तो नहीं की जा सकती लेकिन उनके परिवार को एक सम्मानजनक जीवन जीने का जरिया जरूर मिलेगा। सिसोदिया ने कहा कि कोरोना महामारी एक भयानक संकट था। इस संकट ने सभी के मन में डर भय पैदा कर दिया था लेकिन हमारे कोरोना योद्धाओं ने अपनी जान को जोखिम में डालते हुए दिल्ली को इस संकट से उबारने का काम किया। डॉक्टर, मेडिकल स्टाफ, सहायक स्टाफ, सफाई-कर्मचारियों सहित हजारों कोरोना योद्धाओं ने दिन-रात काम करते हुए इस महामारी से लड़ने का काम किया। उन्होंने कहा कि हमारे कोरोना योद्धाओं ने लोगों की सेवा करते हुए अपनी जान की परवाह भी नहीं की और खुद संक्रमित होकर शहीद हो गए। दिल्ली और देश कोरोना योद्धाओं के इस बलिदान को भूलेगा नहीं। सिसोदिया ने कहा कि अपनी मानवता की रक्षा करते हुए व अपनी ड्यूटी निभाते हुए हमारे कोरोना योद्धा शहीद हुए लेकिन उनके पीछे हम उनके परिवार को अकेला नहीं छोड़ेंगे। शहीदों की शहादत और उनके परिवार का सम्मान करना केजरीवाल सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल जी एक भाई-बेटे के रूप में इन शहीदों के कोरोना योद्धाओं के परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार की ये योजना कोरोना योद्धाओं के परिवार को ये आत्मविश्वास देती है कि सरकार और समाज हमेशा हर जरुरत में उनके साथ है। और उनकी हर जरूरतों को पूरा करना सरकार का फर्ज है।

कोरोना योद्धा जिनके परिवारों को मिलेगी 1 करोड़ रुपए की सम्मान राशि - -संजय कुमार गुप्ता,मेडिकल सुपरीटेंडेंट, आल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद, डॉ.अनिल कुमार रावत, कंसलटेंट जनरल सर्जरी, सरोज सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, जगराम, सफाई कर्मचारी, लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल, बाबूराम, चौकीदार,दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड अस्पताल, मोहन सिंह नेगी, ओटी टेक्नीशियन, एमसीडी लाजपत नगर कॉलोनी अस्पताल, राजीव मल्होत्रा, डार्क रूम अस्सिस्टेंट, भगवान महावीर हॉस्पिटल, रीता वोहरा,लैब टेक्नीशियन, दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल, डॉ.प्रेरणा जैन, इम्पेनल्ड डॉक्टर, डीजीएचएस, डॉ. रमेश कुमार, सीएमओ इंचार्ज, एमसीडी, रजनी चौहान, नर्सिंग ऑफिसर, एमसीडी मातृ व शिशु केंद्र, तिलक नगर, गायत्री शर्मा,एएनएम, गुरुतेग बहादुर अस्पताल, रवि कुमार, जूनियर असिस्टेंट, आचार्य श्री भिक्षु अस्पताल, मधु राणा, शिक्षक, निगम प्राथमिक विद्यालय,बस-ईदारापुर और देवराज, एएसओ, बीएलओ, नई दिल्ली जिला।

शरद यादव को श्रद्धांजलि देने दिल्ली पहुंचे राहुल गांधी, परिजनों से की मुलाकात

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद यादव का गुरुवार रात गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। इस दुख की घड़ी में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली पहुंचकर शरद यादव के परिजनों से मुलाकात की और यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान राहुल गांधी ने शरद यादव को याद करते हुए कहा कि उन्होंने यादव से राजनीति के बारे में बहुत कुछ सीखा है। राहुल ने कहा कि शरद यादव और उनकी दादी इंदिरा गांधी के बीच राजनीतिक लड़ाई जरूर थी लेकिन दोनों के बीच एक सम्मान का रिश्ता था। राहुल ने कहा कि शरद यादव को खोने से उन्हें बहुत दुख पहुंचा है। यादव ऐसे नेता थे जिन्होंने राजनीति में रहते हुए अपनी इज्जत बनाए रखी क्योंकि राजनीति में सम्मान खोना बहुत आसान है। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने गुरुवार को भी ट्वीट कर शरद यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की थी। उन्होंने लिखा था कि "शरद यादव समाजवाद के पुरोधा होने के साथ एक विनम्र स्वभाव के व्यक्ति थे। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। उनके शोकाकुल परिजनों को अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। देश के लिए उनका योगदान सदा याद रखा जाएगा।"

हिट्रोलोगस बूस्टर डोज के रूप कोवोवेक्स वैक्सीन को बाजार में उतारने हुई सिफारिश

पुणे, (हि.स.)। केंद्रीय औषधि प्राधिकरण विशेषज्ञ समिति द्वारा निर्णायक फैसला लेते हुए पुणे की सिरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा तैयार किए गए कोरोना रोधी टीका कोवोवेक्स को बाजार में उपलब्ध कराने के लिए सिफारिश जारी कर दी है। यह वैक्सीन हिट्रोलोगस बूस्टर डोज के रूप में देशवासियों के स्वास्थ्य के अनुरूप रामबाण हथियार के रूप में कार्य करेगी। यह कोरोनारोधी टीका कोविशिल्ड या कोवैक्सीन ले चुके लोग कोवोवेक्स को बूस्टर डोज के रूप में ले सकेंगे। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की एक विशेष विषय विशेषज्ञ समिति ने दो दिनों की बैठक के दौरान विचार-विमर्श किया और कोविशिल्ड या कोवैक्सीन की दो खुराक लेने वाले वयस्कों के लिए बूस्टर खुराक के रूप में कोरोना रोधी टीका कोवोवैक्स को बाजार में उपलब्ध कराने की सिफारिश कर दी है। इससे पहले सरकारी और नियामक मामले के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह ने हाल ही में देश के औषधि महानियंत्रक को पत्र लिखकर कुछ देशों में कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के बढ़ते मामलों को लेकर 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए बूस्टर खुराक के रूप में इस वैक्सीन के लिए मंजूरी देने का आग्रह किया था।

पूनावाला को स्वीकृति की उम्मीद थी - सिरम इंस्टीट्यूट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अदार पूनावाला गत दिनों उनके इंस्टिट्यूट द्वारा रामबाण औषधि के रूप में तैयार किए गए टीके की मंजूरी के लिए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन को आवेदन कर चुके थे और उन्हें पूरी उम्मीद भी थी। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहां कि केंद्र सरकार के पास आपूर्ति के लिए इस टीके का पर्याप्त भंडार रहेगा। उन्होंने बताया कि वास्तव में यह टीका सबसे अच्छा बूस्टर है, क्योंकि यह कोविशिल्ड की तुलना में ओमीक्रोन के खिलाफ बहुत असरदार है।

'हाथ से हाथ जोड़ो अभियान' के माध्यम से कांग्रेस घर-घर पहुंचने को तैयार

अजय कुमार

नई दिल्ली। भारत जोड़ो यात्रा 29 जनवरी को श्रीनगर में समाप्त हो रही है। यात्रा समाप्त करने से पहले कांग्रेस 26 जनवरी से 'हाथ से हाथ जोड़ो अभियान' का आगाज करने जा रही है। इस अभियान के माध्यम से कांग्रेस देश के घर-घर तक राहुल गांधी के संदेश और भाजपा की कमियों को बताने की तैयारी में जुट गई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि 26 जनवरी को कांग्रेस 'हाथ से हाथ जोड़ो अभियान' शुरू करने जा रही है। यह अभियान अगले दो महीने चलेगा। इस अभियान के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ता राहुल गांधी के संदेश का एक खत और भाजपा कुशासन का पुलिंदा सीधे जनता को सौंपेंगे। जयराम रमेश ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से वह देश के लगभग छह लाख गांवों, 10 लाख मतदान केन्द्रों तक जाएंगे। यह अभियान ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर चलाया जाएगा। देश के हर राज्य की राजधानी में एक महिला पदयात्रा भी निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा तो राजनैतिक यात्रा नहीं है, लेकिन "हाथ से हाथ जोड़ो अभियान" एक राजनैतिक मार्च होगा। इसके माध्यम से कांग्रेस का विजन और मिशन जनता तक पहुंचाया जाएगा और भाजपा शासन में हुए नुकसान से जनता को अवगत कराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा सात सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू की थी। 30 जनवरी को कश्मीर में इसका समापन होना तय किया गया है। यह यात्रा 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरनी है। 150 दिनों की इस यात्रा में 3,570 किलोमीटर की दूरी तय करने की योजना है। फिलहाल यात्रा अभी पंजाब के लुधियाना में है। हिमाचल प्रदेश होते हुए यात्रा जम्मू-कश्मीर तक जाएगी।

बर्फबारी व कम दृश्यता के चलते श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उड़ानें रद्द

श्रीनगर, (हि.स.)। कश्मीर घाटी में ताजा बर्फबारी के बीच कम दृश्यता के कारण शुक्रवार सुबह 10 बजे से श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निदेशक कुलदीप सिंह ने कहा कि लगातार हो रही बर्फबारी और कम दृश्यता के कारण सुबह 10 बजे से सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। श्रीनगर सहित कश्मीर के कुछ हिस्सों में आज ताजा हिमपात हुआ, जिससे पूरे कश्मीर में तापमान में और गिरावट आई है। मौसम विभाग के उप निदेशक मुख्तार अहमद के अनुसार मैदानी इलाकों में अगले कुछ घंटों में मौसम की स्थिति में सुधार होगा।

प्रधानमंत्री ने नासिक-शिरडी राजमार्ग पर हुई दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया

-पीड़ितों के लिए पीएमएनआर-एफ से अनुग्रह राशि की घोषणा की

नई दिल्ली, हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नासिक-शिरडी राजमार्ग पर हुई दुर्घटना में लोगों की मौत पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मोदी ने पीड़ितों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से अनुग्रह राशि की भी घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर कहा कि नासिक-शिरडी राजमार्ग पर हुई एक दुर्घटना में लोगों की मौत से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। ट्वीट में आगे कहा है कि प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। जबकि घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जायेंगे।

गृह मंत्रालय सख्त, 11 पुलिसकर्मी निलंबित

अजय त्यागी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के कंझावला हिट एंड रन केस को लेकर गृह मंत्रालय सख्त रुख अपनाये हुए है। परिणामस्वरूप दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 11 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबित पुलिसकर्मियों में दो सब इंस्पेक्टर, चार असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, चार हेड कॉन्स्टेबल और एक कॉन्स्टेबल शामिल है। निलंबित पुलिसकर्मियों में से छह पीसीआर की ड्यूटी पर तैनात थे, जबकि पांच अन्य पुलिसकर्मी पिकेट पर तैनात थे। इन सभी पर लापरवाही बरतने का आरोप है। बताया जा रहा है कि दिल्ली पुलिस ने हादसा बताने वाले डीसीपी को भी नोटिस जारी किया है। इससे पहले गुरुवार देर शाम दिल्ली पुलिस ने अपनी विस्तृत जांच रिपोर्ट गृह मंत्रालय को सौंपी थी। रिपोर्ट पर संज्ञान लेते हुए गृह मंत्रालय ने दिल्ली पुलिस आयुक्त से तीन पीसीआर और दो पुलिस पिकेट पर तैनात पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का निर्देश दिया, जिसके बाद यह कार्रवाई हुई। मंत्रालय ने दोषियों के खिलाफ जल्द से जल्द अदालत में चार्जशीट दायर करने और सभी जरूरी कदम उठाने का सुझाव दिया है, ताकि दोषियों को समय पर सजा मिल सके। सूत्रों के अनुसार गृह मंत्रालय ने कार सवार सभी आरोपितों पर धारा 302 लगाने का आदेश दिया है। अब यह माना जा रहा है कि जल्द ही पुलिस इन पर हत्या का केस दर्ज करेगी। अब तक दिल्ली पुलिस ने इस धारा का उपयोग नहीं किया था। हालांकि, इसकी मांग मृतक लड़की के परिजन लगातार कर रहे थे। मामले में प्रारंभ से ही पुलिस पर गहरी लापरवाही बतरने के आरोप लग रहे हैं। आखिर कैसे कई किलोमीटर तक अंजलि को कार से घसीटा गया, लेकिन किसी पुलिसकर्मी ने वारदात को नहीं देखा? उस दौरान पीसीआर कर्मी क्या कर रहे थे? बाहरी जिले के डीसीपी हरेंद्र कुमार सिंह के अनुरोध पर गुरुवार को गुजरात के गांधीनगर से फॉरेंसिक एक्सपर्ट की पांच सदस्य टीम दिल्ली पहुंची थी। उन्होंने इस मामले में कई फॉरेंसिक एविडेंस इकट्ठा किए, जिसकी रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि गृह मंत्रालय ने दो जनवरी को दिल्ली पुलिस की स्पेशल कमिश्नर शालिनी सिंह को मामले में जांच का जिम्मा सौंपा था। उन्होंने ही इस जांच को पूरा किया और अपनी रिपोर्ट गृह मंत्रालय को सौंपी। पूरे मामले में फिलहाल छह आरोपित जेल में बंद हैं।

अच्छी शिक्षा को प्रभावित कर रहे हैं एलजी: मनीष सिसोदिया

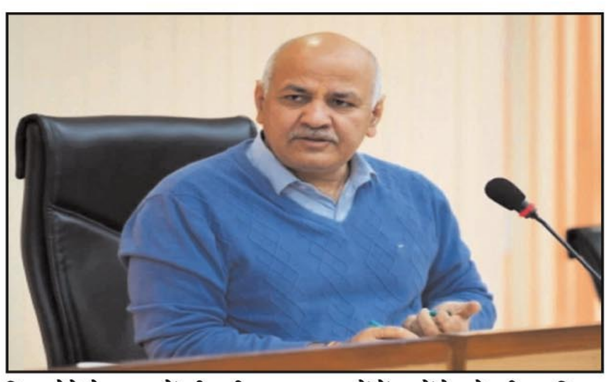

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के शिक्षा मंत्री व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना पर हमला करते हुए कहा कि वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के षड्यंत्र में अपने पद का गलत इस्तेमाल करते हुए दिल्ली सरकार के कामों में खलल डाल रहे हैं और अच्छी शिक्षा को प्रभावित करने में लगे हैं। शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को कहा कि हम दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को बेहतरीन शिक्षा मुहैया कराने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण के लिये विदेश पहले भी भेजते रहे हैं। इसी कड़ी में 30 शिक्षकों को प्रशिक्षण के लिये फिनलैंड भेजना था, लेकिन एलजी ने इसे रोक दिया है। अगर ऐसे ही एलजी दिल्ली सरकार के कामों में रुकावट डालेंगे तो क्या करें, दिल्ली के सभी सरकारी स्कूल बंद कर दें। सिसोदिया ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि बहुत दुख के साथ एक तथ्य आपके सामने रख रहा हूं कि किस तरीके भाजपा अपनी गंदी राजनीति में गिर गई है। वह अब दिल्ली के गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के काम में भी बुरी तरह से टांग अड़ा रही है। आगे सिसोदिया ने कहा कि इनकी जिन राज्यों में सरकार है, वहां इनसे कुछ नहीं हो रहा है। भाजपा कई राज्यों में 15 से 20 साल से सरकार में है। वहां उनसे कुछ भी नहीं हो रहा, लेकिन दिल्ली में दिल्ली सरकार ने काम करके दिखाया है, तो भाजपा साम-दाम-दंड-भेद अपनाकर दिल्ली में आम लोगों के बच्चों को बेहतरीन शिक्षा से दूर करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में स्कूल की इमारत अच्छी हुई है। अब वह निजी स्कूल की तरह दिखने लगी है। स्कूलों में छात्रों के जो परीक्षा परिणाम आ रहे हैं, वह 75 प्रतिशत से बढ़कर 99.6 प्रतिशत तक पहुंच गए हैं। इन सब में टीचर ट्रेनिंग का बड़ा योगदान रहा है। नई शिक्षा नीति भी हर जगह है। सिसोदिया ने कहा कि देश के सभी अच्छे संस्थान में हम अपने टीचरों का प्रशिक्षण करा रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हमने अपने टीचर को भेजा है, जिनमें सिंगापुर, कैंब्रिज है। इसी कड़ी में 30 शिक्षकों की ट्रेनिंग के लिए फिनलैंड भेज रहे थे, लेकिन भाजपा अपनी गंदी राजनीति कर इसे रुकवाने पर आ गई है।

दिल्ली में प्रदूषण बेहद खराब स्तर पर, एक्यूआई 341 हुआ दर्ज

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। राजधानी में धूप निकलने के कारण ठंड में थोड़ी कमी आई है। लेकिन, प्रदूषण का स्तर अब भी बेहद खराब श्रेणी में बना हुआ है। शुक्रवार को दिल्ली में समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 341 दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता एवं मौसम पूवार्नुमान एवं अनुसंधान प्रणाली (सफर) के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली विश्वविद्यालय क्षेत्र में एक्यूआई 380 दर्ज किया गया, जबकि पूसा में एक्यूआई 328 दर्ज किया गया। आईआईटी दिल्ली के आसपास के इलाके में एक्यूआई 325 दर्ज किया गया। मथुरा रोड में एक्यूआई 340 और लोधी रोड इलाके में एक्यूआई 326 दर्ज किया गया है।

व्यापमं घोटाले के व्हीसल ब्लोअर डॉ. आनंद राय को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने व्यापमं घोटाले के व्हीसल ब्लोअर डॉ. आनंद राय को जमानत दे दी है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने ट्रायल कोर्ट को जमानत की शर्तें तय करने का निर्देश दिया। जमानत याचिका का मध्यप्रदेश सरकार ने विरोध करते हुए कहा कि आनंद राय का आपराधिक रहा है और वह न्याय की प्रक्रिया से भाग सकते हैं। इसके साथ ही उनके अपराध की गंभीरता और बड़े पैमाने पर समाज पर इसके बड़े प्रभाव को देखते हुए जमानत नही दी जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 9 जनवरी को मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया था। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने एससी-एसटी के तहत दर्ज मामले में आनंद राय की जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके खिलाफ उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। आनंद राय पर मध्य प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा के प्रश्नपत्र का फर्जी स्क्रीन शॉट सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का भी आरोप है। उन्होंने दावा किया था कि यह मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी के फोन से मिला है।

मध्य प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा का स्क्रीन शॉट वायरल होने पर उसमें लक्ष्मण सिंह का नाम दिख रहा था। इसी स्क्रीनशॉट को आनंद राय ने सोशल मीडिया पर डाला था। इसे लेकर 25 मार्च, 2022 को एफआईआर दर्ज की गई थी।

ऑटो एक्सपो में पहुंचे हरदीप सिंह पुरी, प्राकृतिक ईंधन से चलने वाले वाहनों को देखा

नई दिल्ली/नोएडा, (हि.स)। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और शहरी विकास मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर के ग्रेटर नोएडा में चल रही वाहन प्रदर्शनी 'ऑटो एक्सपो' देखने पहुंचे। इस मौके पर मंत्री पुरी ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन को कम करने में अग्रणी है। ऊर्जा परिवर्तन के एजेंडे पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। हरदीप सिंह पुरी ने ऑटो एक्सपो में प्रदर्शित नए वाहनों, इलेक्ट्रिक वाहनों तथा प्राकृतिक ईंधन से चलने वाले वाहनों को देखा और उनके बारे में जानकारी ली। तीन साल के लंबे अंतराल के बाद ऑटो एक्सपो के 16वें संस्करण की औपचारिक शुरूआत केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक दिन पहले की थी। ऑटो एक्सपो-2023 के पिछले दो दिनों में 82 नए वाहनों के ऊपर से पर्दा उठा है। ऑटो एक्सपो में अभी तक इलेक्ट्रिक वाहनों का ज्यादा बोलबाला नजर आया है। मारुति सुजुकी इंडिया से लेकर टाटा और किआ एवं एमजी कंपनी ने अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को पेश किया है। इस बार टोयोटा कंपनी ने अपना कोई भी नया वाहन पेश नहीं किया है। ऑटो एक्सपो में अशोक लेलैंड और एसएमएल ने अपने वाणिज्यिक वाहन पेश किए हैं। अशोक लीलैंड ने अपने पांच वाहन पेश किए हैं, जबकि जेबीएम ने अपनी दो बसें उतारी हैं। देश-विदेश की वाहन कंपनियों की यह प्रदर्शनी आम जनता के लिए आज से खुल गई है। हालांकि, सुबह के समय ज्यादा भीड़ देखने को नहीं मिली, लेकिन शाम तक करीब 50 हजार से ज्यादा लोगों के आने का अनुमान है। ऑटो एक्सपो को दो अलग-अलग जगहों पर आयोजित किया गया है। दिल्ली के प्रगति मैदान में ऑटो एक्सपो कंपोनेंट शो, जबकि ग्रेटर नोएडा में ऑटो एक्सपो मोटर शो आयोजित किया गया है। ऑटो एक्सपो-2023 में आगंतुकों के लिए 13 जनवरी को टिकट की कीमत 750 रुपये रखी गई है, जबकि 14 और 15 जनवरी के लिए कीमत 475 रुपये है। आयोजन के आखिरी तीन दिनों के लिए टिकट की कीमत 350 रुपये रखी गई है। इसकी टिकट BookMyShow की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

खराब मौसम के चलते गृहमंत्री अमित शाह का राजौरी दौरा रद्द, हेलीकॉप्टर नहीं भर सका उड़ान

- डांगरी में आतंकी हमलों के पीड़ित परिवारों का फोन के जरिए जाना हाल

जम्मू, (हि.स.)। खराब मौसम के चलते गृहमंत्री अमित शाह का राजौरी दौरा रद्द हो गया है। इसके बाद गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू से राजौरी के डांगरी में आतंकी हमलों के पीड़ित परिवारों से फोन के माध्यम से बात करके उनका हाल जाना तथा दर्द बांटा। गृहमंत्री ने पीड़ित परिवारों को आश्वासन दिया कि उनके साथ पूरा इंसाफ होगा और हमलों में शामिल आतंकियों को जल्द से जल्द मार गिराया जाएगा। उन्होंने पीड़ित परिवारों को हर तरह की मदद का भी आश्वासन दिया। इससे पहले शुक्रवार दोपहर गृहमंत्री अमित शाह जम्मू पहुंचे, जहां पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्हें राजौरी के डांगरी में आतंकी हमलों के पीड़ितों के साथ मुलाकात करनी थी, लेकिन खराब मौसम के चलते उनका हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर पाया। इसके बाद गृहमंत्री सीधा जम्मू स्थित राजभवन पहुंचे, जहां पर उनकी अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक की गई। बैठक में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, डीजीपी दिलबाग सिंह, एनआईए तथा अन्य सुरक्षा एजेंसियों के उच्च अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के बाद भी जब खराब मौसम के चलते गृहमंत्री अमित शाह का हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर पाया, तो उनका राजौरी दौरा रद्द कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने फोन के जरिए राजौरी हमलों के पीड़ितों से बात की। राजौरी पहुंचने पर गृह मंत्री अमित शाह पीड़ित परिवारों से मिलने के बाद परिवारों के सदस्यों को नौकरी के नियुक्ति पत्र व सहायता राशि देने वाले थे। गृहमंत्री को राजौरी में एक उच्च स्तरीय बैठक करके जिले की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा भी करनी थी। दरअसल, एक जनवरी की रात को राजौरी जिले के डांगरी गांवों में आतंकियों के हमले में चार लोगों की मौत हो गई थी और 10 लोग घायल हो गए। इसके बाद 24 घंटे के भीतर अगली सुबह आतंकी हमले में मारे गए लोगों में से एक दीपक कुमार के आंगन में एक आईईडी फटा, जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। इसी बीच दो दिन पहले हमले में घायल और जेएमसी जम्मू में उपचाराधीन प्रिंस की मौत हो गई, जिससे इन हमलों में मरने वालों की संख्या सात हो गई। इसी बीच, केंद्र ने इन हमलों का कड़ा संज्ञान लेते हुए राजौरी व पुंछ में सीआरपीएफ की 18 कंपनियां भेजी हैं, जो सुरक्षा को मजबूत करने के साथ ही आतंकियों को मार गिराने के लिए अन्य सुरक्षा बलों की मदद करेंगी। दूसरी तरफ, आतंकी हमले वाले दिन से ही सेना, एसओजी, पुलिस, सेना के खोजी कुत्तों की टीम आतंकियों को मार गिराने के लिए अभियान चला रही है। इसमें हेलीकॉप्टर तथा ड्रोन की मदद भी ली जा रही है। अभी तक पुलिस ने 50 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की है। अब प्रशासन की ओर से राजौरी व पुंछ जिलों के कई इलाकों में आम लोगों तथा पूर्व सैनिकों को हथियार व कारतूस दिए जा रहे हैं। इस दौरान सेना व सीआरपीएफ इन सभी को प्रशिक्षण दे रही है।

काशी नये कलेवर के साथ वैश्विक मानचित्र पर उभरी : योगी आदित्यनाथ

-गंगा विलास क्रूज और टेंट सिटी के साथ काशी में नये युग की हुई शुरूआत

वाराणसी, (हि.स.)। आज का दिन हम सब के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बीते आठ साल में बदलते भारत को पूरी दुनिया ने देखा है। काशी के लिए तो आज से संभावनाओं की एक नई यात्रा शुरू हुई है। यह उद्गार प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हैं। मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार को रविदासघाट पर दुनिया की सबसे लंबी रिवर क्रूज यात्रा के शुभारंभ और टेंट सिटी के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्चुअल कार्यक्रम से जुड़े मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीन नगरी काशी दुनिया की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राजधानी के रूप में विख्यात है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में काशी अपनी विरासत को संरक्षित रखते हुए आज वैश्विक मानचित्र पर उभरी है। आज का दिन काशी के साथ ही बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और असम के लिए भी बहुत ऐतिहासिक है। यूपी को हमेशा इस बात की तड़प रहती थी कि लैंड लॉक स्टेट होने के कारण हमारे कृषि और एमएसएमई के उत्पादों को अन्तरराष्ट्रीय बाजारों में भेजना महंगा पड़ता था। व्यापारी सदैव इसे लेकर परेशान रहते थे। विगत तीन वर्ष के अंदर पूर्वी बंदरगाह से काशी को जोड़ने का जो कार्य हुआ है, उसके लिए उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभारी है।

काशी में पर्यटन के नये युग की शुरूआत - मुख्यमंत्री ने एमवी गंगा विलास क्रूज के शुभारंभ को काशी में पर्यटन के नये युग की शुरूआत बताया। उन्होंने कहा कि विश्वनाथ धाम बनने के साथ ही काशी में पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ी है। इसके साथ ही संभावनाओं के नये द्वार भी खुले हैं। गंगा विलास रिवर क्रूज की आगे की दो वर्ष की एडवांस बुकिंग इसका जीता जागता प्रमाण है। काशी आज नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। इससे एक भारत, श्रेष्ठ भारत के अभियान को भी बल मिल रहा है।

आज नाविक एक ही सीजन में पूरे साल की कमाई कर ले रहा है - मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज का कार्यक्रम नमामि गंगा की सफलता की नई ऊंचाई को प्रदर्शित करता है। आठ साल पहले मां गंगा का जल आचमन तो दूर स्नान के लिए लोगों में आशंकाएं उत्पन्न करता था। आज नमामि गंगा अभियान सफलता की ऊंचाई छूते हुए आगे बढ़ा है। 2019 में प्रयागराज कुंभ की सफलता इसी नमामि गंगा की सफलता की कहानी का प्रत्यक्ष प्रमाण है। गंगा के साथ अपनी आजीविका को जोड़ने वाले काशी के 1600 से ज्यादा नाविकों के जीवन में परिवर्तन आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने नाविक की नावों को सीएनजी से जोड़ने का कार्य किया। आज यहां का हर नाविक एक ही सीजन में पूरे साल की कमाई कर ले रहा है। यह नमामि गंगा परियोजना की सफलता तो ही है। साथ ही नाविकों के स्वावलंबन को भी दशार्ता है।

समारोह में ये सम्मानित हस्तियां रहीं शामिल - भारत सरकार के पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय की ओर से आयोजित कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़े प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अलावा वाराणसी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री सबानंद सोनोवाल शामिल हुए। इसके अलावा असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा और बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ऑनलाइन जुड़े। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीपद्नायक, हल्दिया से शांतनु ठाकुर ऑनलाइन जुड़े। स्वागत भाषण केंद्रीय मंत्री सबानंद सोनोवाल ने दिया। इसके अलावा बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव और असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा ने भी ऑनलाइन संबोधित किया।

अयोध्या में पत्थरों से बनेंगे छह प्रवेश द्वार, नाम किये गए तय

अयोध्या, (हि.स.)। राम नगरी के सभी 6 हाईवे पर पत्थरों से प्रवेश द्वार बनेंगे, शासन ने सभी प्रवेश द्वारों के नाम तय कर दिए हैं। सभी नाम रामायण कालीन ही रखें गए हैं। लखनऊ हाईवे पर बनने वाले प्रवेश द्वार का नाम श्रीराम द्वार होगा। गोरखपुर हाईवे पर बस्ती में बनने वाले प्रवेश द्वार पर का नाम हनुमान द्वार होगा। प्रयागराज हाईवे पर बनने वाले प्रवेश द्वार का नाम भरत द्वार होगा। अंबेडकरनगर मार्ग पर बनने वाले प्रवेश द्वार का नाम जटायु द्वार होगा। रायबरेली हाईवे पर बनने वाले प्रवेश द्वार का नाम गरुण द्वार होगा। गोंडा मार्ग पर बनने वाले प्रवेश द्वार का नाम लक्ष्मण द्वार होगा। सभी प्रवेश द्वार के पास यात्री सुविधाएं उपलब्ध होंगी। प्रवेश द्वार बनाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है जिसमें रायबरेली मार्ग पर बनने वाले प्रवेश द्वार के लिए पांच बैनामें और अंबेडकरनगर मार्ग पर बनने वाले प्रवेश द्वार के लिए 6 किसानों से सहमति बनी है। जन्मभूमि पथ- भक्ति पथ व राम पथ के बाद प्रवेश के सभी छह रास्तों पर प्रवेश द्वार निर्माण की तैयारी शुरू हो गयी है। प्रवेश द्वारों की डिजाइन सिक्स लेन, फोर लेन और टू लेन मार्गों को ध्यान में रख कर तैयार की जा रही है। ये द्वार शिलाओं से निर्मित होंगे। इन शिलाओं की खासियत राममंदिर में प्रयुक्त होने वाले पत्थरों की तरह होगी। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विशाल सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप रामनगरी को आध्यात्मिक नगरी के रूप में विकसित किए जाने की रूपरेखा तैयार की जा रही है। इसी क्रम में रामनगरी की सीमा पर छह भव्य प्रवेश द्वारों का निर्माण प्रस्तावित है। इनकी डिजाइन तैयार कराई जा रही है। फिलहाल निर्माण से पहले भूमि अधिग्रहण के लिए किसानों से सहमति बन गयी है।

16 साल की मुस्लिम लड़की की शादी को वैध करार देने का फैसला मिसाल नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा 16 साल की मुस्लिम युवती की शादी को कानूनी तौर पर वैध करार देने के फैसले को मिसाल नहीं मानने का आदेश दिया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के आग्रह पर ये आदेश जारी किया। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है जिसमें हाई कोर्ट ने 16 साल की मुस्लिम युवती की शादी को कानूनी तौर पर वैध करार दिया था। हाई कोर्ट ने मुस्लिम पर्सनल लॉ के आधार पर शादी को वैध करार दिया था। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग का कहना है कि यह फैसला बाल विवाह निषेध कानून 2006 के विरुद्ध है। हाई कोर्ट ने मुस्लिम पर्सनल लॉ के आधार पर इस शादी को वैध करार देते हुए एक मुस्लिम जोड़े को सुरक्षा प्रदान की थी। दरअसल, ये मामला कई कानूनी पचड़ों में उलझा हुआ है। पॉक्सो एक्ट के तहत 18 साल से कम उम्र की लड़की से शारीरिक संबंध बनाना अपराध है, भले ही वह लड़की की सहमति से बनाया गया हो। शादी से जुड़े अधिकतर कानूनों में भी लड़की की शादी की उम्र 18 वर्ष रखी गई है, लेकिन मुस्लिम पर्सनल लॉ में यौवन अवस्था हासिल कर चुकी लड़की के विवाह को सही माना गया है।

अखिलेश यादव व शिवपाल यादव ने जेडीयू नेता शरद यादव के निधन पर जताया दुख

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जेडीयू नेता शरद यादव के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने समाजवादी नेता के रुप में हमेशा याद किए जाने की बात कही है। वहीं, सपा नेता शिवपाल यादव ने शरद यादव के निधन को राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक ट्वीटर अकांउट से ट्वीट कर कहा कि महान समाजवादी नेता शरद यादव का निधन अत्यंत हृदय विदारक है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति एवं शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। ओम शांति! इसी तरह सपा नेता शिवपाल यादव ने जेडीयू नेता शरद यादव के निधन को राजनीति और समाजवादी आंदोलन के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्वीटर अकाउंट से पोस्ट कर कहा कि वरिष्ठ समाजवादी नेता और भारतीय राजनीति के सशक्त हस्ताक्षर शरद यादव के निधन से मन व्यथित है। उन्होंने दशकों तक अपने समाजवादी सरोकारों से भारतीय राजनीति को प्रभावित किया है। उनका निधन समाजवादी आंदोलन के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि। शिवपाल यादव ने अपने दूसरे ट्वीट में कहा कि नेताजी और शरद यादव की कमी लम्बे समय तक भारतीय राजनीति को खलती रहेगी। ईश्वर जाने भारतीय लोकतंत्र में इन दोनों की भरपाई कैसे होगी।

हिन्दु युवा वाहिनी ने बिहार के शिक्षामंत्री का पुतला फूंका

मीरजापुर, (हि.स.)। बिहार के शिक्षा मंत्री प्रोफेसर चंद्रशेखर सिंह ने श्रीरामचरित मानस को नफरत फैलाने वाला ग्रंथ बताया है। इसको लेकर हिन्दू संगठनों में रोष है। इसी कड़ी में शुक्रवार को हिन्दु युवा वाहिनी के कार्यकताओं ने नगर के चौबे टोला चौराहे पर शिक्षा मंत्री का प्रतीकात्मक पुतला दहन कर उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की। निवर्तमान जिला संयोजक अमित श्रीनेत ने कहा कि बिहार के नीतीश सरकार में शिक्षा मंत्री जैसा महत्वपूर्ण पद संभाल रहे प्रोफेसर चंद्रशेखर सिंह ने श्रीरामचरितमानस को नफरत फैलाने वाला ग्रंथ बताकर न केवल सनातन आस्था का अपमान किया है अपितु अपने बौद्धिक अज्ञानता का भी परिचय दिया है। यदि उन्हें श्रीराम कथा विद्वेष और जहर फैलाने वाली लगती है तो उन्हें अपना मानसिक इलाज कराना चाहिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को ऐसे हिंदू विरोधी मंत्री को मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। इस दौरान अभिषेक केसरी बजरंगी, अंशु साहू, सुनील मोदनवाल, विवेक सिंह राजपूत, शिवम अग्रहरी, दिव्यांशु सिंह, मोनू, विनोद, सोनू अग्रवाल, लाली, चंदर समेत अनेकों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छह सौ करोड़ से संसदीय क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था होगी चुस्त- दुरुस्त : मेनका

सुलतानपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद मेनका संजय गांधी ने संसदीय क्षेत्र दौरे के तीसरे व अंतिम दिन जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र में न्याय पंचायत स्तर के 3 प्रबुद्धजन सम्मेलनों में बड़ी संख्या में आए क्षेत्रीय दिग्गजों को संबोधित किया। श्रीमती गांधी ने गौरा में पूर्व विधायक अर्जुन सिंह सारंगपुर में संतोष मिश्रा व रामदासपुर में अजीत सिंह व प्रदीप शर्मा के संयोजन में आयोजित बैठकों को संबोधित करते हुए अपने कार्यकाल के पिछले 4 वर्षों में किए गए विकास कार्यों की पुस्तिका का वितरण किया। उन्होंने कहा मैंने 4 वर्षों में 11सौ गांवों का दौरा किया है। उन्होंने कहा मैं अपनी ताकत को क्षेत्रीय जनता की खुशहाली के लिए प्रयोग करती हूं। उन्होंने अपनी तमाम उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा मैं अपने 4 साल के कार्यों का हिसाब देने आई हूं। उन्होंने कहा कि मैं बिना जाति-पाति पूछे सबका काम करती हूं। उन्होंने कहा मेरे रहते रिश्वतखोरी नहीं हो सकती है। अगर कोई ऐसा काम करता है तो आपको मुझे एक फोन करने की जरूरत है। श्रीमती गांधी ने कहा कि उन्होंने सरकारी विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए अनवरत संघर्ष किया, जिसका परिणाम है कि पिछले 4 वर्षों में कई बड़े विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि जो विकास कार्य अवशेष रह गए हैं, उनके लिए वह बेहद गंभीर हैं। इसके पूर्व श्रीमती गांधी ने अपने आवास पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में फरियादियों की समस्याओं का निस्तारण भी किया। श्रीमती गांधी ने बताया कि विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए उनके प्रयास से संपूर्ण संसदीय क्षेत्र के लिए केंद्र सरकार ने 600 करोड़ रुपए की मंजूरी दे दी है। जिसका कार्य हैदराबाद की कंपनी द्वारा किया जाएगा। इस योजना से जनपद के जर्जर तार ट्रांसफार्मर एवं जर्जर केबल के बदलने में बड़ी मदद मिलेगी। श्रीमती गांधी ने वाराणसी में गुरुवार को पीएम व सीएम के द्वारा क्रूज सेवा शुरू किए जाने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि पर्यटकों के लिए यह अनोखा व आकर्षण का केंद्र होगा। श्रीमती गांधी ने क्षेत्रीय किसानों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने किसान सहकारी चीनी मिल के जीर्णोद्धार की घोषणा विधानसभा चुनाव के पूर्व की थी। मुख्यमंत्री ने कैबिनेट की बैठक में भी किसान सहकारी चीनी मिल के जीर्णोद्धार के प्रस्ताव को रखा था। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद ही नहीं, पूर्ण विश्वास है कि मुख्यमंत्री यथाशीघ्र चीनी मिल का जीर्णोद्धार शुरू कराएंगे। श्रीमती गांधी ने बंद पड़े नवनिर्मित आईटीआई कॉलेज, पन्ना टिकरी स्थित मॉडल इंटर कॉलेज एवं बिरसिंहपुर स्थित अस्पताल में डाक्टरों व शिक्षकों के अभाव पर कहा कि मंत्री से बात कर समस्या का निदान कराया जाएगा। सांसद श्रीमती मेनका गांधी ने आज द्वारिकागंज में भाजपा नेता लाल बहादुर शास्त्री के पत्नी के निधन, ढिकुली सरैया में विनोद तिवारी की भाभी के निधन एवं गौरा में अंकित सिंह के पिता के निधन पर शोक संवेदना प्रकट की और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

उत्तर प्रदेश में विवेकानन्द संदेश यात्रा की हुई शुरूआत

-श्रीरामकृष्ण मठ, लखनऊ के अध्यक्ष स्वामी मुक्तिनाथानन्द ने हरी झण्डी दिखाकर यात्रा को किया रवाना

लखनऊ, (हि.स.)। विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी के स्थापना के गौरवशाली 50 वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में आज यानि गुरूवार को विश्व युवा दिवस पर उत्तर प्रदेश में विवेकानन्द संदेश यात्रा की शुरूआत की हुई। यात्रा का शुभारम्भ श्रीरामकृष्ण मठ, लखनऊ के अध्यक्ष स्वामी मुक्तिनाथानन्द ने हरी झण्डी दिखाकर किया। यह यात्रा स्वामी विवेकानंद की जयन्ती, 12 जनवरी से नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती, 23 जनवरी तक उत्तर प्रदेश के 21 जिलों में भ्रमण करते हुए पूरी होगी। यात्रा भारत सरकार के संस्कृतिक मन्त्रालय के सहयोग से हो रही है। इस यात्रा में युवाओं के लिए योग, व्यायाम, स्वामी जी के विचारों पर आधारित बौद्धिक विमर्श आदि संदेश के कार्यक्रम सम्मलित रहेंगे। इस अवसर पर स्वामी मुक्तिनाथानन्द ने बताया कि विवेकानन्द केन्द्र संगठन एक अहम भूमिका निभाते हुए राष्ट्र निर्माण के संकल्पों को निरंतर मजबूती प्रदान कर रही है । साथ ही साथ उन्होंने बताया कि युवा शक्ति के प्रेरक पुंज व अनुकरणीय आर्दश के रूप में स्वामी विवेकानन्द ने, उठो, जागो और जब तक लक्ष्य की प्राप्ति नहीं होती, रूको मत के मूल मंत्र के साथ राष्ट्र की युवा पीढी में नवचेतना, नई ऊर्जा एवं अदभुद आत्मविश्वास का संचार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाईगी।

शांतिकुंज हरिद्वार से कलश लेकर गायत्री परिवार के श्रद्धालु पहुंचे झुमरीतिलैया

कोडरमा, (हि.स.)। गायत्री शक्ति पीठ के तत्वावधान में आयोजित होने वाले 108 कुंडीय यज्ञ को लेकर तैयारी जोरों पर है। 12 और 13 जनवरी की मध्य रात्रि लगभग एक बजे देहरादून हावडा एक्सप्रेस से हरिद्वार गायत्री पीठ से कोडरमा गायत्री परिवार के लगभग 150 श्रद्धालु भक्त शक्ति कलश को लेकर कोडरमा स्टेशन पहुंचे। झुमरी तिलैया, कोडरमा, डोमचांच, चंदवारा, सतगावां, जयनगर, मरकच्चो के गायत्री परिवार के लोग घंटो पहले ही स्टेशन पहुंच चुके थे। जैसे ही शक्ति कलश लेकर गायत्री परिवार के मुख्य ट्रस्टी अर्जुन राणा के अलावा अन्य लोग उतरे,

पूरे स्टेशन परिसर में शक्ति कलश की जय हो, तपोभूमि मथुरा की जय हो के नारों से गुंजायमान हो गया। श्रद्धालु भक्तों ने फूलों के साथ शक्ति कलश का स्वागत किया। शक्ति कलश कुमारी कन्या तन्नु कुमारी स्टेशन से लेकर कोडरमा स्टेशन काली मंदिर पहुंची और यहां भी पुष्प वर्षा के साथ-साथ आरती कार्यक्रम हुआ। शुक्रवार की सुबह एक सुसज्जित वाहन में शक्ति कलश को रखकर नगर भ्रमण कराया गया। इस दौरान शोभा यात्रा स्टेशन रोड, झंडा चौक, रॉंची पटना रोड होते हुए ब्लॉक रास्ते बाईपास रोड स्थित गायत्री शक्ति पीठ पहुंची और यहां पूजा अर्चना किया गया। मुख्य ट्रस्टी अर्जुन राणा ने बताया कि अप्रैल में 108 कुंडीय यज्ञ झुमरी तिलैया गौशाला रोड स्थित मडुवाटांड मैदान में होगा। इसको लेकर मुख्य शक्ति कलश लाने के लिए कोडरमा से 150 पुरुष महिला 9 जनवरी को पहुंचे थे और यज्ञ के लिए प्रशिक्षण भी लिया। 22 जनवरी को गायत्री शक्ति पीठ में झारखंड और बिहार के गायत्री परिवार के लोगों के साथ एक गोष्ठी होगी और 23 जनवरी से रथ भ्रमण कार्यक्रम की शुरूआत होगी। हरिद्वार जाने वालों में मुख्य रूप से रघुनंदन साव, चंदन मोदी, उमेश यादव, राधा देवी, सुधा देवी आदि शामिल थे।

विधायक इरफान अंसारी नहीं पहुंचे ईडी कार्यालय, दो सप्ताह का मांगा समय

रांची, (हि.स.)। जामताड़ा के कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय नहीं पहुंचे। उनके निजी सचिव अजहरुद्दीन और वकील चंद्रभानु ईडी ऑफिस पहुंचे और मेडिकल आधार पर ईडी से दो सप्ताह का वक्त मांगा। मीडिया से बातचीत के दौरान इरफान के निजी सचिव और वकील ने बताया कि मेडिकल आधार पर ईडी से दो सप्ताह का वक्त मांगा गया है। इससे पूर्व ईडी ने उन्हें सात जनवरी को समन जारी कर 13 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया था। उल्लेखनीय है कि ईडी ने कैश कांड में पूछताछ के लिए इरफान अंसारी को 13 जनवरी, कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप को 16 जनवरी और विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी को 17 जनवरी को रांची के क्षेत्रीय कार्यालय में बुलाया था। ईडी ने इस मामले में तीनों को मनी लांड्रिंग का आरोपित बनाया है। बेरमो विधायक अनूप सिंह उर्फ कुमार जयमंगल का बयान ईडी ने 24 दिसंबर को दर्ज कराया था। लगभग 10 घंटे तक ईडी ने सरकार के खिलाफ साजिश मामले में साक्ष्य अनूप सिंह से लिया था।

हाई कोर्ट ने नए भवन में वकीलों के लिए अतिरिक्त सुविधा से संबंधित आग्रह पर सरकार से मांगा जवाब

रांची, 13 जनवरी (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में शुक्रवार को धुर्वा स्थित हाईकोर्ट के नए भवन में वकीलों के लिए सुविधा बढ़ाने संबंधी जनहित याचिका की सुनवाई हुई। मामले में एडवोकेट एसोसिएशन, झारखंड हाई कोर्ट की ओर से हस्तक्षेप याचिका (आईए) दाखिल कर नए हाई कोर्ट भवन में वकीलों को अतिरिक्त सुविधाएं मुहैया कराने का आग्रह किया। कोर्ट ने इसे स्वीकार कर लिया और मामले में राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 17 फरवरी को होगी। एसोसिएशन ने हस्तक्षेप याचिका में नए हाई कोर्ट भवन में अधिवक्ताओं के लिए 1000 चेंबर की व्यवस्था करने, डिस्पेंसरी में चार डॉक्टर और नर्स की व्यवस्था करने, केस से संबंधित व्यक्तियों के लिए हाई कोर्ट में बैठने की जगह देने, महिला अधिवक्ताओं के बच्चों के रुकने की व्यवस्था करने, विकलांग अधिवक्ताओं के लिए समुचित व्यवस्था करने समेत अन्य कई सुविधाओं की मांग की है। सुनवाई में एसोसिएशन की अध्यक्ष ऋतु कुमार ने पैरवी की। उल्लेखनीय है कि एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए झारखंड हाई कोर्ट ने वकीलों की सुविधाओं से संबंधित जनहित याचिका को पुनर्जीवित किया है। वर्ष 2015 में खत्म हुए इस जनहित याचिका को पुनर्जीवित करने को लेकर एडवोकेट एसोसिएशन, झारखंड हाई कोर्ट की ओर से याचिका दायर कर किया गया था।

चंपारण में चीनी मिल बंद किसानों को उपज का नहीं मिल रहा समर्थन मूल्य: प्रशांत किशोर

मोतिहारी, (हि.स.)। जनसुराज पदयात्रा के दौरान जिले के संग्रामपुर प्रखंड पहुंचे प्रशांत किशोर ने मीडिया से बात करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर प्रहार करते हुए कहा कि मोदी जी 2014 में मोतिहारी चीनी मिल चलाने का वादा गांधी मैदान मोतिहारी में किये थे,लेकिन मिल तो नही चला लेकिन यहां के भाजपा नेताओं ने आपसी बंदरबाट कर मिल की जमीन औने पौने दाम पर खरीद लिया। किसानों के बकाया भुगतान के नाम पर भी मोतिहारी चीनी मिल की जमीन बेंची गई,लेकिन किसानों का भुगतान नही हो सका। किसानों को उसके उपज का समर्थन मूल्य नही मिल रहा है।सरकारी स्तर पर पैक्स में तेरह प्रतिशत धान व केवल एक प्रतिशत गेंहु की खरीद हो रही है। किसान अपने धान को बारह सौ से पन्द्रह सौ रुपये प्रति किंवटल बेच देते हैं।जबकि सरकारी दर 2040 है। नहरों की व्यस्था रख रखाव के कारण बन्दी के कगार पर पहुँच गया हैं। सिंचाई की सही व्यस्था नही होने से कृषि व किसानी बहुत बड़ी समस्या बन गई है। उन्होने कहा कि चंपारण समेत पूरे बिहार में शिक्षा चौपट है।शिक्षक व बच्चों का समायोजन नही है।विद्यालयों से पढ़ाई गायब है स्कूल बिना क्वालिटी खिचड़ी व कॉलेज बिन पढ़ाये डिग्री बाटने में व्यस्त हैं। मुख्य मंत्री नीतीश कुमार समाधान यात्रा में केवल अधिकारी से घिरे रहते हैं आमजनों की समस्या उन्हें दिखाई नही देती। बाढ़ आने पर नदी में कटाव रोकने के लिए कटाव रोधी कार्य के नाम पर करोड़ो रुपए की गबन कर ली जाती है। जनता बाढ़ जैसी समस्यों में फंसी रहती है।प्रधान मंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत गरीबो को मिलने वाले राशन में प्रति क्विंटल चालीस रुपये पीसी लिया जा रहा है। जिसको अधिकारी, विधायक व जनप्रतिनिधि तक पहुँचाया जाता है। जिला ओडीएफ हो गया पदयात्रा के दौरान सड़क किनारे दोनो तरफ गंदगी देखने को मिल रही है। जिससे यह लग रहा है कि दो से छह हजार तक लोगो से लेकर बारह हजार भुगतान कर केवल पीठ थपथपाया गया। बिजली तो गांव स्तर पर पहुँच गया है लेकिन बिजली बिल बड़ी समस्या है ।ग्रामीण सड़के लालू के जंगल राज से कमोबेश बेहतर हुआ है।लेकिन स्वास्थ्य सेवा अबभी ग्रामीण स्तर पर बदतर है। चिकित्सक भगवान भरोसे कही कही दिख रहे है।मनरेगा योजना में केवल लूट खसोट है मजदूरों को सौ दिन रोजगार नही मिल रहा है आज भी बिहार से मजदूरो का पलायन दूसरे प्रदेशों में जारी है।उन्होने कहा कि मेरे 103 दिन की चंपारण में पदयात्रा में कही भी मनरेगा से कार्य होते हुए नही दिखा। वही वित्त रहित शिक्षकों के बारे में बताया कि एक साजिश के तहत वित्त रहित शिक्षण संस्थानों को बंद किया जा रहा है।

भगवानपुर में 22 को समाधान यात्रा पर आयेंगे मुख्यमंत्री

नवादा, (हि. स.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 22 जनवरी को नवादा जिले के सदर प्रखंड के भगवानपुर पंचायत में समाधान यात्रा पर पहुंच रहे हैं। जिसकी तैयारियों में जिला प्रशासन के अधिकारी दिन रात एक कर जुटे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भगवानपुर में समस्याओं के समाधान और जनता के सवालों से रूबरू होकर नवादा के इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में जीविका दीदियों के साथ बैठक कर समाज सुधार के कई एजेंडों पर बात करेंगे। इसके बाद जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठकर विभिन्न योजनाओं की समीक्षा भी करेंगे। मुख्यमंत्री नवनिर्मित कपूरी छात्रावास का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान करेंगे। जनता के सवालों तथा सरकार द्वारा निर्धारित विकास की गति जमीनी स्तर पर क्या है तथा उसका समाधान क्या हो सकता है। इसी मामलों को लेकर मुख्यमंत्री नवादा समाधान यात्रा पर पहुंच रहे हैं। समाधान यात्रा की सफलता को ले डीएम उदिता सिंह, डीडीसी दीपक मिश्रा, सदर एसडीओ उमेश कुमार भारती, नवादा के वीडियो अंजनी कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिकारियों की टीम यात्रा स्थल पर मुख्यमंत्री के अवलोकनार्थ सारी परिस्थितियों को अनुकूल बनाने में जुटे हैं।

संपादकीय

'नाटू-नाटू' को अवार्ड

प्रख्यात निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' ने न सिर्फ वैश्विक इतिहास रचा है, बल्कि भारत के बारे में स्थापित पश्चिमी और विदेशी सोच, मान्यता और बेचारगी के बोध को भी खंडित किया है। यह भारत की सर्वप्रथम फिल्म है, जो हमारी मिट्टी और आदिवासी स्वाभिमान की कहानी पर आधारित है, जिसके गीत-संगीत को 'गोल्डन ग्लोब अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान गैर-अंग्रेजी फिल्म वर्ग के मूल गीत 'नाटू-नाटू' (नाचो-नाचो) को हासिल हुआ है, जिसने कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियों की रचनाओं को पछाड़ा है। संगीतकार एम.एम. कीरावानी और गीतकार चंद्रबोस की रचनात्मकता को सलाम....इतिहास रचने की बधाइयां और भारत देश को गर्वोन्नत करने को साधुवाद... ! ऐसी प्रतिभाएं भारत में बहुत होंगी। यह सम्मान उन्हें प्रेरणा देगा, एक वैश्विक मंच पर प्रस्तुति करने का उत्साह देगा। अभी स्वर्णिम सफर थमा नहीं है। भावुकता और अभिनंदन के पल अभी प्रतीक्षारत हैं, उन्हें भी जीना है, क्योंकि 14 अन्य गीतों के साथ 'नाटू-नाटू' गीत भी 'ऑस्कर अवार्ड' की सूची में नामांकित है। फैसला 24 जनवरी को सार्वजनिक होगा। हालांकि वर्ष 2000 की फिल्म 'स्लमडॉग मिलेनियर' के लिए संगीतकार ए.आर.रहमान को 'जय हो' गाने के लिए 'ऑस्कर' से नवाजा गया था, लेकिन वह फिल्म भारतीय नहीं, ब्रिटिश थी, बेशक उसमें कई भारतीय कलाकारों ने अभिनय किया था, तकनीकी भूमिका निभाई थी और गीतकार गुलज़ार थे। उस फिल्म को कई 'ऑस्कर अवार्ड' मिले थे। इसी तरह 'गांधी' फिल्म पूरी तरह विदेशी थी। फिल्म भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पर जरूर बनाई गई थी। उसे भी कई 'ऑस्कर' से सम्मानित किया गया था। उन मायनों में 'आरआरआर' विशुद्ध रूप से भारतीय फिल्म है, जिसे दुनिया का दूसरा सर्वोच्च प्रतिष्ठित सम्मान मिला है। यह फिल्म बुनियादी रूप से तेलुगू में बनाई गई, लेकिन जब हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व और सम्मान की बात करते हैं, तो निश्चित रूप से भारतीय सिनेमा सम्मानित हुआ है और हमारा राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' बुलंदियों पर लहरा रहा है। यकीनन आंध्रप्रदेश के लिए भी ये गौरव और गर्व के पल हैं। 'आरआरआर' ने भारत संबंधी पुराने मिथकों और पूर्वाग्रही धारणाओं को तोड़ने की एक सार्थक कोशिश की है। अभी तक विदेशी फिल्मों में भारत की गरीबी, मजबूरी, शोषण, दमन, भुखमरी, सूदखोर महाजन आदि की विभिन्न छवियों को चित्रांकित किया जाता रहा है। भारत को 'सांप और सपेरों का देश' करार दिया जाता रहा है। भारत को अविकसित, पिछड़ा, दयनीय देश माना जाता रहा था। ऐसे ही कथानकों और पात्रों पर बनी फिल्मों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खूब प्रशंसा मिलती थी। 'ऑस्कर' के लिए भी नामांकित किया जाता था। कुछ सम्मान भी दिए गए हैं। भारत की ओर से भी ऐसी ही फिल्में 'ऑस्कर' के नामांकन के लिए अधिकृत तौर पर भेजी जाती थीं, जो दबे, कुचले, दलित, वंचित, उपेक्षित समाज और पात्रों की कहानियां बयां करती थीं, लेकिन अब राजामौली ने 'आरआरआर' के जरिए ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ प्रतिशोध की कहानी कहने की पहल की है। यह दो आदिवासियों की कहानी है, जो भारत के अलग-अलग क्षेत्रों से आते हैं। एक आदिवासियों के साथ मिलकर ब्रिटिश दमन के खिलाफ लड़ता है, तो दूसरा हैदराबाद के निज़ाम के शोषण से लड़ता है। यह प्रतीकात्मक तौर पर आज़ादी के लिए संघर्ष करते, क्रांतिकारी और सच्चे भारत की कहानी है, जिसके नेपथ्य में प्रभु राम और माता सीता का रूपक भी पेश किया गया है। यह धुर भारतीय फिल्म की अभूतपूर्व सफलता है, जिसने 1200 करोड़ रुपए से ज्यादा का बिजनेस किया है।

> 'आरआरआर' ने भारत संबंधी पुराने मिथकों और पूर्वाग्रही धारणाओं को तोड़ने की एक सार्थक कोशिश की है। अभी तक विदेशी फिल्मों में भारत की गरीबी, मजबूरी, शोषण, दमन, भुखमरी, सूदखोर महाजन आदि की विभिन्न छवियों को चित्रांकित किया जाता रहा है। भारत को 'सांप और सपेरों का देश' करार दिया जाता रहा है। भारत को अविकसित, पिछड़ा, दयनीय देश माना जाता रहा था। ऐसे ही कथानकों और पात्रों पर बनी फिल्मों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खूब प्रशंसा मिलती थी। 'ऑस्कर' के लिए भी नामांकित किया जाता था। कुछ सम्मान भी दिए गए हैं। भारत की ओर से भी ऐसी ही फिल्में 'ऑस्कर' के नामांकन के लिए अधिकृत तौर पर भेजी जाती थीं, जो दबे, कुचले, दलित, वंचित, उपेक्षित समाज और पात्रों की कहानियां बयां करती थीं, लेकिन अब राजामौली ने 'आरआरआर' के जरिए ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ प्रतिशोध की कहानी कहने की पहल की है।

बोध कथा

ईश्वर के अस्तित्व से जुड़ने का यह है सबसे सरल तरीका

देवत्व को प्रकट करने और उसके अस्तित्व के साथ स्वयं को जोड़ने का एकदम सरल उपाय है कि हम प्रकृति के अनुरूप दिनचर्या को अपना लें। ईश्वर कोई व्यक्ति, कोई वस्तु या हमारी परिभाषा में गढ़ा कोई विचार नहीं है। वह अस्तित्व का अनंत विस्तार और उसकी पावनता है, जो हरेक पल और हर जगह मौजूद है। ऐसे में जब हम धरती के अवयवों- मिट्टी, जल, वनस्पति और वायु से खुद को जोड़ते हैं तो हम स्वयं को देवत्व से जोड़ते हैं। धरती महज मिट्टी की संरचना नहीं, प्राणवान ऊर्जा है जो सृजन करती है और सहारा देती है। धरती की पोषण शक्ति अनंत है, वह विश्वंभरा है। धरती की मिट्टी में वृक्ष और वनस्पतियां उत्पन्न होती हैं। इनसे प्राणीजगत को अन्न मिलता है, जो हमारे शरीर को बनाता है। प्रकृति के साथ जो गंध और ध्वनि है, वह सदैव हमें करुणा और सेवा भाव से जोड़ता है। पर्वत और उसकी जलधाराओं के कारण प्रकृति समृद्ध बनती है, पृथ्वी की एकता प्रगाढ़ होती हैं। ऋतुओं और मेघों से जुड़े मौसम का परिवर्तन सामाजिक जीवन को आनंद से भर देता है। भूमि के जल और अन्न, ऋतुओं के राग और रंग में घनिष्ठ संबंध है। वनस्पति और मनुष्य इस धरती की संतान हैं। दोनों अडिग भाव से मातृसेवा में लगे हैं और माता भी अपने पुत्रों का सदैव भरण-पोषण करती है। धरती के कारण ही मनुष्य और वनस्पति दोनों दीर्घजीवी हैं। परस्पर आश्रित होने के कारण दोनों विकसित होते हैं। पर्वतों की गोद, नदियों के संगम, अरण्य के गहवरों में मनुष्य के मन चिंतनशील होते हैं। वह प्रकृति की रहस्यमयी शक्ति का चिंतन करता हैं। चिंतन के पश्चात देवदार, बरगद, पीपल, आम, शाल और केला जैसे विशाल और पवित्र वृक्षों के साथ व्यक्ति अपना संबंध जोड़ता है, उनसे ज्ञान प्राप्त करता है और उन्हें सम्मान देता है। इससे वृक्ष देवता की परिकल्पना होती है। हमारे मन में लताओं, पुष्पों और जल तथा वायु का भी बड़ा स्थान है। ये प्राणी का प्रकृति के प्रति एक आदर भाव बनाते हैं। ऐसे ही उदात्त भावों के कारण यह भावना बनी कि पृथ्वी हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं। यदि जन का यह भाव और आगे बढ़ता जाए तो उसकी चेतना की प्राणवायु में देवत्व का संचार हाता जाएगा और व्यक्ति पृथ्वी से आकाश तक छा जाएगा। जहां भी दिव्यता दिखी, वहां देवत्व को प्रतिस्थापित कर दिया। जहां सृजन, शक्ति और साधना का केंद्र मिला, उसे देवस्थान बना दिया। हिमालय देवभूमि है, वहां कैलाश पर शिव अखंड समाधि में अवस्थित हैं, तो बदरी विशाल में श्रीकृष्ण तपरत रहे। गंधमाधन पर्वत की चोटी पर नर-नारायण साधनरत है। धरती के हरेक स्थान को देवत्व से जोड़ने के लिए शिव, विष्णु, शक्ति से स्थलों को जोड़ दिया गया। जो हमारे जीवन को भरती है, पुष्ट करती है और स्वस्थ रखती है, वह प्रकृति है। प्रकृति क्या है? नदियों में निरंतर बहने वाला जल, आकाश में सदा बहने वाली वायु, सूर्य का नित्य प्रति मिलनेवाला तेज, हर ऋतु के अनुसार अन्न, फल और मधु देनेवाली पृथ्वी, निर्बाध विचरण का अवसर प्रदान करनेवाला आकाश ही प्रकृति है। य

> पर्वत और उसकी जलधाराओं के कारण प्रकृति समृद्ध बनती है, पृथ्वी की एकता प्रगाढ़ होती हैं। ऋतुओं और मेघों से जुड़े मौसम का परिवर्तन सामाजिक जीवन को आनंद से भर देता है। भूमि के जल और अन्न, ऋतुओं के राग और रंग में घनिष्ठ संबंध है। वनस्पति और मनुष्य इस धरती की संतान हैं। दोनों अडिग भाव से मातृसेवा में लगे हैं और माता भी अपने पुत्रों का सदैव भरण-पोषण करती है। धरती के कारण ही मनुष्य और वनस्पति दोनों दीर्घजीवी हैं।

1941 में भी जनगणना हुई लेकिन आंकड़े पेश नहीं किए गए। इसके बाद अगली जनगणना से पहले देश आज़ाद हो चुका था

एकजुट हो रहे हिंदुओं को फिर 'बांटने' की साजिश है जातिगत गणना

> 'खेल' की बुनियाद तो काफी पहले पड़ गई थी, लेकिन जबसे भारतीय जनता पार्टी और खासकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा देते हुए जातियों में बंटे हिन्दुओं को एकजुट करने की सफल मुहिम चलाई तो जातिवाद की राजनीति करने वाले दलों के नीचे से सत्ता खिसक गई। इसी के बाद हिन्दुओं को आपस में बांटने और लड़ाने का खेल फिर से शुरू हो गया। इसीलिए साशिज के तहत जातीय गणना कराई जा रही है। गौरतलब है कि अपने देश में तमाम जातियां और उनकी उपजातियां हैं। इनकी संख्या कितनी है, किस जाति में कितने लोग हैं, इनकी आर्थिक स्थिति क्या है, ये फिलहाल निर्धारित नहीं है। साल 1931 से लेकर आज भी यही मुद्दा हमारे देश में विकास की राह में रोड़ा बना हुआ है। वर्ष 1931 तक भारत में जातिगत जनगणना होती थी।

यह देश का दुर्भाग्य है कि 21वीं सदी में भी हम जातिवाद में उलझे हुए हैं। एक तरफ समाज के सभी वर्गों में समानता लाने के लिए तमाम समाजसेवी संगठन मुहिम चला रहे हैं तो वहीं कई राजनैतिक दल वोट बैंक की सियासत के सहारे सत्ता सुख भोगने के लिए जातिगत जनगणना कराये जाने के लिए उतावले नजर आ रहे हैं। उनको इस बात की चिंता नहीं है कि जातीय गणना कराया जाना किसी 'विस्फोट' से कम नहीं है। यह वह 'आग' है जिसमें उन लोगों के तो हाथ जलना तय ही है जो इसे लगा रहे हैं, वहीं वह भी इस 'आग' से नहीं बचेंगे जो तटस्थ रहेंगे। इससे समाज में भेदभाव को बढ़ावा मिलना तय है, भले ही जातीय गणना का समर्थन करने वाले इसके तमाम फायदे गिनाते रहें, लेकिन इसके पीछे सत्ता हथियाने का खेल ही है। इस 'खेल' की बुनियाद तो काफी पहले पड़ गई थी, लेकिन जबसे भारतीय जनता पार्टी और खासकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा देते हुए जातियों में बंटे हिन्दुओं को एकजुट करने की सफल मुहिम चलाई तो जातिवाद की राजनीति करने वाले दलों के नीचे से सत्ता खिसक गई। इसी के बाद हिन्दुओं को आपस में बांटने और लड़ाने का खेल फिर से शुरू हो गया। इसीलिए साजिश के तहत जातीय गणना कराई जा रही है। गौरतलब है कि अपने देश में तमाम जातियां और उनकी उपजातियां हैं। इनकी संख्या कितनी है, किस जाति में कितने लोग हैं, इनकी आर्थिक स्थिति क्या है, ये फिलहाल निर्धारित नहीं है। साल 1931 से लेकर आज भी यही मुद्दा हमारे देश में विकास की राह में रोड़ा बना हुआ है। वर्ष 1931 तक भारत में जातिगत जनगणना होती थी। साल 1941 में जनगणना के समय जाति आधारित डेटा जुटाया जरूर गया था, लेकिन प्रकाशित नहीं किया गया। साल 1951 से 2011 तक की जनगणना में हर बार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का डेटा दिया गया, लेकिन ओबीसी और दूसरी जातियों का नहीं। इसी वजह से सबसे ज्यादा विवाद पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या को लेकर ही है। मोटे अनुमान के अनुसार देश में पिछड़ा वर्ग समाज की आबादी करीब 50 फीसदी के करीब है। इसी वर्ग की संख्या को पुख्ता करने के लिए अलग-अलग राज्य, केंद्र पर दबाव बनाते रहते हैं, क्योंकि राजनीतिक

पार्टियां अपने पक्ष में वोटों की गोलबंदी करने के लिए जातिगत पहचान का सहारा सबसे अधिक लेती हैं। इस संबंध में कुछ संविधान विशेषज्ञों का कहना है कि जातिगत जनगणना होती है तो अब तक की जानकारी में जो आंकड़े हैं, वो ऊपर नीचे होने की पूरी संभावना है। जैसे ओबीसी की आबादी 52 प्रतिशत से घट जाती है तो एक नया विवाद हो सकता है और मान लीजिए यह प्रतिशत बढ़ जाता है, जिसकी पूरी संभावना है तो यह वर्ग यानी ओबीसी और उसके नेता सत्ता और संसाधन में हिस्सेदारी की और मांग करने लगेंगे। यह भी तय है कि जातीय जनगणना में आदिवासियों और दलितों के आकलन में फ़ेरबदल होगा नहीं, क्योंकि वो हर जनगणना में गिने जाते ही हैं, ऐसे में जातिगत जनगणना में प्रतिशत में बढ़ने घटने की गुंजाइश अपर कास्ट और ओबीसी के लिए ही है। भाजपा की पैठ अभी सवर्ण जातियों में ज्यादा है। आरक्षण का दायरा बढ़ने पर सवर्ण जातियां विरोध करेंगी और सरकार की परेशानी बढ़ेगी। जातिगत जनगणना की मांग करने वाले दलों में समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी समेत दर्जन भर से ज्यादा पार्टियां शामिल हैं। सभी चाहते हैं कि ओबीसी की सही तादाद सामने आए, उसके बाद जरूरी हो तो आरक्षण की 50 फ़ीसदी की सीमा को बढ़ाया जाए, लेकिन इसमें से कोई भी दल यह नहीं कह रहा है कि हिन्दुओं की तरह मुसलमानों में भी विभिन्न जातियों के अलग-अलग आंकड़े जुटाए जाएं। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह दल अपने राजनैतिक फायदे के लिए हिन्दुओं के वोट बैंक को तो बिखरता हुआ देखना चाहते हैं, लेकिन मुसलमानों का वोट थोक के भाव चाहते हैं, इसलिए मुसलमानों में एकजुटता बनी रहे, यह इस राजनैतिक दलों की सियासत को काफी सूट करता है। जानकार कहते हैं कि सही जनगणना होने से कोई नुक़सान नहीं होगा बल्कि तमाम जातियों के बारे में और उनकी स्थिति के बारे में पता चलेगा और उन्हें उनका आरक्षण, समाज में स्थान और अन्य संसाधनों में पूरा हक़ मिल सकेगा। बहरहाल, जातीय जनगणना की वकालत करने वाले लोग और नेता कहने को तो यही कहते हैं कि सभी जातियों के उत्थान और उनके वाजिब हक़ के लिए भी यह ज़रूरी होता है, लेकिन केंद्र की सत्ता में रहने वाली पार्टी कुछ-न-कुछ बहाना बनाकर हर बार इसे टाल जाती है। जातीय जनगणना को लेकर सबसे ज्यादा सियासत बिहार और उत्तर प्रदेश में देखने को मिलती है। नारा भी बुलंद रहता है कि 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी।' उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और बिहार में राष्ट्रीय जनता दल ऐसी दो बड़ी क्षेत्रीय पार्टी हैं जो लम्बे समय से जातिगत जनगणना की मांग करती रही हैं। इसमें से बिहार सरकार द्वारा जातीय गणना कराये जाने को हरी झंडी भी दे दी गई है। बिहार के जनता दल युनाइटेड-राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के गठबंधन वाली सरकार ने जिसके मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं, ने जातीय गणना का काम सात जनवरी से आरंभ भी कर दिया है। इस गणना का नफा-नुकसान तो भविष्य के गर्भ में है, लेकिन एक बात पक्की है कि राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) की मांग पर आखिरकार अमल हो गया। यानि सीधे सपाट शब्दों में कहें तो जातीय गणना की शुरुआत करा करा आरजेडी ने अपनी पहली रणनीतिक जीत हासिल कर ली है। नीतीश कुमार जब बीजेपी के साथ एनडीए की सरकार में थे तो आरजेडी के तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने यह मांग नीतीश कुमार से की थी। नीतीश कुमार ने उसके बाद एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास भेजा था। उधर, आज भले ही बिहार बीजेपी के नेता जातीय गणना की प्रासंगिकता पर अब सवाल खड़ा कर रहे हैं, लेकिन उस वक्त दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मिलने गये सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में भाजपा के सदस्य भी शामिल थे। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि बीजेपी भी इसका विरोध करके किसी जाति को नाराज नहीं करना चाहती है।

बदलता मौसम खतरे की घंटी

> दुनिया भर के लोग बदलते मौसम का कहर झेल रहे हैं। बर्फबारी कई देशों के लिए संकट बन गई है। ठंडे स्थान गर्म हो रहे हैं, जबकि गर्म जगहें ज्यादा गर्म हो रही हैं। तूफान, बाढ़, सूखा और भूकंप की घटनाएं अब विकराल रूप में कहर बरपा रही हैं। कुदरत का अंधाधुंध दोहन और शोषण करना अब हमारे लिए काल बनता जा रहा है। बर्फबारी और तूफान से अमेरिका, कनाडा और जापान मुख्य रूप से प्रभावित हैं। जापान में 229 सेंटीमीटर तक बर्फबारी हुई है, वहीं अमेरिका में बर्फबारी और तूफान कहर मचाए हुए है। अमेरिका में सब कुछ ठप है। जन-जीवन इस तरह रुक गया है कि आपात स्थिति में भी लोगों को मदद नहीं मिल पा रही है। पूर्वी अमेरिका के कुछ हिस्सों में भीषण हिमपात और कड़ाके की ठंड से मौसम संबंधी मौतों की संख्या बढ़ कर कम से कम अट्ठाईस हो गई है। अमेरिका के मुख्य शहरों में बर्फबारी ने लोगों को परेशानी में डाल दिया है। वहां बम चक्रवात से चौदह लाख से ज्यादा घर और व्यवसाय गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं, क्योंकि इससे बिजली कटौती और तापमान में गिरावट आई है। जापान में सर्दी से पंद्रह लोगों की मौत हो चुकी है।

यह प्राकृतिक जगत पर हमारे अनियंत्रित प्रभाव को उसके साथ सचेत, सोद्देश्य तथा नियोजित अंर्तक्रिया में बदलने से भी संबंधित है। सबसे अधिक, पारिस्थितिकीय तथा सामाजिक समस्या सारी दुनिया से कुछ जीव-जातियों का व्यापक पैमाने पर गायब होना है। दुनिया भर के लोग बदलते मौसम का कहर झेल रहे हैं। बर्फबारी कई देशों के लिए संकट बन गई है। ठंडे स्थान गर्म हो रहे हैं, जबकि गर्म जगहें ज्यादा गर्म हो रही हैं। तूफान, बाढ़, सूखा और भूकंप की घटनाएं अब विकराल रूप में कहर बरपा रही हैं। कुदरत का अंधाधुंध दोहन और शोषण करना अब हमारे लिए काल बनता जा रहा है। बर्फबारी और तूफान से अमेरिका, कनाडा और जापान मुख्य रूप से प्रभावित हैं। जापान में 229 सेंटीमीटर तक बर्फबारी हुई है, वहीं अमेरिका में बर्फबारी और तूफान कहर मचाए हुए है। अमेरिका में सब कुछ ठप है। जन-जीवन इस तरह रुक गया है कि आपात स्थिति में भी लोगों को मदद नहीं मिल पा रही है। पूर्वी अमेरिका के कुछ हिस्सों में भीषण हिमपात और कड़ाके की ठंड से मौसम संबंधी मौतों की संख्या बढ़ कर कम से कम अट्ठाईस हो गई है। अमेरिका के मुख्य शहरों में बर्फबारी ने लोगों को परेशानी में डाल दिया है। वहां बम चक्रवात से चौदह लाख से ज्यादा घर और व्यवसाय गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं, क्योंकि इससे बिजली कटौती और तापमान में गिरावट आई है। जापान में सर्दी से पंद्रह लोगों की मौत हो चुकी है। भारी बर्फबारी के कारण अठारह हजार से अधिक लोग बिजली और पानी से वंचित हो गए थे। जापान के यामागाटा प्रांत के कई क्षेत्रों में 229 सेमी हिमपात हुआ। जापान में मौसम अधिकारियों ने सार्वजनिक परिवहन और बिजली कटौती पर संभावित प्रभावों के लिए सावधानी बरतने का आग्रह किया है। कनाडा में भी स्थिति गंभीर है। बर्फबारी ने लोगों को बहुत परेशानी में डाल दिया है। उत्तरी कनाडा में भयानक ठंड की वजह से तापमान -52 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। हालत यह है कि पानी कुछ सेकंड में जम जा रहा है। बर्फबारी से सामान्य जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त है। सड़क पर बर्फ की चादर बिछ चुकी है। यूरोप के कई देशों में ठंड की जगह गर्मी हो रही है। चीन में ठंड बढ़ने के साथ-साथ कोरोना संक्रमितों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। भारत में भी इन दिनों उत्तर भारत भीषण ठंड की चपेट में है, तो दक्षिण भारत के कई राज्य बेमौसम वर्षा से परेशान हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में इन दिनों मौसम जिस तरह चरम पर पहुंच रहा है, वह हैरान और चिंतित करने वाला है। पिछले साल कनाडा में तापमान पचास डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया, जिससे सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। जबकि कनाडा को ठंडे मौसम के लिए जाना जाता है। अमेरिका के भी कई राज्यों में भीषण गर्मी से जानें चली गई थीं। कनाडा-अमेरिका में जहां हीटडोम के कारण गर्मी झुलसा रही थी, वहीं न्यूजीलैंड में 'आर्कटिक ब्लास्ट' से बर्फीला तूफान कहर ढा रहा था। हीटडोम गर्म हवाओं का एक पहाड़ होता है, जो बहुत तेज हवा की लहरों के उतार-चढ़ाव से बनता है। जब तेज लहर चलती है, तो वातावरण के ऊपरी स्तर में मजबूत हवाओं का एक बांध बन जाता है, जिससे यह काफी तीव्र और लंबा हो जाता है। हालांकि सांख्यिकीविदों के अनुसार ऐसी घटना एक हजार साल में एक बार होती है। लेकिन मानव निर्मित गर्मी वातावरण को लगातार गर्म करती जा रही है, इसलिए इस घटना के जल्दी होने की आशंका बढ़ गई है। जबकि आर्कटिक विस्फोट तब होता है, जब ठंड के मौसम में तापमान बहुत कम हो जाने पर अक्षांश वाले इलाकों में बर्फीला तूफान चलने लगता है। इससे पूरे इलाके में मोटी-मोटी बर्फ जम जाती है। इसी को 'आर्कटिक ब्लास्ट' या 'कोल्ड ब्लास्ट' भी कहा जाता है। इस समय अमेरिका इसका शिकार है, जहां कुछ जगह तापमान माइनस पचास डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। अब दुनिया भर के वैज्ञानिक यह अनुभव कर रहे हैं कि तकनीकी विकास से मानव जाति के लिए सबसे बड़ा खतरा पैदा हो गया है। इसके चलते ही आज सांस लेने के लिए न तो शुद्ध हवा है और न पीने के लिए स्वच्छ जल। कई तरह के रसायन और कीटनाशकों के कारण खाद्यान्न पहले से ही प्रदूषित हो चुके हैं। अब मौसम के बदलाव का नतीजा भोगने के लिए तैयार रहिए। एक कोरोना विषाणु ने ही दुनिया को दिखा दिया कि सारी वैज्ञानिक तरक्की के बावजूद प्रकृति के प्रकोप के आगे हम कितने असहाय हैं। कोविड के प्रसार के तीन साल बाद भी हम उसके व्यवहार को पूरी तरह से नहीं समझ पाए हैं। हालांकि पर्यावरणविद बहुत दिनों से पर्यावरण के विनाश से मचने वाली तबाही की चेतावनी देते आ रहे हैं। लेकिन कथित विकास की होड़ में उसे अभी तक लगभग नजरअंदाज ही किया जाता रहा है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में पिछले दिनों कोरोना के कारण लगाई गई पूर्णबंदी में प्रकृति में जिस तरह से निखार आया था, उसने दिखा दिया कि अगर हम पर्यावरण को तबाह करना बंद कर दें तो अब भी शायद परिस्थिति को संभाला जा सकता है। मगर अब भी अगर हम नहीं संभले तो शायद जल्दी ही वापस लौटने के लिए बहुत देर हो चुकी होगी। पिछले चालीस-पचास वर्षों में इस धरती के कई जीव-जंतु हमारी कारगुजारियों के कारण विलुप्त हो गए हैं और कई विलुप्ति के कगार पर हैं। पर्यावरण में कई खतरनाक घटनाएं आज साफ-साफ दिखाई दे रही हैं। हर साल साठ लाख हेक्टेयर खेती योग्य भूमि मरुभूमि में बदल रही है। ऐसी ऊसर जमीन का क्षेत्रफल तीस साल में लगभग सऊदी अरब के क्षेत्रफल के बराबर होता है। हर साल एक सौ दस लाख से अधिक हेक्टेयर वन उजाड़ दिए जाते हैं, जो तीस साल में भारत जैसे देश के क्षेत्रफल के बराबर हो सकता है। अधिकांश जमीन जहां पहले वन उगते थे, ऐसी खराब कृषि भूमि में बदल जाती है, जो वहां रहने वाले खेतिहरों को भी पर्याप्त भोजन दिलाने में असमर्थ है। विकास की इस प्रक्रिया को अगर रोका न गया तो महाविनाश निश्चित है। प्राकृतिक पर्यावरण को मनुष्य की आवश्यकताओं के अनुसार रूपांतरित करना तथा विनाशक प्राकृतिक शक्तियों जैसे भूकंप, टाईफून, चक्रवात, बाढ़ और सूखे, हिमानी भवनों, चुंबकीय और सौर आंधियों, रेडियो सक्रियता, अंतरिक्षीय विकिरणों के विरुद्ध संघर्ष करना अनिवार्य है। पर ऐसे परिवर्तन केवल उन नियमों के अनुसार किए जा सकते हैं, जिनके द्वारा जैव मंडल एक अखंड और स्वनियामक प्रणाली के रूप में काम करता तथा विकसित होता रहे। आज का पर्यावरणीय प्रश्न महज प्रदूषण तथा मनुष्य के आर्थिक क्रियाकलाप के नकारात्मक परिणामों का प्रश्न नहीं है। यह प्राकृतिक जगत पर हमारे अनियंत्रित प्रभाव को उसके साथ सचेत, सोद्देश्य तथा नियोजित अंतर्क्रिया में बदलने से भी संबंधित है। सबसे अधिक, पारिस्थितिकीय तथा सामाजिक समस्या सारी दुनिया से कुछ जीव-जातियों का व्यापक पैमाने पर गायब होना है। प्रमुख जैविकविद जानवरों और पौधों की जातियों के इतने बड़े पैमाने पर लुप्त होने का पूर्वानुमान लगाते हैं, जो प्राकृतिक तथा मनुष्य की क्रिया के फलस्वरूप पिछले करोड़ों वर्षों में हुए उनके विलुप्तीकरण से कहीं अधिक बड़ा होगा।

देश दुनीया से

देसी पहचान खत्म करने की रणनीति

एटीएम (अरब, तुर्क, मंगोल) भारतीय मुसलमानों को अपना ग़ुलाम मानने की मानसिकता से ग्रसित रहे हैं। एटीएम की मानसिकता की शुरुआती अभिव्यक्ति जियाऊद्दीन बर्नी के कथनों में चौदहवीं शताब्दी में ही मिल जाती है। बर्नी ने भारत में शासन कर रहे एटीएम के शासकों को इस आदेश का हवाला देकर समझा रहा है कि उन्हें भारतीय देसी मुसलमानों से कैसा व्यवहार करना चाहिए। बर्नी के अनुसार, 'केवल अशरफ समाज को यह अधिकार प्राप्त है कि वे समाज में उच्च पदों को सुशोभित करें।' लेकिन यह कैसे सम्भव था? बर्नी ने इस समस्या का समाधान यह कहते हुए दिया कि 'समाज के निचले वर्ग के लोगों को शिक्षा ही नहीं देनी चाहिए।' जाहिर है बर्नी का निचले कुल के मुसलमानों से अभिप्राय देसी मुसलमानों से ही है। बर्नी जैसे विद्वान मुसलमान अरब, तुर्क और मुगल यानि एटीएम मूल के मुसलमानों में भी ऊँच और नीच का वर्गीकरण करते हैं तो यक़ीनन भारतीय मूल के सभी मुसलमान तो उनकी दृष्टि में अति नीच कोटि के ही होंगे। लेकिन अब इस मानसिकता की खुले आम अभिव्यक्ति नहीं की जाती बल्कि भारतीय मुसलमानों की पहचान को समाप्त करने की रणनीति पर काम किया जा रहा है। एटीएम (अरब, तुर्क, मंगोल) जानता है कि उनकी संख्या भारत के मुसलमानों में आटे में नमक के बराबर भी नहीं है। इसके बनिस्बत भारतीय देसी मुसलमानों की संख्या कहीं ज्यादा है। कौन भारतीय देसी मुसलमान है और कौन विदेशी मूल के एटीएम का है, इसकी शिनाख्त भी नाम से ही हो जाती है। इसलिए दोनों वर्गों के आंकड़े सामने आ जाने पर देसी मुसलमान को सहज ही पता चल सकता है कि एटीएम उनका शोषण ही नहीं कर रहा बल्कि उनको अपने पिंजरे में क़ैद कर उसका राजनैतिक लाभ उठा रहा है। इसलिए एटीएम की गहरी रणनीति रही है कि देसी भारतीय मुसलमान की पहचान ही समाप्त हो जाए। उस तरह वे लम्बे अरसे तक एटीएम के पिछलग्गू बने रहेंगे। 1941 की जनगणना के समय से ही एटीएम की यह रणनीति साफ होने लगी थी। एटीएम के सैयद बदरूद्दीन अहमद, जो उन दिनों मुस्लिम लीग की बिहार शाखा के महासचिव भी थे, ने अख़बारों में विज्ञापन देकर भारतीय देसी मुसलमानों से अपील की कि वे जनगणना में अपने नाम के पीछे अपने वंश का नाम न लिखें। उसका तीखा जवाब एक भारतीय देसी मुसलमान, जिन्हें बिहार में उन दिनों मोमिन कहा जाता था, ताज मोहम्मद ने दिया। यह उत्तर अली अनवर ने अपनी पुस्तक 'मसावात की जंग' में अक्षरशः उद्धृत किया है। ताज मोहम्मद सर्च लाइट अखबार में लिखते हैं, 'मोमिनों की संख्यागत ताक़त से भयभीत होकर मुस्लिम लीग के दिग्गज ने, जिन्होंने हमेशा ही एक वर्ग के रूप में मोमिनों को हिक़ारत की नज़र से देखा है, उन्हें मोमिनों के रूप में नहीं बल्कि सिर्फ मुसलमान के रूप में पंजीयन के रूप में उकसाने में कोई कसर नहीं रखी है। इसके लिए वे उन्हें भविष्य में मसावात यानि बराबरी का दर्जा देने का आश्वासन दे रहे हैं। सैयद बदरूद्दीन ने अपनी अपील में जो कुछ लिखा है, उससे ख़तरे की बू आती है।' यह ख़तरा क्या है? दरअसल इससे पता चल जाता है कि मुसलमानों की कुल संख्या में विदेशी मूल के एटीएम कितने हैं और भारतीय मूल यानि देसी मुसलमान मोमिनों की संख्या कितनी है। इससे मोमिनों को पता चल जाएगा कि संख्या उनकी है लेकिन महत्व के सभी स्थानों पर कब्जा एटीएम का है। एटीएम इसी का पर्दाफाश होने से डरता है। सैयद बदरूद्दीन की अपील के पीछे असली षड्यन्त्र यही है। लेकिन भारतीय देसी मुसलमान भी एटीएम की इस दुर्भावना को पकड़ नहीं पा रहे हैं। ताज मोहम्मद एटीएम की इसी दुर्भावना पर व्यंग्य कसते हुए लिखते हैं, 'ये सैयद साहिब हालांकि अपनी अपील में मुसलमानों के बीच जाति विशिष्टता के खिलाफ दलील देते दिखाई पड़ते हैं परंतु व्यावहारिक उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए उन्होंने स्वयं अपने नाम के आगे सैयद लिखने से परहेज़ नहीं किया। यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि उदाहरण प्रस्तुत करना उपदेश देने से बेहतर होता है। वह एक ही सांस में गर्म और ठंडी आहें भरते हुए जान पड़ते हैं।'

> भारतीय देसी मुसलमान भी एटीएम की इस दुर्भावना को पकड़ नहीं पा रहे हैं। ताज मोहम्मद एटीएम की इसी दुर्भावना पर व्यंग्य कसते हुए लिखते हैं, 'ये सैयद साहिब हालांकि अपनी अपील में मुसलमानों के बीच जाति विशिष्टता के खिलाफ दलील देते दिखाई पड़ते हैं परंतु व्यावहारिक उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए उन्होंने स्वयं अपने नाम के आगे सैयद लिखने से परहेज़ नहीं किया। यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि उदाहरण प्रस्तुत करना उपदेश देने से बेहतर होता है। वह एक ही सांस में गर्म और ठंडी आहें भरते हुए जान पड़ते हैं।' भारतीय देसी मुसलमानों का यह आशा करना कि एटीएम के लोग भी अपने सिर पर से सैयद की कलगी हटा लें, शायद शेरनी के दूध की आशा करना ही है।

नागरिक बोध

हिंदुओं के आराध्यों पर हमले होते रहते हैं, सरकारें और अदालतें बस देखती रहती हैं?

बिहार में चल क्या रहा है? पहले सत्तारुढ़ गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने कहा कि राम मंदिर नफरत की जमीन पर बनाया जा रहा है। अब बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने रामचरितमानस को नफरत फैलाने वाला ग्रंथ बता दिया है। क्या इस देश में हिंदुओं की भावनाओं पर प्रहार पर प्रहार किये जाते रहेंगे? कभी कोई सर तन से जुदा की धमकी देता है तो कभी कोई राम का, शिव का या देवी दुर्गा का अपमान कर देता है। लेकिन हिंदू से अपेक्षा की जाती है कि वह सहिष्णु रहे, कानून को उसका काम करने दे। हिंदू सहिष्णु बना रहता है, कानून को उसका काम करने देता है और एक दिन न्याय मिलने की आस में अपने आराध्यों पर हमला होते देखता रहता है। सवाल उठता है कि क्या कर रही हैं हमारी सरकारें? क्यों वह मंत्रियों या नेताओं के विवादित बयानों पर चुप्पी साधे रहती हैं? सवाल उठता है कि अदालतों की ओर से ऐसे मामलों पर क्यों स्वतः संज्ञान नहीं लिया जाता? मंत्री पद की शपथ के दौरान कहा जाता है कि मैं बिना किसी भेदभाव के काम करूंगा। लेकिन क्या हिंदू समाज के आराध्य के बारे में ऐसी बयानबाजी भेदभाव नहीं है? सवाल तो कई हैं लेकिन जवाब नेता देंगे नहीं इसलिए जवाब देने की जिम्मेदारी भी जनता को ही निभानी होगी। लोकतांत्रिक तरीके से हर उस नेता को जवाब देना चाहिए जो नफरत के बीज बोकर अपने चुनावी हित साधना चाहता है या तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा देता है। वैसे जगदानंद सिंह के बाद चंद्रशेखर का बयान यही दर्शाता है कि यह कोई संयोग नहीं बल्कि वोटबैंक की राजनीति का प्रयोग है। दूसरी ओर, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वैसे तो सुशासन बाबू के नाम से जाने जाते हैं लेकिन आजकल उन्हें पता नहीं क्या हो गया है। बिहार में क्या हो रहा है? कौन मंत्री क्या बयान दे रहा है इस पर उनसे सवाल पूछो तो उन्हें कुछ पता ही नहीं होता। राजधानी पटना में छात्रों पर लाठीचार्ज होने पर जब उनसे सवाल पूछा जाता है तो वह कहते हैं कि मुझे पता नहीं कहां लाठीचार्ज हुआ। मंत्री के विवादित बयान पर उनसे सवाल पूछा जाता है तो वह कह देते हैं कि मैंने बयान देखा नहीं है। क्या ऐसे ही चलती हैं सरकारें? हमारे मंत्री, मुख्यमंत्री कब यह बात समझेंगे कि जनता नासमझ नहीं है? बिहार में स्कूलों और शिक्षा की क्या स्थिति है।

यूएनएमआईएसएस में तैनात एक हजार भारतीय शांतिरक्षकों को संयुक्त राष्ट्र के प्रतिष्ठित पदक से किया गया सम्मानित

संयुक्त राष्ट्र। दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन (यूएनएमआईएसएस) में तैनात भारतीय शांति सैनिकों को एक पुरस्कार समारोह के दौरान प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र पदक से सम्मानित किया गया। इस समारोह का नेतृत्व पहली बार भारतीय सेना की महिला अधिकारी ने किया।

यूएनएमआईएसएस ने ट्वीट कर कहा कि धन्यवाद भारत आपके बेहतरीन बेटों और बेटियों में से 1,171 को अपर नाइल दक्षिण सूडान में उनके महत्वपूर्ण यूएनएमआईएसएस में काम के लिए संयुक्त राष्ट्र मेडल से सम्मानित किया गया। यूएनएमआईएसएस ने कहा कि पहली बार भारतीय सेना की महिला अधिकारी मेजर जैस्मीन चट्ठा ने परेड का नेतृत्व किया। चट्ठा ने कहा कि विशेष दिन पर अपनी रेजिमेंट का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए सम्मान की बात है। यह महिलाओं के सम्मान के लिए मजबूती का संदेश हैं। चट्ठा ने कहा कि उन्होंने मिशन में सेवा करते हुए सड़कों की मरम्मत या आपदा समेत भारतीय शांति सैनिकों ने अपने कर्तव्यों का पालन किया। समारोह के दौरान यूएनएमआईएसएस फोर्स कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मोहन सुब्रमण्यन ने शांति सैनिकों को पदक प्रदान किए। संयुक्त राष्ट्र पदक से सम्मानित 1,171 सैनिकों में से पांच महिलाएं शामिल हैं। यूएनएमआईएसएस ने कहा कि सभी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। आपने हजारों नागरिकों को सुरक्षा प्रदान की है, निस्संदेह इस प्रक्रिया में लोगों की जान बचाई है, और मानवीय सहायता के लिए अनुकूल परिस्थितियों में काम किया।

मिशन में सेवारत एक इंजीनियर कैप्टन करिश्मा कथायत ने कहा कि हम जिन लोगों की सेवा करने के लिए यहां हैं, उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने में योगदान देना एक शानदार कार्य है। हमारा इंजीनियरिंग का काम एक ऐसी चीज है जिस पर हमें बहुत गर्व है। लेख में उल्लेख किया गया है कि अधिडियांग और कोडोक में हिंसा, जहां लगभग 11,000 विस्थापित लोग अभी भी यूएनएमआईएसएस सैन्य अड्डे के पास एकत्रित हैं, के परिणामस्वरूप पीड़ा और चोटें आई हैं। पिछले साल सितंबर से, भारतीय चिकित्सा कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण आपातकालीन सर्जरी की है, जिससे पांच बच्चों की जान बच गई है।

न्यूज ब्रीफ

अलबामा में बवंडर का कहर, 6 की मौत, सरकार ने लगाया आपातकाल

अलबामा। अमेरिका के राज्य अलबामा में एक बवंडर ने कहर बरपाया है। इस बवंडर से राज्य में भारी तबाही हुई है और 6 लोगों की जान चली गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बवंडर में उड़ने वाले सामान के नीचे दबकर लोगों की जान गई है। इस बवंडर के चलते अलबामा में जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। अलबामा प्रशासन ने राज्य में आपातकाल की घोषणा कर दी है। बवंडर से अलबामा के ऑटोगा, चेंबर्स, डलास, एलमोर और तल्लापोसा क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। राज्य का बड़ा हिस्सा अंधेरे में डूब गया है। जॉर्जिया, मिसिसिपी और अलबामा में बिजली व्यवस्था के ध्वस्त होने के चलते लोग बिना लाइट के रहने को मजबूर हैं। वहीं अलबामा के हर्ट्सफील्ड जैक्शन अटलांटा हवाई अड्डे और चार्लोट डगलस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 250 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। साथ ही कई उड़ानों में देरी हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बवंडर से 40-50 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। मोर्गन काउंटी के शेरिफ कार्यालय ने बयान जारी कर बताया है कि बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। कई बिल्डिंग्स को नुकसान पहुंचा है। बवंडर में 10 लोग घायल भी हुए हैं। बता दें कि पिछले साल के अंत में अमेरिका को भीषण बर्फीले तूफान का भी सामना करना पड़ा था। यह तूफान कितना खतरनाक था, इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि इस बर्फीले तूफान में पूरे अमेरिका में 50 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। तूफान के चलते जनजीवन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया था। इस तूफान को अमेरिका में बीती एक सदी के सबसे खतरनाक तूफानों में से एक माना गया है।

पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के हत्यारे के खिलाफ हत्या का केस, छह महीने बाद शुरू होगा ट्रायल

टोक्यो। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की कथित रूप से हत्या करने वाले आरोपी के खिलाफ

अभियोजकों ने औपचारिक रूप से हत्या का मामला दर्ज किया है। शुक्रवार को जापानी मीडिया के हवाले से सामने आई खबर के मुताबिक, आरोपी तेत्सुया यामागामी को शिंजो आबे की हत्या के बाद मानसिक परीक्षण के लिए छह महीने तक हिरासत केंद्र में रखा गया था। अब वापस उसे पुलिस को सौंप दिया गया है। अभियोजकों का कहना है कि आरोपी यामागामी अब ट्रायल के लिए फिट है। हत्या के मामले के अलावा उस पर शस्त्र नियंत्रण कानून के उल्लंघन का भी मामला दर्ज किया गया है। बता दें, बीते साल जुलाई में जापान के नारा में पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद हमलावर को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया था। पुलिस ने कहा है कि यामागामी ने उन्हें बताया कि उसने अबे की हत्या कर दी, क्योंकि आबे ऐसे धार्मिक समूह से संबंध रखते थे, जिससे वह नफरत करता था। अपने बयानों में और सोशल मीडिया पोस्ट में, यामागामी ने कहा था कि उसकी मां ने यूनिफिकेशन चर्च को बड़े पैमाने पर दान दिया था, जिसने उनके परिवार को दिवालिया बना दिया और उसकी जिंदगी बर्बाद कर दी।

दुनिया में आर्थिक सुस्ती, लेकिन जी-20 में हमें भारत के नेतृत्व पर पूरा भरोसा

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जियोर्जिएवा ने गुरुवार को भारत के बारे में बड़ी बात कही है।

मीडिया से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे समय जब दुनिया आर्थिक सुस्ती और कई संकटों का सामना कर रही है, हमें जी-20 में भारत के नेतृत्व पर काफी भरोसा है। उन्होंने कहा, भारत वैश्विक औसत से बेहतर प्रदर्शन करने वाले देशों में शामिल है। आईएमएफ एमडी ने कहा, दुनिया के लिए एकीकृत वैश्विक अर्थव्यवस्था की रक्षा करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण समय है। हमें उम्मीद है कि भारत हमें एक साथ रखते हुए इतनी बड़ी वैश्विक सेवा करेगा। क्रिस्टालिना जियोर्जिएवा ने भारत के डिजिटलीकरण की सराहना की। उन्होंने कहा, हम देखते हैं कि कैसे भारत ने बहुत अच्छी तरह से देश में डिजिटलीकरण को पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर में लागू किया है। उन्होंने कहा, जी-20 की प्राथमिकताओं में से एक यह है कि सार्वजनिक मंच पर डिजिटलीकरण कैसे बनाया जाए, जो हर किसी को इससे जुड़ने की की अनुमति दे। यह कैसे विकास और रोजगार का स्रोत हो सकता है।

कैलिफोर्निया में बाढ़ ने मां की गोद से बच्चा छीना

महिला से छूटकर बह गया, 100 से ज्यादा गार्ड भी नहीं तलाश पाए

कैलिफोर्निया।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में 26 दिसंबर से अब तक आए 6 तूफानों ने तबाही मचा रखी है। लगातार बारिश और बाढ़ के कारण दो हफ्तों में 18 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। बाढ़ इतनी भयावह है कि इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बाढ़ में फंसी एक महिला के हाथ से उसका बच्चा छूटकर बह गया। उस बच्चे को तलाशने में 100 से ज्यादा नेशनल गार्ड लगे रहे, लेकिन सफल नहीं हो सके। 5 साल का बच्चा काइल अपनी मां के साथ कार में जा रहा था। उनकी कार बाढ़ में फंस गई थी। बाढ़ का पानी सड़क पर भरा था और तेज रफ्तार से बह रहा था। किसी हादसे से बचने के लिए मां ने काइल को गोद में उठाया और कार से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थान तलाशने लगी, लेकिन पानी का बहाव इतना तेज था कि वह खुद को संभाल नहीं सकी और बच्चा उसकी पकड़ से छूट गया। महिला ने बच्चे को बचाने की खूब कोशिश की, लेकिन तेज बहाव में काइल बह गया। उसकी मां की चीख-पुकार सुनकर राहत दल मौके पर पहुंचा और बच्चे के बहने की जानकारी नेशनल गार्ड्स को दी। 100 से ज्यादा नेशनल गार्ड्स काफी देर तक बच्चे को तलाशने में जुटे रहे, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। फिलहाल, राहत दल ने कहा है- बच्चे की तलाश में और जवान लगाए जाएंगे।

अब तक 8 हजार करोड़ का नुकसान

कैलिफोर्निया में भारी बारिश, तूफान और बाढ़ की वजह से अब तक 8,155 करोड़ रुपए (1 बिलियन डॉलर) की संपत्ति का नुकसान हो चुका है। कई हाईवे, सड़क और पुल पानी में बहकर ध्वस्त हो गए हैं। कई मकान या तो क्षतिग्रस्त हो गए हैं या ढह गए हैं। अमेरिका के आपदा विशेषज्ञ एडम स्मिथ के मुताबिक यह नुकसान का अनुमानित आंकड़ा है। स्थिति सामान्य होने के बाद वास्तविक नुकसान का आकलन किया जाएगा। बता दें कि पिछले दो हफ्तों में तूफान की वजह से 40 स्टेट हाईवे बाढ़ में डूब गए हैं। लोगों से घरों में ही रहने को कहा गया है। हालांकि बाढ़ के खतरे वाले इलाकों में घरों को खाली कराया जा रहा है।

अगले दस दिन में 3 और तूफान का खतरा

कैलिफोर्निया के लेफ्टिनेंट गवर्नर एलेनी कौनालकिस ने कहा कि पिछले दो सप्ताह में 6 तूफान कहर बरसा चुके हैं। आने वाले दस दिनों में 3 तूफान और आ सकते हैं। ये तूफान 'एटमॉस्फेरिक रिवर्स' (वायुमंडल की नदियां) की वजह से आते हैं। अमेरिका के नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक एटमॉस्फेरिक रिवर्स हमारे वायुमंडल में कम चौड़ाई वाले लंबे क्षेत्र होते हैं, जिनमें बड़ी मात्रा में पानी होता है। जिस तरह धरती पर नदियां बहती हैं वैसे ही ये आसमान में बहती हैं। मौसम के साथ इनकी पोजिशन बदलती रहती है। इनके आने की वजह से ही भारी बारिश होती है और तूफान आते हैं।

बाढ़ के खतरे वाले घर खाली हो रहे

हजारों लोग बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से निकलकर सुरक्षित स्थानों पर गए हैं। सेलिनास नदी के निचले इलाकों में बने घरों को खाली करने के लिए कह दिया गया है। सोलानो काउंटी में 1600 लोगों को जाने के लिए कहा गया है, क्योंकि करी झील का पानी घरों में घुस सकता है। तूफान की वजह से नदियों का पानी ओवरफ्लो हो रहा है। सड़कें पानी में डूब गई हैं। बड़े-बड़े पेड़ जड़ समेत उखड़ गए हैं। नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक, 26 दिसंबर से 10 जनवरी के बीच सैन फ्रांसिस्को में 13.59 इंच बारिश हुई है। इसके अलावा नापा में 11.21 इंच और सैक्रामैंटो में 9.58 इंच बारिश हुई है। ऑकलैंड में रिकॉर्ड 12.9 इंच बारिश हुई है।

एक्सीडेंट में पंजाब के चार लोगों की मौत, भारतीय मूल के ड्राइवर पर चलेगा मुकदमा

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में पंजाब के 4 लोगों की सड़क हादसे में मौत के मामले में कार के ड्राइवर पर केस चलेगा। आरोपी ड्राइवर भी भारतीय मूल का है। बता दें कि हादसा उस वक्त हुआ, जब भारतीय मूल के लोग अपने के दोस्त के घर जा रहे थे, तभी उनकी कार की एक अन्य वाहन से भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई। वहीं ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हुआ। ड्राइवर का फिलहाल अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं सड़क हादसे को लेकर पुलिस ने कार ड्राइवर को खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने के मामले में आरोपी बनाया है।

खबर के अनुसार, सड़क हादसा 4 जनवरी को हुआ, जब कार ड्राइवर हरिंदर सिंह, भारतीय मूल के 4 यात्रियों को लेकर ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया प्रांत के शेप्पार्टन शहर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी टोयोटा कार एक ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार सवार चारों यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। शेप्पार्टन पंजाबी समुदाय के नेता धर्मी सिंह ने घटना की पुष्टि की और बताया कि कार में सवार ड्राइवर और सभी यात्री पंजाबी थे।

खबर के अनुसार, हादसे में मारे गए चार लोगों में से तीन टक्कर लगते ही कार से बाहर जा गिरे थे। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है क्या हादसे के वक्त यात्रियों ने सीट बेल्ट पहनी हुई थी या नहीं। विक्टोरिया पुलिस का कहना है कि कार का अगला हिस्सा ट्रेलर के साइड में टकराया था, जिसके चलते कार में सवार तीन यात्री कार के बाहर जाकर गिरे और उनकी मौत हो गई। कार की अगली सीट पर बैठे चौथे युवक की भी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद नतालिया निवासी कार ड्राइवर को अस्पताल ले जाया गया, जहां हरिंदर सिंह का इलाज चल रहा है।

अमेरिका के शीर्ष जनरल ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख को किया फोन, मुल्क की सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की

वॉशिंगटन/इस्लामाबाद। काबुल में आतंकवादी हमले के एक दिन बाद अमेरिका के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल मार्क मिले ने गुरुवार को पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल सैय्यद आसिम मुनीर से फोन पर बात की। इस दौरान पाकिस्तान में मौजूदा सुरक्षा हालात पर चर्चा हुई। जनरल मिले ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख का पदभार ग्रहण करने पर जनरल मुनीर को बधाई दी।

ज्वाइंट स्टाफ के प्रवक्ता कर्नल दवे बटलर ने बताया कि दोनों के बीच मौजूदा सुरक्षा हालात समेत आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा हुई। जनरल मिले ने गर्मियों में आयी विनाशकारी बाढ़ का सामना करने वाले पाकिस्तान के लोगों के प्रति संवेदनाएं भी व्यक्त की।

इस बीच कांग्रेस सदस्य शीला जैक्सन ली ने मुश्किल हालात से गुजर रहे लोगों के समर्थन करते रहने के लिए प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया। पाकिस्तान की जनता इस वक्त मुश्किल दौर से गुजर रही है। बाढ़ और महंगाई जैसी समस्याओं का पाकिस्तान के लोग सामना कर रहे हैं।

दरअसल, जून 2022 में आई बाढ़ का दंश 33,000,000 पाकिस्तानी नागरिकों ने झेला। इसमें 1,700 से अधिक लोगों ने जान गंवा दी। मरने वालों में बड़ी संख्या में बच्चे शामिल हैं। इस दौरान 12,900 लोग घायल हुए और 7,900,000 लोग विस्थापित हुए।

ब्राजील में बोलसोनारो के समर्थकों का मेगा विरोध विफल, पेरू में सरकार विरोधी-प्रदर्शन कुस्को तक पहुंचा

ब्रासीलिया।

ब्राजील में हाल ही में पूर्व राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो के समर्थकों की तरफ से हुई हिंसा के बाद अगले ही दिन हिंसक दंगाइयों के खिलाफ भी जबरदस्त प्रदर्शन हुए। इस बीच एक बार फिर ब्राजील में बोलसोनारो के समर्थक सड़कों पर नए सिरे से प्रदर्शन शुरू करने लगे। लेकिन वामपंथी राष्ट्रपति लुइस इनासियो लूला डा सिल्वा की सरकार ने देशभर में सुरक्षा उपाय मजबूत कर इन्हें नाकाम कर दिया। दरअसल, बोलसोनारो समर्थकों ने बृहस्पतिवार को यहां एक बार और विरोध प्रदर्शन की धमकी दी थी। इसे देखते हुए ब्राजील के अधिकारियों ने करीब दो दर्जन शहरों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। हालांकि रियो डी जेनेरियो के कोपाकबाना समुद्र तट पर कुछ प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे लेकिन उन्हें दबा दिया गया। यहां पुलिस के 29 वाहन पहले से ही तैनात थे। संघीय सरकार की इमारतों से घिरे ब्रासीलिया के एस्प्लेनैड पर अधिकारियों ने विरोध के लिए एक क्षेत्र निर्धारित किया था, जहां पुलिस व राष्ट्रीय रक्षक सैनिकों को तैनात किया। यहां सिर्फ कुछ लोग ही ब्राजीलियाई फुटबाल की जर्सी पहने दिखे। इन्हीं जर्सी को पहनकर सोमवार को दंगाइयों ने हंगामा काटा था। बोलसोनारो समर्थकों के नए

विरोध प्रदर्शनों की अफवाहों के बीच ब्रासीलिया में प्लानाल्टो पैलेस, नेशनल कांग्रेस और सुप्रीम फेडरल कोर्ट के बाहर सिर्फ सुरक्षा कर्मी ही दिखाई दिए। पेरू के राष्ट्रपति डिना बोलुआर्टे की सरकार के खिलाफ प्रदर्शन पर्यटक शहर कुस्को तक पहुंच गया है, जहां हिंसक झड़पों की खबरें हैं। एक महीने पहले शुरू हुए इन विरोध-प्रदर्शनों में अभी तक 47 लोगों की जान जा चुकी है। कुस्को में स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों द्वारा शहर के हवाई अड्डे पर कब्जा करने की कोशिश के बाद हुई झड़प में 16 नागरिक और छह पुलिस अधिकारी घायल हो गए। मौके पर कई विदेशी पर्यटक भी मौजूद थे। पेरू के 41 प्रांतों में बोलुआर्टे के खिलाफ और अपदस्थ राष्ट्रपति पेड्रो कैस्टिलो के समर्थन में लोगों ने प्रदर्शन किया और सड़कें जाम कीं। 6 दिसंबर से प्रदर्शन जारी हैं।

बाइडन के आवास और निजी कार्यालय से मिले गोपनीय दस्तावेजों की जांच के लिए विशेष वकील नियुक्त

वाशिंगटन।

अमेरिकी अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड ने गुरुवार को राष्ट्रपति जो बाइडन के निजी कार्यालय और आवास पर गुप्त दस्तावेजों के मिलने की जांच के लिए एक विशेष वकील की नियुक्ति की घोषणा की। गारलैंड ने घोषणा की कि जांच पूर्व कैरियर न्याय विभाग अभियोजक और मैरीलैंड जिले के पूर्व अमेरिकी अटॉर्नी रॉबर्ट हूर द्वारा की जाएगी।

वाशिंगटन डीसी में बाइडन के निजी कार्यालय से बरामद ये दस्तावेज उस समय के हैं जब वह 2009 से 2016 तक उपराष्ट्रपति थे। उन्होंने कहा कि हूर उन मामलों की जांच करेंगे जो अमेरिकी अटॉर्नी जॉन आर लॉश जूनियर द्वारा प्रारंभिक जांच के विषय थे, जो पेन बाइडन सेंटर फॉर डिप्लोमेसी एंड ग्लोबल एंगेजमेंट और विलमिंगटन, डेलावेयर, राष्ट्रपति जोसेफ आर बाइडन जूनियर के निजी निवास में पाए गए गुप्त दस्तावेजों या अन्य रिकॉर्डों को संभावित अनधिकृत रूप से हटाने और बनाए रखने से संबंधित थे। गारलैंड ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा कि लॉश की प्रारंभिक जांच के आधार पर मैंने निष्कर्ष निकाला कि विशेष वकील नियमों के तहत एक विशेष वकील नियुक्त करना सार्वजनिक हित में है। जब से लॉश ने जांच जारी रखी तब से विभाग ने विशेष वकील के रूप में नियुक्ति के लिए हूर की पहचान की। गारलैंड ने कहा कि यह नियुक्ति जनता के लिए विशेष रूप से संवेदनशील मामलों में स्वतंत्रता और जवाबदेही दोनों के लिए विभाग की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है और निर्विवाद रूप से केवल तथ्यों और कानून द्वारा निर्देशित निर्णय लेती है। जांच के लिए अपनी नियुक्ति के बाद हूर ने कहा कि वह संतोषजनक, निष्पक्ष और अपक्षपाती निर्णय के साथ सौंपी गई जांच का संचालन करेंगे। उन्होंने एक बयान में कहा कि मैं बिना किसी डर या पक्षपात के तथ्यों का तेजी से और पूरी तरह से पालन करने का इरादा रखता हूं और इस सेवा को करने के लिए मुझ पर किए गए भरोसे का सम्मान करूंगा। इसके तुरंत बाद राष्ट्रपति के विशेष वकील रिचर्ड सॉबर ने कहा कि व्हाइट हाउस जांच में पूरा सहयोग करेगा।

उन्होंने कहा कि जैसा कि राष्ट्रपति ने कहा है, वह गोपनीय सूचनाओं और सामग्रियों को गंभीरता से लेते हैं और जैसा कि हमने कहा है, हमने उस क्षण से सहयोग किया है जब हमने अभिलेखागार को सूचित किया था कि बहुत कम दस्तावेज पाए गए है और हम सहयोग करना जारी रखेंगे। इससे पहले बाइडन ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा कि वह गोपनीय दस्तावेजों और गोपनीय सामग्री को गंभीरता से लेते हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मैंने यह भी कहा कि हम न्याय विभाग की समीक्षा के साथ पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उस प्रक्रिया के हिस्से के रूप में मेरे वकीलों ने अन्य स्थानों की समीक्षा की जहां मेरे समय में उपराष्ट्रपति के रूप में दस्तावेजों को संग्रहीत किया जा सकता था, और उन्होंने कल रात समीक्षा पूरी की। बाइडन ने कहा कि उन्होंने मेरे घर और मेरे निजी पुस्तकालय में भंडारण क्षेत्रों और फाइल कैबिनेट में वर्गीकृत चिह्नों के साथ कुछ दस्तावेजों की खोज की। 'व्हाइट हाउस' ने गुरुवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के आवास और उनके निजी कार्यालय से कुछ और गोपनीय दस्तावेज मिले हैं। वाशिंगटन में बाइडन के निजी कार्यालय से बरामद ये दस्तावेज 2009 से 2016 के बीच के हैं, जब वह उपराष्ट्रपति थे।

राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के विशेष वकील रिचर्ड सॉबर ने एक बयान में कहा कि नवंबर 2022 में पेन बाइडन सेंटर में सरकारी दस्तावेज मिलने के बाद और न्याय विभाग के साथ निकटता से समन्वय करते हुए, राष्ट्रपति के वकीलों ने बाइडन के विलमिंगटन और रेहोबोथ बीच, डेलावेयर, आवासों की तलाशी ली। ये उन स्थानों में शामिल हो सकते हैं जहां पर 2017 में सत्ता हस्तांतरण के समय उपराष्ट्रपति कार्यालय से फाइल भेजी गई होंगी। सॉबर ने कहा कि वकीलों ने बीती रात तलाशी पूरी कर ली।

इस हफ्ते की शुरुआत में, राष्ट्रपति बाइडन ने मेक्सिको में संवाददाताओं से कहा कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि कुछ वर्गीकृत दस्तावेज एक निजी कार्यालय में पाए गए थे। बाइडन ने कहा था कि वह इस बात से अनजान हैं कि उन कागजात में क्या है और अधिकारियों के साथ ''सहयोग'' कर रहे हैं।

'व्हाइट हाउस' ने पूर्व में कहा था कि न्याय विभाग यहां बाइडन के थिंक-टैंक कार्यालय में मिले पिछले ओबामा-बाइडन प्रशासन से ''वर्गीकृत चिह्नों के साथ कुछ दस्तावेजों की समीक्षा कर रहा है। बाइडन ने कहा था कि मुझे इस बारे में बताया गया और यह जानकर आश्चर्य हुआ कि वहां कोई सरकारी रिकॉर्ड था जो उस कार्यालय में ले जाया गया था। हालांकि मुझे नहीं पता कि दस्तावेजों में क्या है।

एयरपोर्ट पर पकड़ा गया 33.71 लाख का सोना

अमृतसर। अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एक यात्री से 33 लाख 71 हजार रुपए का सोना पकड़ा गया। यह यात्री ऑस्ट्रेलिया से वाया सिंगापुर के रास्ते स्कूट एयरलाइन की फ्लाइट से 12 जनवरी को भारत पहुंचा। यह जानकारी कस्टम कमिश्नर राहुल नानगरे ने शुक्रवार को दी। कस्टम कमिश्नर ने बताया कि गुरुवार को सिंगापुर से स्कूट एयरलाइन की फ्लाइट ने लैंड किया। इस फ्लाइट में एक यात्री वाया सिंगापुर होकर ऑस्ट्रेलिया से भारत पहुंचा। एयरपोर्ट पर तैनात एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) के अधिकारी इस फ्लाइट से भारत पहुंचे यात्रियों के सामान की जांच कर रहे थे। तभी ऑस्ट्रेलिया से पहुंचे यात्री की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। इसके बाद अधिकारियों ने उसे रोककर जांच की तो लाखों रुपए का सोना बरामद हुआ। एआईयू के सहायक कमिश्नर सेवा राम ने बताया कि अमृतसर का यह ट्रक चालक चार साल बाद ऑस्ट्रेलिया से लौटा है। कस्टम जांच के दौरान इसकी संदिग्ध गतिविधियां पर शक हुआ तो इसे अन्य यात्रियों से अलग कर लिया। इसके सामान की तलाशी ली लेकिन कस्टम अधिकारियों को कुछ नहीं मिला। इसके बाद की गई जांच में पाया गया कि इस व्यक्ति ने अपने हाथों में 24 कैरेट सोने के पांच कड़े पहन रखे थे।

सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को पढ़ाया जा रहा, सिखाया नहीं जाता

करनाल। शिक्षा निदेशालय की ओर से 750 राजकीय स्कूलों के सर्वे में सामने आया है कि स्कूलों में विद्यार्थियों को केवल पढ़ाया तो जा रहा मगर सिखाया नहीं जा रहा। यह राजकीय स्कूलों का रिजल्ट गिरने का प्रमुख कारण है। बच्चों से पहले गुरुजी ही घंटी बजने के लिए घड़ी पर टकटकी लगाए रहते हैं। राजकीय स्कूलों में केवल 20 प्रतिशत मुखिया हैं, जो नियमित रूप से पीरियड पढ़ा रहे हैं, बाकी केवल संबंधित शिक्षक के अनुपस्थित रहने पर पीरियड पढ़ाते हैं। जबकि शिक्षकों की कमी के चलते सभी को पीरियड नियमित पढ़ाना चाहिए। आज बच्चों को आधुनिक तरीके से पढ़ना और समझना पसंद है। जबकि गुरुजी अभी भी 19वीं सदी के हिसाब से पढ़ा रहे हैं। इसी कारण बच्चे रुचि नहीं ले रहे। यह निष्कर्ष राजकीय स्कूलों के बोर्ड रिजल्ट में सुधार लाने के लिए वीरवार को स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. महावीर सिंह, बोर्ड आफ स्कूल एजुकेशन भिवानी के चेयरमैन डॉ. वीपी यादव और स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ. अशंज सिंह के स्कूल मुखियाओं से सीधे संवाद में सामने आया। निदेशालय से डॉ. प्रमोद कुमार ने बताया कि गिरते बोर्ड रिजल्ट के कारण पता लगाने के लिए प्रदेशभर के 750 स्कूलों का सर्वे किया गया। पता चला कि बच्चे पढ़ने और शिक्षक पढ़ाने में रुचि नहीं दिखा रहे। अधिकतर

विद्यालयों में विद्यार्थियों के साथ शिक्षकों की उपस्थिति भी आशा अनुरूप नहीं मिली। प्रत्येक बच्चे की समझने की क्षमता अलग होती है। राजकीय स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने के लिए एक ही पद्धति का प्रयोग किया जा रहा है। अनेक बच्चे पिछड़ रहे हैं। ऐसे बच्चों पर अलग से ध्यान नहीं दिया जाता है। उन्होंने बताया कि सर्वे में सामने आया कि राजकीय स्कूलों में केवल पढ़ाया जा रहा है, सिखाया नहीं जा रहा। पढ़ाया हुआ बच्चों को कुछ समय के लिए ही याद रहता है। सीधा संवाद शुरू होने पर निदेशालय और बोर्ड के अधिकारियों ने कमजोर स्कूल के मुखियाओं को आश्वस्त किया था कि यहां उन्हें लज्जित करने के लिए नहीं बुलाया गया है लेकिन राजकीय विद्यालयों का बोर्ड परीक्षा परिणाम 3.45 प्रतिशत देखकर विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. महावीर सिंह खुद को नहीं रोक पाए। बोर्ड आफ स्कूल एजुकेशन के चेयरमैन डॉ. वीपी यादव ने बोर्ड रिजल्ट कम आने पर स्कूल मुखियाओं के एसीआर में इसे दर्ज करके उनके इंक्रीमेंट को प्रभावित करने के प्रविधान को हटाने की सिफारिश की। स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. महावीर सिंह बोलने लगे तो उन्होंने जैसा रिजल्ट-वैसा वेतन और वैसा कार्यकाल किए जाने का पक्ष लिया। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कम रिजल्ट वाले स्कूल के मुखियाओं से रिजल्ट कम रहने के कारण पूछे। उन्होंने कुरुक्षेत्र के गांव सूरमी स्थित जीएसएसएस स्कूल की मुखिया से शुरुआत की, जिसका रिजल्ट 3.45 प्रतिशत रहा। घीड़ गघ्घर राजकीय स्कूल की मुखिया से पूछा तो उन्होंने कहा कि बच्चे स्कूल नहीं आते। शिक्षक उन्हें लेने उनके घर जाते हैं तो उनपर ईंट-पत्थर बरसाए जाते हैं। 27 फरवरी से शुरू हो रही हरियाणा बोर्ड की 10वीं और 12वीं कक्षा के हिंदी विषय के प्रश्न पत्र में दस अंक मोरल एजुकेशन के हैं। इस विषय की किताब अभी तक भी स्कूलों में नहीं पहुंची है। बोर्ड चेयरमैन ने जल्द से जल्द किताब उपलब्ध कराने का वादा किया। स्कूल मुखियाओं ने मोरल एजुकेशन का मेटर आनलाइन उपलब्ध कराने का भी सुझाव दिया। 10वीं का 202122 का रिजल्ट 67.5 प्रतिशत इस बार का लक्ष्य 80 प्रतिशत 10वीं का 202122 का रिजल्ट 87.93 प्रतिशत इस बार का लक्ष्य 97 प्रतिशत। बोर्ड चेयरमैन ने बताया कि 10वीं और 12वीं की परीक्षा से संबंधित विषयों के सैंपल पेपर बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

गहलोत ने विस की वित्तीय स्वायत्तता पर सैद्धांतिक सहमति जताई

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा की वित्तीय स्वायत्तता पर सैद्धांतिक सहमति जताते हुए गुरुवार को कहा कि विधानसभा से इस बारे में कोई प्रस्ताव आने पर सरकार उस पर सकारात्मक दृष्टिकोण से विचार करेगी। गहलोत यहां राजस्थान विधानसभा में पीठासीन अधिकारियों के अखिल भारतीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने पीठासीन अधिकारियों को वित्तीय स्वायत्तता का मुद्दा उठाया था। इसका जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा कि मैं भी सिद्धांत रूप से इस बात पर सहमति व्यक्त करता हूं। यही कहना चाहूंगा कि विधानसभा से जैसे ही प्रस्ताव आता है तो उस पर हम सकारात्मक दृष्टिकोण से विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि विचार विमर्श होता है तो नए नए विचार आते हैं, उसके आधार पर फैसले भी होते हैं और उसका लाभ सबको मिलता है। डॉ सीपी जोशी ने आप सब की भावना का प्रतिनिधित्व बहुत प्रभावशाली ढंग से किया...मुझे बताया गया है कि लोकसभा में 1964 में ऐसा ही प्रस्ताव बनाकर भेजा गया और सरकार ने उसे मंजूर किया। उन्होंने कहा कि मैं भी सैद्धांतिक रूप से इस बात पर सहमति व्यक्त करता हूं। यह कहना चाहूंगा कि विधानसभा से जैसे ही प्रस्ताव आता है तो उस पर हम सकारात्मक दृष्टिकोण से विचार करेंगे। उल्लेखनीय है कि इस सम्मेलन में पारित नौ प्रस्तावों में एक इस विषय पर भी है। इसमें कहा गया है कि संघ और राज्य विधानमंडलों के कार्य प्रबंधन में वित्तीय स्वायत्तता प्राप्त करने के लिए अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों की 83वीं बैठक में सत्यनिष्ठा से संकल्प लिया गया कि माननीय अध्यक्ष लोकसभा को संबंधित राज्य सरकारों से विस्तृत विचार-विमर्श के लिए अधिकृत किया जाता है। सम्मेलन के बाद डॉ जोशी ने कहा कि सम्मेलन में मुख्य चर्चा यह थी कि पीठासीन अधिकारियों को वित्तीय स्वायत्तता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस दिशा में शुरुआत करने के लिए...राजस्थान के मुख्यमंत्री ने विधानसभा को वित्तीय स्वायत्तता देने का जो निर्णय किया है, उसके लिए मैं राज्य सरकार का आभार व्यक्त करता हूं।

जम्मू भाजपा ने धूम-धाम से मनाई लोहड़ी

जम्मू। भारतीय जनता पार्टी जम्मू और कश्मीर ने पार्टी मुख्यालय त्रिकुटा नगर जम्मू में हर्षोल्लास के साथ लोहड़ी मनाकर शांति और प्रेम का संदेश दिया। पूर्व डिप्टी सी.एम कविंद्र गुप्ता, भाजपा के राज्य महासचिव (संगठन) अशोक कौल, पूर्व सांसद शमशेर सिंह मन्हास, पूर्व मंत्री सत शर्मा, भाजपा उपाध्यक्ष युद्धवीर सेठी, महासचिव डॉ. देविंदर मन्याल, भाजपा एनईएम प्रिया सेठी, पूर्व एमएलसी विक्र म रंधावा और अन्य इस मौके पर भाजपा नेता मौजूद रहे। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने सौभाग्य, बंपर फसल और ब्रह्मांड में शांति के लिए प्रार्थना करते हुए पूरी मानव जाति को लोहड़ी की बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर एकित्रत सभी लोगों को पारंपरिक मेवा और मिठाइयां भी भेंट कीं। कविंदर गुप्ता ने लोहड़ी पर्व की सभी को विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर के निवासियों को बधाई देते हुए जम्मू-कश्मीर की समृद्धि के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि यह त्योहार प्रकृति के प्रति गहरा प्रेम, भरपूर फसल और मनुष्यों को दर्शाता है और सभी जीवित प्राणयों के बीच सिक्र यता के दायरे को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि लोहड़ी की शुभ घटना माघ महीने की शुरु आत के साथ मेल खाती है, जो लोहड़ी के एक दिन बाद शुरू होती है जो सर्दियों के अंत का संकेत देती है। अशोक कौल ने कहा कि लोहड़ी मनाना हमेशा आनंददायक होता है क्योंकि यह पूरे विश्व के लिए सौभाग्य की प्रत्याशा में मौसम में प्यारे बदलाव के साथ हमारे बीच भाईचारे का संकेत देता है। उधर भाजपा ओबीसी मोर्चा जम्मू-कश्मीर ने भी लोहड़ी का त्योहार धूम-धाम के साथ मनाया। कार्यक्र म में मुख्य रूप से सत शर्मा पूर्व मंत्री, प्रमोद कपाही जिला अध्यक्ष जम्मू, सुनील प्रजापति भाजपा ओबीसी मोर्चा जम्मू कश्मीर के प्रदेश अध्यक्ष मौजूद रहे। कार्यक्र म का आयोजन राज कुमार बब्बर (प्रदेश उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा) व अशोक सलगोत्र (जिलाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा जम्मू) ने किया। सुरेश सलगोत्र (उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा), रवि मेहरा (उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा), केवल वर्मा (राज्य सचिव ओबीसी मोर्चा), शमशेर प्रजापति (राज्य सचिव ओबीसी मोर्चा), अनिल बलोगोत्र (राज्य सचिव ओबीसी मोर्चा) व अन्य इस मौके पर मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष प्रमोद कपाही ने कहा कि लोहड़ी एक लोकिप्रय शीतकालीन पंजाबी लोक उत्सव है जो मुख्य रूप से उत्तरी भारत में मनाया जाता है। कई लोगों का मानना है कि यह त्योहार सर्दियों के जाने का प्रतीक है। लोहड़ी उत्सव के एक भाग के रूप में, बच्चे दुल्ला भट्टी नाम के साथ लोहड़ी के पारंपरिक लोक गीत गाते हुए घरों में घूमते हैं। लोहड़ी फसल के मौसम और धूप के दिनों की शुरु आत का भी प्रतीक है। सत शर्मा ने कहा कि लोहड़ी, जो मकर संक्र ांति से एक रात पहले होती है, उत्तर भारत का एक पारंपरिक शीतकालीन लोक त्योहार है। देश भर के किसान इस वार्षिक फसल उत्सव में भाग लेते हैं।

फिरोजपुर में पुलिस व गैंगस्टरों की मुठभेड़

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब के सीमावर्ती जिला फिरोजपुर में शुक्रवार की सुबह पुलिस तथा गैंगस्टरों के बीच हुई मुठभेड़ में एक गैंगस्टर को घायल होने के बाद पकड़ लिया गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार पुलिस टीम ने तलवंडी में नाका लगाया हुआ था। उसी दौरान वहां से गुजर रहे गैंगस्टर गुरप्यार सिंह को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया, लेकिन उसने पुलिस कर्मियों पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली से गुरप्यार सिंह घायल हो गया। उसी दौरान पुलिस कर्मियों ने उसे पकड़ लिया। आतंकी अर्शदीप सिंह डल्ला के साथी गुरप्यार सिंह की पंजाब पुलिस को कई केसों में तलाश थी। गुरप्यार सिंह फिरौती मांगने, ड्रग्स और हथियारों की तस्करी समेत टारगेट किलिंग की वारदातों में भी शामिल रहा है। पुलिस ने घायल गैंगस्टर गुरप्यार सिंह को जीरा के अस्पताल में भर्ती कराया है। ठीक होने के बाद उसे कोर्ट में पेश करके रिमांड लिया जाएगा।

हिसार : मकर संक्रांति पर महक उठी हरियाणवी लोक संस्कृति

हिसार (हि.स.)। हरियाणा प्रदेश ही नहीं, अपितु देशभर में हरियाणवी संस्कृति को पहचान दिलाने की मुहिम में हिसार की लघु सचिवालय कॉलोनी पार्क समिति ने मान-मनुहार व दान के त्योहार लोहड़ी व मकर संक्रांति की पूर्व संध्या पर पार्क में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में रेडक्रॉस के सचिव सुरेंद्र श्योराण मुख्य अतिथि रहे और कार्यक्रम की अध्यक्षता बजरंग लाल श्योराण ने की।

इस अवसर पर मकर संक्रांति पर घर-आंगन की चारदीवारी के अंदर निभाई जाने वाली मान मनोवल की रस्म रिवाज की परंपरा का सजीव मंचन किया। इसमें दिलेर हरियाणा संस्था से जुड़ी महिलाओं ने अपने बुजुर्गों चाचा-चाची, ताऊ-ताई, सास-ससुर, जेठ-जेठानी के मान-सम्मान करने की हरियाणवी परम्पराओं को ठेठ देशी अंदाज में दिखाया। इस दौरान महिला प्रतिभागियों ने हरियाणवी वेशभूषा पहन विभिन्न अवसरों पर गाए जाने वाले लोक गीत गाकर और नृत्य प्रस्तुत कर हरियाणवी लोक संस्कृति का मंचन किया। महिलाओं ने सक्रांति उत्सव में हरियाणवी परम्परागत अंदाज में कुणबे की महिलाएं अपने बुर्जुगों के चरण स्पर्श कर भूलवश, जाने अनजाने में हुई गलतियों के लिए क्षमा मांगने की परम्परा का सजीव प्रदर्शन किया। इस दौरान दान दक्षिणा की पारंपरिक रीति-रिवाजों को जीवंत करने के साथ व्यवहारिक रूप देते हुए बुजुर्ग महिलाओं को मनाया गया। पार्क समिति के अध्यक्ष बजरंग श्योराण और समिति सदस्यों ने महिलाओं को शाल और पुरुषों को कंबल ओढ़ाकर, सम्मानित कर समाज के लिए आदर्श प्रस्तुत किया। मौजूद महिलाओं व बच्चों को जुराबें वितरित की। इसी कड़ी में 100 वर्षीय शांति देवी, बिरमा, नौरंगी, रोशनी, धनपति, सरस्वती, राजौ, शकुंतला, किताबो, बाला, मामो, शीला, भतेरी, ज्ञानो, गुड्डी, सुमित्रा, सुदेश आदि 100 मातृशक्ति को शाल ओढ़ाकर मनावन की परंपरा को निभाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सचिव सुरेंद्र श्योराण ने हरियाणवी संस्कृति से ओतप्रोत कार्यक्रम की प्रशंसा की। इस अवसर पर लघु सचिवालय पार्क समिति के अध्यक्ष बजरंग लाल श्योराण, उपाध्यक्ष रामकुमार व जयबीर को विशिष्ट कार्य के लिए हरियाणवी पगडी बांधकर एवं पार्क के माली को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

स्वास्थ्य क्षेत्र में लगभग 32,000 पदों पर भर्तियों को मुख्यमंत्री ने दी मंजूरी

जयपुर (हि.स.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में 31,827 पदों पर भर्ती के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। इनमें 1,765 चिकित्सक 7,860 नर्सिंग ऑफिसर, 2,880 फार्मासिस्ट 3,739 महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता 1,090 सहायक रेडियोग्राफर तथा 2,205 लैब टेक्नीशियन सहित कुल 19,539 नियमित पद एवं 12,288 संविदा पद शामिल हैं। गहलोत की इस मंजूरी से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, राजमेश तथा झालावाड़ मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में नियमित रिक्त पदों पर संबंधित सेवा नियमों के अनुसार भर्ती हो सकेगी। उक्त विभागों में रिक्त संविदा पदों पर राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स-2022 के तहत भर्ती की जाएगी। इन विभागों में कोविड महामारी के दौरान मार्च, 2020 से मार्च, 2022 तक संविदा/तदर्थ आवश्यक अस्थाई आधार पर कार्यरत रहे तथा वर्तमान में भी कार्यरत कार्मिकों को आने वाली भर्तियों में बोनस अंक दिए जाएंगे। संविदा/आवश्यक अस्थाई आधार पर नियुक्त कार्मिक को दो वर्ष से कम कार्य अवधि पर 15, दो से तीन वर्ष की कार्य अवधि पर 20 तथा तीन वर्ष या इससे अधिक कार्य अवधि पर 30 बोनस अंक दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इससे कोविड महामारी के दौरान स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले कोविड स्वास्थ्य सहायकों एवं अन्य कार्मिकों को भी नौकरी प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे। साथ ही, मुख्यमंत्री की मेडिकल हैल्थ वॉलेन्टीयर फॉर्स के गठन की बजट घोषणा का प्रभावी क्रियान्वयन भी हो सकेगा।

गोशालाओं में उत्सव मनाने से मिलती है शाश्वत शांति : ब्रह्म ज्योत सत्ती

जम्मू। लोहड़ी पर्व के अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता ब्रह्म ज्योत सत्ती ने श्री श्री राधा गोविंद गौशाला धाम में लोहे का भार तौलन पैमाना भेंट किया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ब्रह्म ज्योत सत्ती ने श्री श्री राधा गोविंद गौशाला धाम शक्ति नगर, जम्मू में में लोहड़ी का पर्व मनाया और कास्ट आयरन वजन स्केल दान किया। रवि मेहरा (प्रदेश उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा), केवल वर्मा (राज्य सचिव ओबीसी मोर्चा), अशोक कुमार लंबर्ड (जिला महासचिव), अनूप कुमार (सामाजिक कार्यकर्ता), दीपक कुमार (सामाजिक कार्यकर्ता), संजय कुमार गुगा (सामाजिक कार्यकर्ता) थे। इस अवसर पर उपस्थित हैं और इस पवित्र त्योहार पर सभी को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन राज कुमार (विक्की मामा) ने किया। कार्यक्रम में उन्होंने इस ठंड के मौसम में गायों की सुरक्षा के बारे में चर्चा की, लोहे का तराजू दान किया और सभी को लोहड़ी पर्व की बधाई दी। मौके पर बोलते हुए ब्रह्म ज्योत ने सभी जम्मू कश्मीर को लोहड़ी पर्व की बधाई दी और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि लोहड़ी, उत्तर भारत के सबसे लोकप्रिय त्योहारों में से एक है। मुख्य रूप से सिखों और हिंदुओं द्वारा मनाया जाता है। त्योहार शीतकालीन संक्रांति के अंत और रबी फसलों की कटाई का प्रतीक है। यह त्योहार हर साल 13 जनवरी को बहुत उत्साह और जोश के साथ मनाया जाता है और गौशाला में इस त्योहार को मनाने से अनंत शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की कुंडली में समस्या होती है वे अपना वजन तोलने के लिए यहां आते हैं इसलिए आज हमने लोगों की सुविधा के लिए यहां कास्ट आयरन वजन स्केल दान किया। उन्होंने कहा कि हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार गाय एक पवित्र पशु है और भारतीय संस्कृति में इसका पूजनीय स्थान है। पुराने समय में हर घर में गाय के गोबर का उपयोग ईंधन और घरों के फर्श के रूप में किया जाता था। उन्होंने कहा कि धार्मिक भावनाओं के साथ-साथ गाय का बहुत अच्छा वैज्ञानिक महत्व है क्योंकि इसके मूत्र का सेवन कई बीमारियों में अत्यधिक प्रभावी है। यह हमें दूध और डेयरी उत्पाद भी देता है जो हमारे शरीर के विकास के लिए बहुत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि गाय हमारे लिए सिर्फ एक जानवर नहीं है यह हमारी भावनाएं हैं और हमारी बहुत सारी भावनाएं गाय में निहित हैं और हम इसकी पूजा करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा किसी भी समुदाय के सभी लोगों की भलाई के लिए काम करने की कोशिश करती है और उन्होंने जनता से आगे आने और इस तरह की गौशालाओं के लिए थोड़ा योगदान देने का आग्रह किया।

हरियाणा में गड़बड़ाया लिंगानुपात, हजार के मुकाबले बेटियां 900 से कम

करनाल। हरियाणा में लड़कियों की कमी हो रही है, लिंगानूपात 900 से भी नीचे जा रहा है। प्रदेश के पांच जिलों में लिंग अनुपात गड़बड़ा गया है। इन जिलों में हजार लड़कों के मुकाबले लड़कियों की संख्या 900 से कम दर्ज की गई है। इसका खुलासा जन्म लिंगानुपात की रिपोर्ट में हुआ है। एसआरबी की रिपोर्ट में हिसार (904), करनाल (903), कुरुक्षेत्र (893), फरीदाबाद (892) और रेवाड़ी (883) जिलों में गिरावट आई है। बताया जा रहा है कि करनाल में इस समय लिंगानुपात 903 है जो कि डराने वाला है, हालंकि इसके लिए जिम्मेदार हम लोग खुद हैं क्योंकि आज भी बहुत सारे परिवार ऐसे हैं जो ये नहीं समझ पाए हैं कि बेटियां-बेटों से कितनी आगे निकल रही हैं। फिर भी उन्हें गर्भ में मार दिया जाता है। वहीं बहुत सारे ऐसे क्लिनिक चल रहे हैं जहां अल्ट्रासाउंड के माध्यम से ये बता दिया जाता है कि गर्भ में लड़का है या लड़की।

जन परिवाद बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने दो अधिकारी किए सस्पेंड

हिसार (हि.स.)। राज्य के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने हिसार में शुक्रवार को आयोजित जन परिवाद समिति की बैठक में अधिकारियों के प्रति कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि आमजन स्थापित व्यवस्थाओं से थक-हारने के बाद जनपरिवाद समिति की बैठक में न्याय की आस के साथ आते हैं। इसलिए वे इस बैठक में तारीखें नहीं देंगे और बैठक में उन्हें अधिकारियों से पूछे गए प्रत्येक प्रश्न का उत्तर मिलना चाहिए। मंत्री ने जनपरिवार समिति की बैठक में एक मामले में हांसी के नायब तहसीलदार जयवीर तथा हिसार के सहायक रजिस्ट्रार (सहकारी समितियां) संदीप को सस्पेंड करने के आदेश दिए। बैठक में कुल 12 शिकायतों पर सुनवाई हुई। किरोड़ी गांव की भतेरी पत्नी सतपाल ने अपनी शिकायत में बताया कि उसने दो एकड़ भूमि पर गेहूं की फसल काश्त की हुई थी जिसमें खड़ी फसल में जहरीला स्प्रे करके खराब कर दिया गया। इस मामले में मंत्री अनिल विज ने अविलंब दोषियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। इसी तरह हिसार स्कोलर हाउस बिल्डिंग सोसायटी गंगवा के निवासियों प्रेम सिंह, अजमेर सिंह, बलवंत, नवाब अली व अन्य ने अपनी शिकायत में प्लाट के मल्टीपल आबंटन के आरोपों में सोसायटी की प्रधान के विरूद्ध शीघ्र कार्यवाही करवाने की बात कही। इस मामले में पुलिस द्वारा सहायक रजिस्ट्रार (सहकारी समितियां) पर रिकॉर्ड ना देने की बात कही गई, जिस पर गृह मंत्री ने सहायक रजिस्ट्रार (सहकारी समितियां) को सस्पेंड करने और मामले में एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन हिसार ने मारवल सिटी में पेयजल की सुविधा मुहैया करवाने की मांग करते हुए बैठक में बताया कि यह कॉलोनी 1300 परिवारों की मंजूर शुद्धा कालोनी है, जो कॉलोनी 2007 में बनाई गयी थी। आज तक यहां पीने योग्य पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। इसके अतिरिक्त कॉलोनी वासी हिसार से आते समय नेशनल हाइवे 52 पर कट नही होने के कारण गलत साईड से आते हैं, जिसमें दुर्घटना का भय बना रहता है।

SHORT TàßNDàßR NOTICàß

No. 19

Sealed proposals, in two envelope system, affixing non refundable Court Fee Stamps of Rs. 8.25/- (àßight rupees and twenty five paisa) only is hereby invited from eligible and experienced Advertising & Communication Agencies/Firms for undertaking various IàßC activities for the Commissionerate of Food Safety, Assam, under Department of Health & Family Welfare, Government of Assam.

The detailed Request for proposal (RFP) Document can be collected from the office of the undersigned up to 27.01.2023 during the office hours on payment of Rs. 1000/- (non refundable) towards Tender Document fee in the form of Demand Draft/ Banker's Cheque in favour of State Public Health Laboratory, Assam. The completed bids, in two — envelope system, must be submitted in hard copy only at the office of the undersigned on or before 30.4.2023.

The undersigned reserves the right to revise or amend the Tender Notice and /or RFP document and to reject any or all bids without assigning any reason whatsoever.

Commissioner of Food Safety, Assam
Bamunimaidan, Guwahati-21.

-- Janasanyog /C/ 18472 / 22

सीबीआई ने पीएसएल स्कैम मामले में मुंबई में की छापेमारी, भारी मात्रा में नकद और डॉलर बरामद

नई दिल्ली।

सीबीआई ने पीएसएल स्कैम मामले में महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में छापेमारी की है। इस छापेमारी के दौरान केंद्रीय एजेंसी ने भारतीय मात्रा में नकद और डॉलर बरामद किया है। फिलहाल यह छापेमारी जारी है।

अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने गुरुवार को 217 करोड़ रुपये की कथित बैंक धोखाधड़ी के चार अलग-अलग मामले दर्ज करने के बाद कई शहरों में 12 स्थानों पर पीएसएल निदेशकों और अन्य के परिसरों की तलाशी ली। सीबीआई ने तलाशी के दौरान 90,413 अमेरिकी डॉलर और 1.99 करोड़ रुपये नकद जब्त किए। उन्होंने बताया कि केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, आईडीबीआई बैंक लिमिटेड और एक्जिम बैंक की शिकायतों पर कुल 217.37 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में मामले दर्ज किए गए थे।

उन्होंने बताया कि तलाशी मुंबई में 12 स्थानों और दमन, कच्छ, नोएडा और दिल्ली में एक-एक स्थान पर की गई। पहला मामला केनरा बैंक से जुड़ा है, जो करीब 30.49 करोड़ रुपये का है। दूसरा मामला ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स (अब पंजाब नेशनल बैंक के साथ विलय) में 51.90 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी से संबंधित है।

सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि यह भी आरोप लगाया गया कि पाइप निर्माण और पाइप कोटिंग के कारोबार में शामिल निजी कंपनी ने ई-सिंडिकेट बैंक से ऋण सुविधाओं का लाभ उठाया और इसके बाद धन को अपनी सहायक कंपनियों में भेज दिया।

सीबीआई ने बताया कि तीसरा मामला आईडीबीआई बैंक लिमिटेड से 29.06 करोड़ रुपये (लगभग) की कथित धोखाधड़ी से संबंधित है। कंपनी और उसके अधिकारियों पर एक्सपोर्ट इंपोर्ट बैंक ऑफ इंडिया में कथित रूप से 105.92 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया था।

न्यूज ब्रीफ

अलीबाबा ने पेटीएम में अपनी 3.1प्रतिशत हिस्सेदारी बेचीः बल्क डील में कंपनी के 1,125 करोड़ रु. के शेयर बेचे, पेटीएम का शेयर 6प्रतिशत से ज्यादा गिरा

नई दिल्ली। अलीबाबा ग्रुप ने पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन-97 कम्युनिकेशंस में अपनी 3.1प्रतिशत की बड़ी हिस्सेदारी बेच दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पेटीएम के 125 मिलियन डॉलर यानी करीब 1,125 करोड़ रुपए के शेयर अलीबाबा ग्रुप की कंपनी एंट फाइनेंशियल ने बल्क डील में बेच दिए हैं। एंट फाइनेंशियल ने इंडियन डिजिटल पेमेंट एंड फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी पेटीएम के 2 करोड़ शेयर्स 536.95 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से बेचे हैं। इससे पहले सितंबर 2022 में पेटीएम में अलीबाबा ग्रुप की 6.26प्रतिशत हिस्सेदारी थी। अलीबाबा के हिस्सेदारी बेचने के कारण पेटीएम के शेयर में गुरुवार (12 जनवरी) को बड़ी गिरावट देखने को मिली। पेटीएम का शेयर 6.16प्रतिशत यानी 35.65 रुपए गिरकर 543.50 रुपए पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान पेटीएम का शेयर 8.8प्रतिशत गिरकर 528 रुपए पर आ गया था। यह अपने इश्यू प्राइस से अब तक करीब 75प्रतिशत तक गिर चुका है। इसका इश्यू प्राइस 2,150 रुपए था। पेटीएम के शेयर से निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है। बता दें कि पेटीएम का 52 वीक हाई 1,145.90 रुपए है, जबकि इसका 52 वीक लो 438.35 रुपए है। कंपनी का शेयर पिछले साल 24 नवंबर को अपने न्यूनतम स्तर तक गया था। एक साल में पेटीएम के शेयर में करीब 500 रुपए की गिरावट आई है। कंपनी के बोर्ड ने हाल ही में 850 करोड़ रुपए की शेयर बायबैक स्कीम की अनाउंसमेंट की थी। यह शेयर बायबैक ओपन मार्केट रूट के जरिए होगा।

एक फीसदी भारतीय अमेरिका के कुल टैक्स कलेक्शन का 6प्रतिशत करते हैं अदा, सांसद ने की प्रशंसा

नई दिल्ली । अमेरिकी सांसद रिक मेकॉर्मिक ने अमेरिका में बसे भारतीय समुदाय के लोगों की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भारतीयों की आबादी हमारे देश में महज एक प्रतिशत है पर वे कुल कर संग्रह का छह प्रतिशत अदा करते हैं। यूएस हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में अपने पहले भाषण में जॉर्जिया के कांग्रेस सदस्य ने एक सुव्यवस्थित इमिग्रेशन प्रक्रिया की गुहार लगाई। साथ ही सांसद ने इस बात पर भी जोर दिया कि ये समुदाय देश में समस्या पैदा नहीं करता है और कानूनों का पालन करता है। मैककॉर्मिक पेशे से एक डॉक्टर हैं और जॉर्जिया जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने 8 नवंबर 2022 के मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के बॉब क्रिश्चियन को मात दी थी। सदन में अपने पहले भाषण के दौरान 54 वर्षीय मैककॉर्मिक ने गुरुवार को यह भी कहा कि उनके समुदाय में हर पांच डॉक्टरों में एक भारतीय होता है। इसके साथ ही उन्होंने संसद में भारतीय अमेरिकियों को महान देशभक्त, ईमानदार नागरिक और अच्छा दोस्त बताया।

डीआरआई ने कहा- सैमसंग ने की 1728 करोड़ की सीमा शुल्क चोरी, कारण बताओ नोटिस जारी

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने कहा है कि सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स (एसआईईएल) ने 1728.47 करोड़ की सीमा शुल्क की चोरी की है। उसे कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा गया है कि क्यों न कंपनी से ब्याज सहित यह रकम वसूली जाए। साथ ही कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन के खिलाफ जुर्माना क्यों न लगाया जाए। डीआरआई ने एसआईईएल के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इसी आधार पर नवी मुंबई के पास न्हावा सेवा सीमा शुल्क ने नोटिस जारी किया था। गुड़गांव स्थित एसआईईएल और समन किए गए व्यक्तियों को इस मामले में जवाब देने के लिए 30 दिन का समय दिया है। डीआरआई ने प्राइस वाटर हाउस कूपर्स (पीडब्ल्यूसी) और एक सहयोगी निदेशक को भी नोटिस जारी किया। इनसे जांच के दौरान पूछताछ की गई थी। पीडब्ल्यूसी को एसआईईएल ने नेटवर्क उपकरण के वर्गीकरण के लिए नियुक्त किया था, जो जांच के दायरे में है। डीआरआई ने नोटिस में पूछा कि आयातित माल का कुल मूल्य 6,72,821 करोड़ है। उसको बिल ऑफ एंट्री के तहत आयात किया जाना चाहिए, जो कि नहीं किया गया।

भारतीय इंटरसिटी यात्री एसी बस में रात भर की यात्रा पसंद कर रहे : रेडबस

नई दिल्ली।

बस परिवहन भारत में बड़े पैमाने पर परिवहन की रीढ़ है क्योंकि यह सभी आर्थिक वर्गों को लाभान्वित करते हुए सामर्थ्य और सुविधा दोनों प्रदान करता है। देश में इंटरसिटी बस यात्रा न केवल सामान्य स्थिति (मूल्य के संदर्भ में) में वापस आ गई, बल्कि 2022 में देश की लंबाई और चौड़ाई में गहराई तक जाकर इसकी कवरेज में वृद्धि हुई।

दुनिया के सबसे बड़े ऑनलाइन बस टिकटिंग प्लेटफॉर्म रेडबस के अनुमान के अनुसार, इंटरसिटी बस यात्रा नेटवर्क 7,800 कस्बों और गांवों तक पहुंच गया, जो 2021 में कवर किए गए 7,000 कस्बों और गांवों से 11 प्रतिशत अधिक है। कवर किए गए इंटरसिटी मार्गो की संख्या 2021 में 1.16 लाख से बढ़कर 2022 में 1.36 लाख हो गई।

रेडबस, 20 प्रमुख सार्वजनिक परिवहन कंपनियों और 3500 से अधिक निजी बस ऑपरेटरों के साथ काम करने की अंतर्दृष्टि के साथ, प्रतिदिन 52,000 बसों के लिए बुकिंग का समर्थन करता है, वर्ष 2022 में इंटरसिटी बस यात्रा के दौरान उभरे प्रमुख रुझानों का विश्लेषण करता है।

टीयर 2 और 3 शहरों में ऑनलाइन बस टिकट खरीदने की अवधारणा जोर पकड़ रही है। 38 लाख से अधिक यात्रियों ने 2022 में रेडबस पर पहली बार इंटरसिटी बस टिकट ऑनलाइन बुक किए। टियर 2 और 3 शहरों का योगदान पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ा है, जो 2022 में 60 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो 2019 में 56 प्रतिशत की हिस्सेदारी से बहुत अधिक है। रेडबस पर 2022 में तमिलनाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और गुजरात राज्यों में इंटरसिटी बस यात्रा की सबसे अधिक मांग देखी गई।

इंटरसिटी यात्री एसी बस में रात भर यात्रा करना पसंद करते हैं। 64 प्रतिशत से अधिक यात्री शाम 5.00 बजे से रात 12.00 बजे के बीच इंटरसिटी बस में सवार होते हैं, जो दिन के समय की तुलना में रात की यात्रा के लिए एक विशिष्ट वरीयता को चिन्हित करता है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भारत में एक इंटरसिटी बस की सवारी द्वारा तय की गई औसत दूरी लगभग 416 किमी है। लगभग 70 प्रतिशत यात्राएं 500 किमी तक की होती हैं, जबकि 30 प्रतिशत यात्राएं 500 किमी से अधिक की दूरी तय करती हैं। इसके अलावा, 2022 में प्लेटफॉर्म पर लगभग 72 प्रतिशत बुकिंग ने एसी बस को प्राथमिकता दी, जो 2021 में एसी बसों द्वारा आयोजित 65 प्रतिशत हिस्सेदारी से उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।

दीवाली पर प्लेटफॉर्म पर सबसे अधिक उपयोग देखा गया। भारत में प्रमुख त्योहारों के दौरान घरों में जाने की आवाजाही देखी जाती है, जिसमें लोग अपने प्रियजनों से मिलने और उत्सव मनाने के लिए अपने घर लौटते हैं। रेडबस ने 21 अक्टूबर, 2022 को दिवाली पर यात्रा करने वाले लोगों की अधिकतम संख्या देखी, जब मांग औसत दिन की तुलना में 45 प्रतिशत अधिक थी। होली, गुड फ्राइडे, ईद-उल-फितर और गुरुपर्व और दशहरा जैसे त्योहारों में भी प्लेटफॉर्म पर उपयोग में वृद्धि देखी गई। गैर-त्योहारों की तुलना में इन त्योहारों के दौरान यात्रा करने वाले लोगों में 36 प्रतिशत की वृद्धि होती है।

तिरुपति सबसे अधिक देखे जाने वाले तीर्थ स्थलों की सूची में सबसे ऊपर है। तिरुपति, मदुरै, शिरडी, नासिक, हरिद्वार, वाराणसी और पुरी 2022 में रेडबस पर बुक किए गए शीर्ष तीर्थस्थल थे। हरिद्वार और उज्जैन में यात्रा की मांग में (2021 की तुलना में) क्रमशः 3 गुणा और 2 गुणा की वृद्धि देखी गई।

गोवा भारतीय बस यात्रियों का पसंदीदा अवकाश स्थल है। 2022 में, पूरे भारत में रेडबस पर बुक किए गए शीर्ष 5 पर्यटन स्थल गोवा, पांडिचेरी, मनाली, शिमला और ऊटी थे। 8 में से 1 अवकाश बुकिंग गोवा के लिए हो रही थी। महाराष्ट्र ने गोवा को सभी बुकिंग में 56 प्रतिशत का योगदान दिया, उसके बाद कर्नाटक (26 प्रतिशत) और तेलंगाना (16 प्रतिशत) का स्थान रहा।

रेडबस भारत, सिंगापुर, मलेशिया, इंडोनेशिया, पेरू और कोलंबिया में संचालन के साथ दुनिया का सबसे बड़ा ऑनलाइन बस टिकटिंग प्लेटफॉर्म है। भारत में, रेडबस 20 प्रमुख सरकारी और 3500 से अधिक निजी बस ऑपरेटरों के साथ काम करता है, जो प्रतिदिन 52,000 बसों के लिए बुकिंग का समर्थन करता है।

नीति आयोग में अर्थशास्त्रियों के साथ पीएम मोदी ने की बैठक, केंद्रीय बजट से पहले लिए सुझाव

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीति आयोग में अर्थशास्त्रियों के साथ की। इस बैठक के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी मौजूद रहीं। पीएम ने केंद्रीय बजट से पहले अर्थशास्त्रियों से राय और सुझाव लेने के साथ-साथ भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति और इसकी चुनौतियों का आकलन किया। जानकारी के मुताबिक, संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू हो सकता है। बजट सत्र छह अप्रैल तक चल सकता है। सत्र की शुरुआत लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र से होगी।

इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू दोनों सदनों को संबोधित करेंगी। यह उनका संसद के दोनों सदनों को पहला संबोधन होगा।

जानकारी के मुताबिक, बजट सत्र के पहले दिन दोनों सदनों में इकोनॉमिक सर्वे को पेश किया जाएगा। इसके बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में केंद्रीय बजट पेश करेंगी। बजट एक फरवरी को पेश किया जा सकता है। सत्र का पहला भाग 10 फरवरी तक जारी रह सकता है। इसके बाद बजट सत्र का दूसरा भाग छह मार्च को शुरू होगा और यह 6 अप्रैल तक चल सकता है।

बजट सत्र के पहले भाग में दोनों सदनों में राष्ट्रपति के संबोधन पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होगी। इसके बाद केंद्रीय बजट पर चर्चा की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति के संबोधन पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देंगे। वित्त मंत्री सीतारमण भी केंद्रीय बजट पर होने वाली बहस का जवाब देंगी।

बजट सत्र के दूसरे भाग के दौरान सरकार के विधायी एजेंडे के अलावा विभिन्न मंत्रालयों की अनुदान मांगों पर चर्चा पर प्रमुख ध्यान दिया जाता है। केंद्रीय बजट को एक धन विधेयक के तौर पर सत्र के इस भाग के दौरान पारित किया जाता है।

इंफोसिस ने दिसंबर तिमाही में 6000 फ्रेशर्स हायर किए, बोली- 31 मार्च तक 50 हजार का लक्ष्य होगा पूरा

नई दिल्ली।

आईटी कंपनी इंफोसिस ने वित्तीय वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही में 6000 फ्रेशर्स को हायर किया है। वित्तीय वर्ष 2022-2023 की शुरुआत में कंपनी ने 50000 फ्रेशर्स की हायरिंग का लक्ष्य रखा था। कंपनी ने उनमें से 40000 लोगों की बहाली साल के पहले छह महीने में ही कर ली थी।

कंपनी के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर निलांजन रॉय के अनुसार कंपनी अपना वार्षिक लक्ष्य हासिल करेगी और वह अपने लक्ष्य में कोई परिवर्तन नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि साल के अंत तक हम अपनी हायरिंग का लक्ष्य हासिल करने के करीब होंगे। हमने अभी से ही बहाली शुरू कर दी है।

रॉय ने कहा कंपनी के पास फ्रेशर्स की एक बड़ी पाइपलाइन है जो मैसूर में इंफोसिस के प्रशिक्षण कार्यक्रम से गुजरती है। वे अब बेंच पर हैं। हम उन्हें प्रशिक्षित कर रहे हैं, उन्हें फिर से कुशल बना रहे हैं। वास्तव में इससे हमें विकास में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि बीते साल हमने बड़ी संख्या में फ्रेशर्स हायर किया और उन्हें प्रशिक्षित किया। समय के साथ वे कंपनी के उत्पादन का हिस्सा होंगे। उन्होंने कहा कि फ्रेशर्स की उपयोगिता को लेकर हम अभी से चिंतित नहीं हैं। समय के साथ ये फ्रेशर्स हमारे लिए उपयोगी साबित होंगे।

बजट के पहले समाज के सभी वर्ग उत्सुक हैं कि इस बार सरकार उनके लिए क्या नई घोषणाएं करेंगी। इस बीच कुछ गैर सरकारी संगठनों बजट में बुजुर्ग लोगों को रियायत देने की मांग की है।

चिकन से तीन गुना महंगी प्याज : चोरी-छिपे हो रही तस्करी, एक किलो की कीमत 900 रुपए

मनीला/नई दिल्ली ।

दुनिया के कई देश इन दिनों बढ़ती महंगाई से जूझ रहे हैं। महंगाई का आलम ये है कि फिलीपींस में प्याज की कीमतें आसमान छू रही हैं। बता दें कि फिलीपींस में प्याज, चिकन से भी तीन गुना महंगी हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिलीपींस में एक किलो प्याज 900 रुपए में बिक रही है जबकि एक किलो चिकन की कीमत 325 रुपए ही है। हालात ये हैं कि फिलीपींस में प्याज की तस्करी शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में चीन से तस्करी कर लाई गई प्याज की खेप फिलीपींस के कस्टम अधिकारियों ने जब्त की थी। यह प्याज चीन से पेस्ट्री के

डिब्बों में छिपाकर भारत लाई जा रही थी। बीते साल दिसंबर में भी कस्टम अधिकारियों ने क्लोथिंग शिपमेंट में छिपाकर लाई जा रही करीब ढाई करोड़ रुपए की प्याज जब्त की थी। उल्लेखनीय है कि फिलीपींस में पिछले साल आए कई तूफानों में अरबों रुपए की प्याज की फसल तबाह हो गई थी।

जिसके बाद वहां प्याज की किल्लत हो गई। प्याज, फिलीपींस के लोगों के खानपान का अहम हिस्सा है। वहां के लोग हर महीने करीब 20 हजार मीट्रिक टन प्याज खा जाते हैं। प्याज की इतनी डिमांड और सप्लाई में कमी के चलते ही वहां प्याज की कीमतें इतनी ज्यादा बढ़ गई हैं। प्याज की बढ़ती कीमतों की वजह से फिलीपींस में महंगाई दर बढ़कर 14 फीसदी हो गई है। कमी को देखते हुए फिलीपींस की सरकार ने 21 हजार टन प्याज आयात करने के फैसले को मंजूरी दे दी है। इसके बाद फरवरी से प्याज की फसल आनी भी शुरू हो जाएगी। जिसके बाद देश में प्याज की कीमतें कम होने की उम्मीद है। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ी हुई है। प्याज की ही बात करें तो पाकिस्तान में प्याज के दाम बीते एक साल में 36 रुपए किलो से बढ़कर 220 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए हैं।

अमेजन में छंटनी शुरू

भारत के हजार कर्मचारियों समेत 18000 होंगे बाहर, पांच महीने का अग्रिम वेतन देगी कंपनी

नई दिल्ली ।

आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अमेजन में छंटनी शुरू हो चुकी है। इसकी पुष्टि खुद कंपनी के सीईओ एंडी जेसी ने की है। उन्होंने कहा है कि छंटनी शुरू हो रही है और कंपनी से करीब 18000 से अधिक कर्मचारी इससे प्रभावित होंगे, जिसमें भारत में भी हजारों कर्मचारी शामिल हैं। बता दें, बीते दिनों भी कुछ रिपोर्ट में इस बात के संकेत मिले थे कि कंपनी भारत में करीब 1000 से ज्यादा कर्मचारियों को बाहर कर सकती है। इससे तकनीकी, मानव संसाधन व अन्य विभाग प्रभावित होंगे। पिछले सप्ताह कंपनी के सीईओ एंडी जेसी ने अपने ब्लॉग में कहा था कि कंपनी 18 जनवरी के बाद छंटनी से प्रभावित कर्मचारियों के साथ संवाद करेगी।

गुरुग्राम-बेंगलुरु के कार्यालयों में शुरू हुई छंटनी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में अमेजन के गुरुग्राम, बेंगलुरु व अन्य कार्यालयों में छंटनी शुरू हो चुकी है। इसमें सबसे ज्यादा असर घाटे में चल रहे विभागों पर पड़ा है। कंपनी से बाहर किए जा रहे कर्मचारियों में फ्रेशर्स व अनुभवी दोनों शामिल हैं।

प्रभावित कर्मचारियों को मिलेगा पांच महीने का वेतन

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेजन ने निकाले गए कर्मचारियों को ईमेल भेजकर पांच महीने के अग्रिम वेतन की पेशकश की है। कर्मचारियों को एक निश्चित तारीख पर लीडरशिप टीम से मिलने को कहा है। सूत्रों के मुताबिक, अमेजन में छंटनी अभी शुरू हुई है, जो आने वाले हफ्तों तक चलने की उम्मीद है।

मंदी के दौर में सबसे बड़ी छंटनी

मौजूदा मंदी के दौर में अमेजन का 18,000 कर्मचारियों को हटाना अब तक की सबसे बड़ी छंटनी होगी। सितंबर के अंत तक अमेजन के साथ 15 लाख से अधिक कर्मचारी जुड़े थे। इस छंटनी का अर्थ है कि नवीनतम कटौती कार्यबल का करीब एक फीसदी होगा। कंपनी के पास दुनियाभर में लगभग 350,000 कॉरपोरेट कर्मचारी हैं।

पिछले साल गईं 1.5 लाख से ज्यादा नौकरियां

ट्रैकिंग साइट लेऑफ डॉट एफवाईआई के मुताबिक, पिछले साल टेक उद्योग में 1.5 लाख नौकरियां गईं। छंटनी का दौर नए साल में भी जारी रहेगा। फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने नवंबर में 11,000 कर्मचारियों को निकाला था। स्नैपचैट ने अगस्त में 1,200 छंटनी की थी। ट्विटर ने अक्तूबर में 7,500 को नौकरी से निकाला था। क्रंचबेस टैली के मुताबिक, अमेरिका में टेक कंपनियों ने 2022 में 9,1000 छंटनी की थी।

वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका के बीच दुनियाभर की टेक कंपनियों में हड़कंप मचा हुआ है। ट्विटर, मेटा, अमेजन के अलावा एचपी इंक भी करीब 6,000 कर्मचारियों की छंटनी कर सकती है। हाल ही में पेप्सिको ने भी कटौती की घोषणा की है।

भूषण कुमार बना रहे कार्तिक को लेकर दो और फिल्में

-आशिकी-3 भी बनाने जा रहे हैं टी सीरीज के मालिक

मुंबई (ईएमएस)। टी सीरीज के मालिक भूषण कुमार अपने भूल भुलैय्या-2 के अदाकार कार्तिक आर्यन को लेकर दो और फिल्मों को बनाने जा रहे हैं। यह जानकारी स्वयं भूषण कुमार ने दी है। भूषण कार्तिक आर्यन के साथ भूल भुलैय्या सीरीज का अगला पार्ट बनाने के साथ ही सुपरहिट सीरीज में शुमार हो चुकी आशिकी-3 को भी बनाने जा रहे हैं। कार्तिक आर्यन की साल 2022 में दो फिल्में रिलीज हुई थीं। इनमें से एक भूल भुलैय्या 2 सिनेमाघरों में और दूसरी फ्रेडी ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित हुई थी। कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैय्या 2 ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 185 करोड़ रुपये की कमाई की थी। अब इस फिल्म के दूसरे भाग को लेकर चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं। इसके साथ ही बताया जा रहा है कि फिल्म के तीसरे पार्ट में कार्तिक आर्यन ही नजर आने वाले हैं। गौरतलब है कि फिल्म फ्रेंचाइजी का पहला भाग भूल भुलैया नाम से साल 2007 में प्रदर्शित हुआ जिसमें अक्षय कुमार और विद्या बालन नजर आए थे। इस फिल्म को प्रियदर्शन ने निर्देशित किया

था। एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने कन्फर्म किया है कि भूल भुलैया 3 की साल 2024 में शूटिंग शुरू होगी। भूषण कुमार ने कहा है हम फिल्म के दूसरे और तीसरे पार्ट के बीच जरूरी चीजों पर विचार कर रहे हैं। लोगों की उम्मीदें आसमान छू रही हैं और अब हम फ्रेंचाइजी को कैसे आगे ले जाए इस पर विचार करे रहे हैं। फिलहाल हम स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। भूल भुलैया 3 का विचार बड़ा और अनूठा होना चाहिए। ये फिल्म एक स्थापित फ्रेंचाइजी है और इसको लेकर लोगों को काफी उम्मीदें होंगी। जिस तरह से दृश्यम 2 एक अनूठा विचार था और उसी तरह से हम एक अनूठे विचार की तलाश में हैं। एक बार हमें वह मिल जाए तो हम आगे बढ़ेंगे। भूषण कुमार ने कहा है कि फिल्म भूल भुलैया 3 की शूटिंग साल 2024 की दूसरे हॉफ में शुरू होगी। उन्होंने कहा कि इस फिल्म से पहले वह कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म आशिकी 3 पर काम कर रहे हैं। फिल्म आशिकी 3 साल 2023 के आखिर तक फ्लोर पर आएगी। बात अगर कार्तिक आर्यन के काम की करें तो आखिरी बार ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित हुई फिल्म फ्रेडी में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके अभिनय की खासी सराहना हुई थी। हाल ही में कार्तिक आर्यन ने अपनी 10 फरवरी को प्रदर्शित होने वाली फिल्म शहजादे की शूटिंग को पूरा किया है।

नाटू-नाटू को सर्वश्रेष्ठ मूल गाने का पुरस्कार मिला

-गाने को लेकर छिड़ी ट्विटर वॉर

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म आरआरआर के गाने के तेलुगु वर्जन नाटू-नाटू को गोल्डन ग्लोब पुरस्कार 2023 में सर्वश्रेष्ठ मूल गाने का पुरस्कार मिला है। इस गाने को लेकर अब ट्विटर वॉर छिड गया है। इस उपलब्धि की सोशल मीडिया पर हर कोई चर्चा कर रहा है। मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने भी बुधवार को नाटू-नाटू गाने के पुरस्कार जीतने पर बधाई देते हुए ट्वीट करते हुए लिखा तेलुगु ध्वज ऊंचा लहरा रहा है। सीएम के इस ट्वीट पर गायक अदनान सामी ने टिप्पणी की जिसके बाद अब दोनों के बीच ट्विटर पर वॉर शुरू हो गई है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री गुडिवाड़ा अमरनाथ ने अदनान सामी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह उनकी देशभक्ति पर फैसला सुनाने वाले आप कोई नहीं हैं। हमें अपनी भाषा अपनी संस्कृति और अपनी पहचान पर गर्व है। और मैं फिर से घोषणा करता हूं हम तेलुगू हैं। मंत्री ने ट्वीट कर लिखा (अदनान सामी) आप हमारी देशभक्ति पर फैसला सुनाने वाले कोई नहीं होते हैं। तेलुगु होने का मेरा गौरव एक भारतीय के रूप में मेरी पहचान से दूर नहीं होता है। साल 2016 में भारतीय नागरिक हासिल करने वाले अदनान सामी ने मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के बधाई संदेश में खामी पाई थी। नाटू नाटू गाने के लिए पुरस्कार जीतने के लिए आरआ-

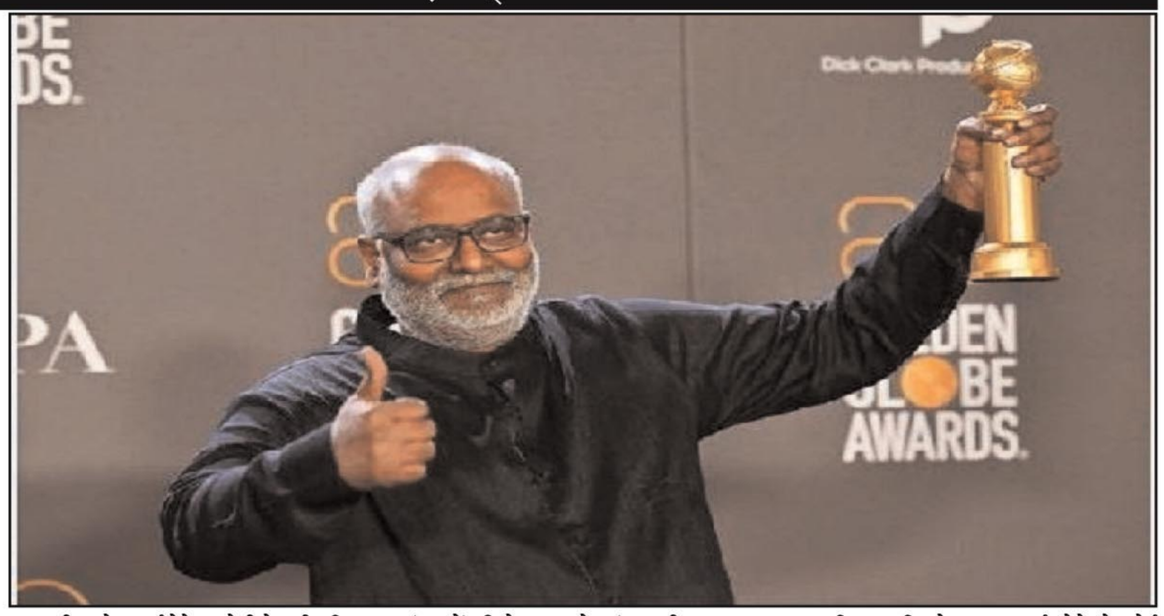

रआर टीम को बधाई देते हुए रेड्डी ने ट्वीट किया तेलुगु ध्वज ऊंचा लहरा रहा है। इस पर सामी ने प्रतिक्रिया देते हुए ट्वीट किया। सामी ने लिखा तेलुगु ध्वज? आपका मतलब भारतीय ध्वज है ना? हम पहले भारतीय हैं और इसलिए कृपया खुद को देश के बाकी हिस्सों से अलग करना बंद करें। विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हम एक देश हैं! यह अलगाववादी रवैया बेहद अस्वास्थ्यकर है जैसा कि हमने 1947 में देखा था धन्यवाद जय हिंद। हालांकि गायक सामी के ट्वीट पर कई यूजर्स ने सीएम का बचाव करते हुए उनकी आलोचना की। एक यूजर्स ने उन्हें याद दिलाया कि तेलुगु पर गर्व होने से कोई भारतीय कम नहीं होता है। ट्रोल करने वाले यूजर्स को जवाब देते हुए गायक ने लिखा कि एक महान राज्य के मुख्यमंत्री के पास एक राजनीतिक रूप से सही बयान देने के लिए सभी साधन सुविधाएं और जिम्मेदारी होती है।

विवेक अग्निहोत्री की वैक्सीन वॉर में नजर आएंगे रियल वॉरियर्स

विवेक अग्निहोत्री की बहुप्रतीक्षित और प्रत्याशित फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और फिल्म को लेकर दर्शक अपना उत्साह रोक नही पा रहे हैं। वैक्सीन वॉर भारतीय वैज्ञानिकों और उन लोगों पर आधारित है जिन्होंने दुनिया में सबसे प्रभावी वैक्सीन बनाने के लिए दो साल से अधिक समय तक अपना दिन और रात एक कर दिया। द वैक्सीन वॉर भारतीय वैज्ञानिकों की कहानी है जो ग्लोबल मैन्यूफैक्चर्स की तरफ से आने वाले दबाव से बच गए और अपने देशवासियों के जीवन को बचाने के लिए दिन रात काम किया। हाल में फिल्म के निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म के सेट से एक वीडियो जारी की थी जिसमें लिखा था "##TheVaccinWar के सेट से। स्वतंत्रता दिवस 2023। वीडियो में फिल्म के कलाकारों के साथ फिल्म मेकर को कई नारे लगाते हुए देखा जा सकता है। अब जैसे कि फिल्म इंडिपेंडेंस डे पर अपनी रिलीज की तैयारी कर रही है एक अंदरूनी सूत्र ने बताया कि सच्ची कहानी पर आधारित इस फिल्म में भारत के रियल वॉरियर्स भी हैं। इसके बारे में बात करते हुए सोर्स कहते हैं ये सिख वॉलंटियर्स हैं जिन्होंने दूसरी लहर के दौरान अपनी जान जोखिम में डालकर मृत लोगों का दाह संस्कार करने में

मदद की थी। उन्होंने अपनी इच्छा से हमारी फिल्म में काम किया और सटीक परिदृश्यों को फिर से बनाने में हमारी मदद की। सोर्स ने आगे कहा क्योंकि ##TheVaccinWar एक सच्ची कहानी है हम उतना ही रियल लोगों को कास्ट कर रहे हैं जितना हम कर सकते हैं। हम चाहते हैं कि यह सच्ची कहानी भारत के सच्चे योद्धाओं के साथ एक सहयोगी फिल्म बने। यह दुनिया के कुछ सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से गहन शोध पर आधारित भारत में सच्ची कहानी शैली की पहली फिल्म होने जा रही है। वैक्सीन वॉर भारतीय सिनेमा के लेवल को ऊपर उठाने और फिल्मों को भारत की सॉफ्ट पावर के रूप में इस्तेमाल करने की एक वास्तविक कोशिश है। भारत दुनिया के बाकी हिस्सों की तरह ही पिछले दो सालों में काफी मुश्किलों से गुजरा है जब महामारी ने देश को बुरी तरह प्रभावित किया। कई भारतीय वैज्ञानिकों और डॉक्टरों ने यह सुनिश्चित करने के लिए अपना खून पसीना एक कर दिया ताकि मरीजो का इलाज किया जा सके और एक वैक्सीन बनाया जाए। जब लोग कोरोना पर जीत का जश्न मनाने में लगे थे वहीं कुछ एजेंसियां पार्टियां और मीडिया हाउस लगातार इस जीत को बदनाम करने की दिशा में काम कर रहे थे। तभी से विवेक अग्निहोत्री उन नक्सलियों के खिलाफ लड़ रहे हैं और उन्हें बेनकाब कर रहे हैं। भारत में बनी वैक्सीन इतनी असरदार रही है कि देश की आबादी 1.4 अरब होने के बावजूद भी नागरिक कोरोना से अप्रभावित रहे हैं। वहीं चीन यूके और कई दूसरे देश 2023 में भी कोरोना से जूझ रहे हैं। इस फिल्म के साथ विवेक रंजन अग्निहोत्री 15 अगस्त 2023 को 11 भाषाओं में अब तक की सबसे प्रॉमिसिंग फिल्मों में से एक देने के लिए पूरी तरह तैयार और दृढ़ है।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर अजय देवगन को याद आया बचपन

राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर गुरुवार को बॉलीवुड स्टार अजय देवगन ने अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स के साथ अपने बचपन के दिनों की कई तस्वीरें साझा कीं। अजय ने इंस्टाग्राम पर एक रील साझा की जिसमें उनकी सभी तस्वीरें पुरानी थीं। रील की शुरूआत अजय देवगन के बचपन के दिनों से होती है और क्लिप में उनकी सबसे हाल की तस्वीरें देखी जा सकती है। उन्होंने आगे कहा युवा तब होता है जब आप अपने सभी विश्वासों और सपनों के लिए एक ठोस भविष्य की नींव रखते हैं। अभिनय के मोर्चे पर अजय ने अपनी अगली भोला की शूटिंग पूरी कर ली है जिसमें तब्बू भी हैं। फिल्म के निमार्ताओं ने हाल

ही में घोषणा की है कि यह वर्तमान में पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है। फिल्म का निर्माण अजय देवगन फिल्म्स टी-सीरीज फिल्म्स रिलायंस एंटरटेनमेंट और ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स ने किया है। भोला का निर्देशन लोकेश कनगराज कर रहे हैं। फिल्म में कथित तौर पर एक पूर्व-अपराधी की कहानी को दशार्या गया है जो जेल से रिहा होने के बाद पहली बार अपनी बेटी से मिलने का फैसला करता है और गंभीर परिस्थितियों में फंस जाता है।

मधुबाला की बायोपिक में काम करने की इच्छा जताई यामी ने

जानी-मानी अभिनेत्री मधुबाला की बायोपिक में काम करने की इच्छा अभिनेत्री यामी गौतम धर ने जाहिर की है। यामी ने कहा सबसे खूबसूरत मधुबाला जी होंगी। मुझे पता है कि कुछ फिल्मों की घोषणा की जा रही है लेकिन इसका उन घोषणाओं से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा मैंने हमेशा अपने मेकअप रूम में ऐसा कहा है क्योंकि मैं रात में उनके गाने देखा करती थी। इसलिए रात में मेरी आज तक यह आदत है या तो कुछ पुराने गाने या कुछ पुराने इंटरव्यू देखने की। यह मधुबाला जी का स्मिता जी का साक्षात्कार हो सकता है और मेरे भगवान! वह कितना अच्छा वक्त था। काश उन अभिनेताओं में से एक अभी

भी जीवित होता। अभी बहुत कुछ देखना बाकी था और काश वह होती आज यहां हूं क्योंकि वह मेरी सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं।

रजनीकांत की फिल्म जेलर में अहम भूमिका निभाएंगे मोहनलाल

मुंबई (ईएमएस)। प्रख्यात अभिनेता रजनीकांत इन दिनों अपनी अगली फिल्म जेलर को पूरा करने में लगे हुए हैं। सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित रजनीकांत की यह फिल्म उनकी पिछली फिल्मों की तरह एक और एक्शनपैक्ड फिल्म है। इस फिल्म में अब भारतीय सिनेमा के एक और नामचीन सितारे मोहनलाल की एंट्री हो गई है। हाल ही में सन पिक्चर्स ने जेलर के सेट से मोहनलाल की तस्वीर शेयर की थी जो तुरन्त ही वायरल हो गई है। बताया जाता है कि जेलर में मोहनलाल कैमियो भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म के लिए उन्होंने दो दिन की शूटिंग पूरी कर ली है। यह पहला मौका है जब रजनीकांत और मोहनलाल एक साथ किसी फिल्म में नजर आएंगे। जेलर का निर्देशन नेल्सन दिलीप कुमार कर रहे हैं जिनकी पिछली फिल्म थलापति विजय अभिनीत बीस्ट थी। बीस्ट को बॉक्स ऑफिस पर असफलता का सामना करना पड़ा था। इसके बावजूद

रजनीकांत ने उनकी फिल्म जेलर की पटकथा पर भरोसा जताया और उनके निर्देशन में काम करने को मंजूरी दी। फिल्म में रजनीकांत के अपोजिट ऐश्वर्या राय बच्चन नजर आएंगी। यह दूसरा मौका होगा जब ऐश्वर्या राय बच्चन रजनीकांत के साथ परदे पर दिखाई देंगी। इससे पहले उन्होंने 2010 में आई में निर्देशक शंकर की फिल्म रोबोट में रजनीकांत के साथ काम किया था। इस फिल्म में मोहनलाल के अतिरिक्त दक्षिण के एक और ख्यातनाम अभिनेता शिव राजकुमार को भी लिया गया है। सन पिक्चर से अपनी पिछली असफलता को देखते हुए जेलर को पूरी तरह से सफल बनाने के लिए तीन सुपर सितारों को एक साथ परदे पर पेश करने का बीड़ा उठाया है। जहां तक रजनीकांत के काम की बात है तो जेलर के बाद चन्द्रमुखी-2 में नजर आएंगे। इसमें उनके साथ राघव लॉरेंस और अनुष्का शेट्टी भी हैं। पी वसु द्वारा निर्देशित हॉरर फिल्म चन्द्रमुखी वर्ष 2005 में प्रदर्शित हुई थी। चन्द्रमुखी-2 इसी फिल्म का सीक्वल है।

फिल्म मैदान में अजय देवगन निभा रहे फुटबॉल कोच की भूमिका

बालीवुड एक्टर अजय देवगन फिल्म मैदान में फुटबॉल कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। यह फिल्म मई महीने में प्रदर्शित होगी। वर्ष 2023 में जिन फिल्मों में अजय देवगन नजर आने वाले हैं उनमें उनकी फिल्म मैदान भी शामिल है जिसमें वे फुटबॉल कोच के रूप में नजर आएंगे। इस फिल्म की प्रदर्शन तिथि पहले भी कई बार बदली जा चुकी है। अब एक बार फिर से इस फिल्म की प्रदर्शन तिथि में बदलाव किया गया है। प्राप्त समाचारों के अनुसार फरवरी 2023 में कई फिल्मों का प्रदर्शन होना है। इसी के कारण अजय नहीं चाहते हैं कि उनकी फिल्म बाकी फिल्मों के बीच फंसे और बॉक्स ऑफिस पर असर पड़े। इस वजह से उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ाने की निमार्ताओं से अपील की थी। निमार्ताओं ने अजय की बात को स्वीकार करते हुए इसे आगे बढ़ा दिया है। मैदान का निर्देशन अमित शर्मा ने किया है और निर्माण बोनी कपूर जी स्टूडियो अरुणवा जॉय सेनगुप्ता और

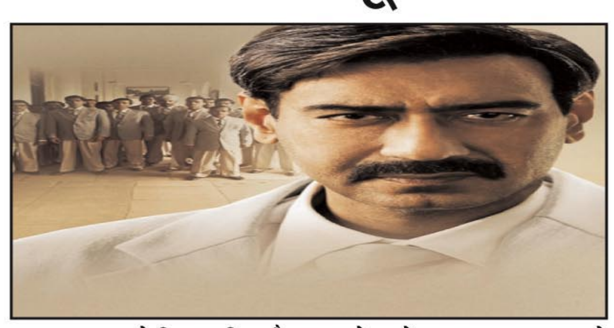

आकाश चावला ने मिलकर किया है। फिल्म में अजय देवगन फुटबॉलर कोच अब्दुल रहीम की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में अजय देवगन के अतिरिक्त प्रियामणि (चेन्नई एक्सप्रेस द फैमिली मैन फेम) रुद्रानी घोष और गजराव राव भी नजर आएंगे। फिल्म में वर्ष 1952 से लेकर 1962 तक के सालों का भारतीय फुटबाल का दौर दिखाया जाएगा। इन 10 वर्षों को भारतीय फुटबाल का सुनहरा दौर कहा जाता है। फुटबालर अब्दुम रहीम के नेतृत्व में भारतीय फुटबाल टीम 1956 के ओलम्पिक्स में सेमीफाइनल तक पहुँची थी। मैदान सबसे पहले 15 अक्टूबर 2021 को प्रदर्शित होने वाली थी लेकिन कोविड के माहौल के चलते पूरी तरह से सिनेमाघर नहीं खुले थे जिसके चलते फिल्म की प्रदर्शन तिथि को बदल कर जून 2022 कर दिया गया। किन्हीं कारणों के चलते फिल्म अपनी प्रदर्शन तिथि जून 2022 में प्रदर्शित न हो सकी जिसके चलते उसे आगे सरकाते हुए 17 फरवरी 2023 कर दिया गया था। अब जब फिल्म की प्रदर्शन तिथि नजदीक आ रही थी तभी अचानक से इस फिल्म को एक बार फिर आगे बढ़ा दिया गया है। अब मैदान 12 मई 2023 को सिनेमाघरों में उतरेगी।

शाहिद और विजय सेतुपति द्वारा अभिनीत क्राइम थ्रिलर फजी अगले माह रिलीज होगी

प्राइम वीडियो ने अपने बहुप्रतीक्षित ओरिजिनल फर्जी को लेकर कहा कि अगले माह 10 फरवरी को भारत और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों में यह रिलीज होगी। फजी द फैमिली मैन जैसी ब्लॉकबस्टर सीरीज के प्रशंसित निमार्ताओं की अगली सीरीज है। राज और डीके के बैनर डी2आर फिल्म्स के तहत इसे बनाया गया है इस स्टार-स्टडेड शो से बॉलीवुड के हार्टथ्रोब शाहिद कपूर और कॉलीवुड के सबसे पसंदीदा स्टार विजय सेतुपति अपना डिजिटल डेब्यू केरेंगे । सीरीज में राशी खन्ना अत्यधिक कुशल के. के. मेनन दिग्गज अभिनेता अमोल पालेकर के साथ रेजिना कैसेंड्रा और भुवन अरोड़ा प्रमुख भूमिकाओं में हैं। आठ एपिसोड में फैली फजी एक तेज-तर्रार तीव्र और अपनी तरह की एक अनोखी क्राइम थ्रिलर है जिसमें निर्देशक जोड़ी का ट्रेडमार्क ह्यूमर है जो अमीरों का पक्ष लेने वाली व्यवस्था को जीतने के लिए एक चतुर अंडरडॉग स्ट्रीट आर्टिस्ट की खोज के इर्द-गिर्द बनाया गया है। उसके और कानून प्रवर्तन के बीच एक रोमांचकारी चूहे-बिल्ली का खेल होता है जहाँ हारने पर कोई विकल्प नहीं है। राज और डीके के साथ फर्जी को सीता आर मेनन और सुमन कुमार ने लिखा है। अपर्णा पुरोहित प्रमुख ओरिजिनल्स प्राइम वीडियो इंडिया ने कहा 2023 के लिए इससे बेहतर शुरूआत नहीं हो सकती थी।

फजी एक ऊर्जा और जोश से भरा हुआ शो है जो मध्यम वर्ग के परिवेश उसके सपनों आकांक्षाओं और चिंताओं में निहित है। शाहिद कपूर और विजय सेतुपति की वजह से ये सुर्खियों में है जिन्होंने इसमें अपना डिजिटल डेब्यू किया है यह शो क्राइम थ्रिलर अंदाज में कहानी सुनाने की रूपरेखा को फिर से परिभाषित करेगा। राज और डीके द्वारा इसे सर्वोत्तम रूप से तैयार किया गया है यह सीरीज इस महान जोड़ी के साथ हमारे सफल लंबे समय से चले आ रहे सहयोग को और मजबूत करती है अखिल भारतीय अपील के साथ प्रतिभा का एक उदार विकल्प पेश करती है। क्रिएटर जोड़ी राज और डीके ने कहा द फैमिली मैन के लिए प्राइम वीडियो के साथ बड़े पैमाने पर सफल सहयोग के बाद हम अपनी अगली नई सीरीज के साथ वापसी करने के लिए उत्साहित हैं। यह हमारी पसंदीदा स्क्रिप्ट्स में से एक है जिसे हमने बहुत उत्साह के साथ बनाया है और महामारी के उतार-चढ़ाव के दौरान शूट किया है। मूल रूप से इस सीरीज को बनाने में बहुत मेहनत की गई हैं। द फैमिली मैन के बाद हमने खुद को चुनौती दी कि हम एक और रोमांचक और बेजोड़ चीज लेकर आयेंगे हम सभी का इस सीरीज को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकतेजो 10 फरवरी को प्राइम पर रिलीज होगी।

सूडोकु नवताल- 6312

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6311 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्दजाल - 7059

र	रा	डा.	आं	बे	ड	क	र	झ	क	अ
वि	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	ब्दु
शं	र	ह	वि	नो	बा	भा	वे	ला	ल	ल
क	म	दा	च	ल	क	इं	हा	दा	रा	क
र	जा	र	सी	हा	मि	री	दि	स	जी	ला
ह	कि	प	वी	दा	ह	ला	ती	रा	व	म
ट	र	बु	र	र	म	ट	ह	ला	गां	क
बा	हु	वा	म	क	छ	सौ	न	ट	धी	धी
स	सै	तें	न	ह	अ	म	र्त्य	से	न	द
र	न	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
म	द	र	टे	रे	सा	बौ	ख	ला	ह	ट

शब्द जाल में 10 भारत रत्न प्राप्त लोगों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

रवि शंकर, अमर्त्य सेन, राजीव गांधी, अब्दुल कलाम, डा. आंबेडकर, सी.वी. रमन, जाकिर हुसैन, मदर टेरेसा, इंदिरा गांधी, विनोबा भावे

शब्दजाल - 7058 का हल

रि	अ	मे	क	अ	मि	ता	भ	ब	च्च	न
ति	भि	क	म	क्ष	डे	ने	ग	ति	मा	ला
क	षे	र	ला	य	ग	अं	द	ह	प	आ
रो	क	ल	का	कु	न	स	ध	ह	लि	मि
श	ब	स	ल	मा	न	खा	न	का	न	र
न	च्च	का	र	र	ल	का	त	ह	र	खा
र	न	ल	मा	व	शा	ह	रु	ख	खा	न
र	ज	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	न	नी	अ	सै	फ	अ	ली	खा	न	दे
र	का	ति	कां	न	शा	हि	द	क	पू	र
बां	र	ल	प	त	स	स	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6012

	3		1		2	
3	29	6	37		31	1
	2			5	6	
5	30	1	30	4	31	6
	6				3	2
2	33	4	31	3	30	7
	1		5		4	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6011 का हल

7	6	1	4	2	3	5
2	28	4	33	7	35	4
1	2	5	6	4	7	3
5	28	3	38	6	34	1
4	2	6	3	5	1	7
3	31	2	31	1	30	6
6	1	7	4	3	5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

विमेंस आईपीएल की रेस में इंदौर-अहमदाबाद समेत 10 शहर : 5 ही को मिलेगी टीमों की मेजबानी; 25 जनवरी को सामने आएंगे नाम

नई दिल्ली।

विमेंस आईपीएल की 5 टीमों के नाम भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड 25 जनवरी को जारी कर सकता है। बीसीसीआई ने इंदौर और अहमदाबाद समेत देश के 10 शहरों को शॉर्टलिस्ट कर लिया है। फ्रेंचाइजी मालिकों ने टीमें खरीदने के लिए अपनी-अपनी राशि की संख्या बंद लिफाफे में बीसीसीआई को भेज दी है। 25 जनवरी को सभी फ्रेंचाइजी के लिफाफे खोले जाएंगे। तभी पांचों टीमों के नाम फाइनल होंगे।

विमेंस प्लेयर का फ्यूचर देख तय होंगी टीमें - बीसीसीआई सूत्रों ने बताया, ऐसा जरूरी नहीं कि सबसे ज्यादा बोली लगाने वाली फ्रेंचाइजी को ही टीम दी जाएगी। महिला खिलाड़ियों के फ्यूचर और ग्रोथ को देखकर भी फैसला लिया जाएगा। फ्रेंचाइजी मालिकों से टीमों के भविष्य पर प्लानिंग मांगी जाएगी। इसके बाद ही आखिरी फैसला लिया जाएगा।

लेकिन, सबसे ज्यादा बोली लगाने वाली फ्रेंचाइजी को प्राथमिकता जरूर दी जाएगी। अगर एक टीम के लिए 2 फ्रेंचाइजी ने एक बराबर बोली लगाई तो दोनों को फिर से बोली लगाने के लिए कहा जाएगा। फिर भी बोली समान होने पर बीसीसीआई ही टीम चुनने के लिए आखिरी फैसला लेगा।

ये 10 शहर हुए शॉर्टलिस्ट - बीसीसीआई ने फिलहाल 10 शहरों को विमेन आईपीएल के लिए शॉर्टलिस्ट किया है। इन्हीं से 5 टीमें बनेंगी, जो टूर्नामेंट खेलेंगी। शहरों में अहमदाबाद (नरेंद्र मोदी स्टेडियम), कोलकाता (ईडन गार्डन स्टेडियम), बेंगलुरु (एम चिन्नास्वामी स्टेडियम), चेन्नई (एमए चिदंबरम स्टेडियम), दिल्ली (अरुण जेटली स्टेडियम), धर्मशाला गुवाहाटी (बारसपारा स्टेडियम), इंदौर (होलकर स्टेडियम), लखनऊ (अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम) और मुंबई (वानखेड़े, ब्रेबोर्न, पाटिल स्टेडियम) के नाम हैं।

मुंबई में 3 स्टेडियम क्यों - 9 शहरों में एक-एक स्टेडियम सिलेक्ट कर लिए गए हैं। लेकिन, मुंबई में 3 स्टेडियम के नाम हैं। इनमें से किसी एक स्टेडियम को फाइनल किया जाएगा। टूर्नामेंट के दौरान उपलब्धता को देखकर स्टेडियम स्विच भी किए जा सकेंगे। इंदौर, धर्मशाला और गुवाहाटी को छोड़कर सभी 7 शहरों को इससे पहले मेंस आईपीएल के होम ग्राउंड का दर्जा मिल चुका है। बीसीसीआई ने पिछले दिनों विमेन आईपीएल की टीमें खरीदने के टेंडर के डॉक्यूमेंट जारी किए थे। जिनकी कीमत करीब 5 लाख रुपए थी। एक फ्रेंचाइजी मालिक एक से ज्यादा शहरों की टीम खरीदने के लिए भी बोली लगा सकता था।

न्यूज ब्रीफ

पिंडली के चोट के चलते अलीसा हीली पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम की विकेटकीपर और सलामी बल्लेबाज अलीसा हीली पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले तीन टी20 मैचों की सीरीज से बाहर हो चुकी हैं। हीली को भारत के हालिया दौरे में मैच में बल्लेबाजी करते वक़्त पिंडली में चोट लगी थी। हालांकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) द्वारा जारी बयान के अनुसार हीली दक्षिण अफ्रीका में अगले महीने खेले जाने वाले टी20 विश्व कप के लिए उपलब्ध होंगी। वह चोट से उबरने की प्रक्रिया में टीम के साथ ही मौजूद रहेंगी। भारतीय दौरे पर स्थायी कप्तान मेग लानिंग की गैर-मौजूदगी में हीली ने ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की थी। चौथे मुकाबले में चोटिल होने के चलते उन्हें पांचवें टी20 से बाहर बैठना पड़ा था। उनकी जगह ऑलराउंडर तालिया मैक्ग्रा ने चौथे और पांचवें दोनों मैचों में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की थी और बेथ मूनी ने कीपिंग की ज़िम्मेदारी संभाली थी। पाकिस्तान के विरुद्ध मैचों में भी मूनी कीपिंग करती दिखेंगी। इस सप्ताह ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के विरुद्ध सीरीज और विश्व कप के लिए अपने दल की घोषणा की, जिसमें लानिंग का बतौर प्लेयर और कप्तान अगस्त 2022 के बाद लौटना सबसे बड़ी खबर रही। लेग-स्पिनर जॉर्जिया वेयरहम भी दल में लौटी हैं, जिन्होंने अक्तूबर 2021 में पिछली बार ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20 खेला था। ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर पाकिस्तान 16 जनवरी से ब्रिस्बेन में तीन वनडे खेलेगा। इसके बाद पहला टी20 सिडनी में 24 जनवरी को खेला जाएगा। बाकी के दो मुकाबले होबार्ट (26 जनवरी) और कैनबरा (29 जनवरी) में होंगे। विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया अपने पहले मैच में 12 फरवरी को न्यूजीलैंड से भिड़ेगा।

फ्लैग फुटबॉल को ओलिंपिक में लाने की कोशिश: 100 देशों में 2 करोड़ से ज्यादा लोग खेलते हैं; अमेरिका में सबसे ज्यादा पसंदीदा

नई दिल्ली। अपने स्कूल में फुटबॉल टीम के लिए क्वालिफाई न करने वाले अमेरिका के पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी आइजेल रीस ने नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) में 7 सीजन खेले हैं। 3 साल पहले उन्होंने फ्लैग फुटबॉल को ओलिंपिक का हिस्सा बनवाने की कोशिश करने का आइडिया दिया। इसके बाद से ये एनएफएल के न्यूयॉर्क ऑफिस की पहली प्राथमिकता बन गया है। लीग के अधिकारी इस बात से परेशान हैं कि दुनिया में सबसे आकर्षक लीग होने के बावजूद एनएफएल की पहुंच काफी कम है। लंदन, मैक्सिको सिटी और म्यूनिख जैसे शहरों में इसके फैंस मौजूद हैं, लेकिन एनएफएल के अधिकारी इसे लोगों के बीच में खेल के विकल्प के तौर पर जोड़ना चाहते हैं। अधिकारियों ने फैसला किया है कि बिना हेलमेट और जटिल नियमों के साथ 5-5 की पुरुषों या महिलाओं की टीम में खेला जाने वाला फ्लैग फुटबॉल ऐसा करने का तरीका हो सकता है। उनका मानना है कि अगर यह खेल ओलिंपिक में शामिल हो जाता है, तो वे लाखों नए प्रशंसकों को आकर्षित कर सकते हैं। फ्लैग फुटबॉल अमेरिकन फुटबॉल का एक वैरिएंट है, जिसमें दूसरी टीम के खिलाड़ी को गिराने की बजाय उसके कमर पर लगे फ्लैग को अलग करना होता है और अपनी टीम के साथ मिलकर बॉल को गोल लाइन के पार पहुंचाना होता है। एनएफएल के मुताबिक, 100 देशों में 2 करोड़ से ज्यादा लोग फ्लैग फुटबॉल खेल रहे हैं, जिसमें मैक्सिको में एक लाख नए खिलाड़ी और जापान में हजारों बच्चे शामिल हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए विकेटकीपर की भूमिका निभा सकते हैं फिल साल्ट : प्रज्ञान ओझा

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका में चल रहे एसए20 में प्रिटोरिया कैपिटल ने सनराइजर्स ईस्टर्न केप पर सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट की 47 गेंदों पर 77 पारी से जबरदस्त जीत हासिल की, जो उन्हें प्रतिस्पर्धी 193 तक ले गई। अपने बचाव में, तेज गेंदबाज एनरिक नार्जे चार ओवर के स्पेल को संभालने के लिए बहुत शानदार थे, जिसमें उन्हें केवल 18 रन देकर दो विकेट मिले, अंततः सनराइजर्स को 170/5 पर रोक दिया, जिससे कैपिटल को 23 रन की जीत मिली। प्रिटोरिया के लिए खेलने के अलावा, सॉल्ट इंग्लैंड के लिए खेलते हैं और पिछले साल टी20 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य थे। वह दिल्ली कैपिटल्स के लिए भी काम करेंगे, जिन्होंने आईपीएल 2023 मिनी-खिलाड़ी नीलामी में उन्हें 2 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया। भारत के पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर प्रज्ञान ओझा को लगता है कि सॉल्ट आईपीएल 2023 में दिल्ली के लिए शानदार हो सकते हैं, खासकर कप्तान और बाएं हाथ के कीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

भारत ने श्रीलंका से लगातार 10वीं वनडे सीरीज जीती

राहुल की मैच जिताऊ पारी, 4 विकेट से जीता दूसरा मुकाबला

कोलकाता।

भारत ने वर्ल्ड कप ईयर की पहली वनडे सीरीज जीत ली है। उसने 3 मैचों की होम सीरीज में श्रीलंका पर 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। भारत ने दूसरा मुकाबला 4 विकेट से अपने नाम कर लिया। सीरीज का पहला वनडे टीम इंडिया ने 67 रनों से जीता था। तीसरा और आखिरी मुकाबला 15 जनवरी को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। टीम ने श्रीलंका को लगातार 10वीं वनडे सीरीज में हराया है। भारतीय टीम वनडे सीरीज में श्रीलंका से पिछले 26 साल से नहीं हारी है। उसे आखिरी हार 1997 में मिली थी। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम 39.4 ओवर में 215 रन पर आउट हो गई। डेब्यू मैच खेल रहे नुआनिदु फर्नांडो (50) ने अर्धशतकीय पारी खेली। कुसल मेंडिस ने 34 रन और वनिंदु हसरंगा ने 21 रन बनाए। कप्तान दसुन शनाका 2 रन ही बना सके। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने 3-3 विकेट चटकाए। गेंदबाज उमरान मलिक को विकेट मिले। जवाब में टीम इंडिया ने 43.2 ओवर में 6 विकेट पर जरूरी रन बना डाले। केएल राहुल ने 64 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। जबकि उप कप्तान हार्दिक पंड्या ने 36 रनों का योगदान दिया। दोनों के बीच 5वें विकेट के लिए 119 बॉल पर 75 रन की साझेदारी हुई। एक समय भारतीय टीम ने 86 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे। कप्तान रोहित शर्मा 17, शुभमन गिल 21, विराट कोहली 4 और श्रेयस अय्यर 28 रन बनाकर आउट हुए। श्रीलंका के लाहिरू कुमारा और चमिका करुणारत्ने को 2-2 विकेट मिले। जबकि कसुन रजिथा और धनंजय डी सिल्वा के हिस्से एक-एक सफलता आई।

जीत के हीरो

केएल राहुल : पावरप्ले में 62 रन पर 3 विकेट गिरने के बाद विकेटकीपर बैटर राहुल ने मैच खत्म होने तक पारी संभाली। उन्होंने पहले श्रेयस अय्यर और फिर हार्दिक पंड्या के साथ 75 रन की पार्टनरशिप की। पंड्या के आउट होने के बाद राहुल ने 64 रन की नॉटआउट पारी खेल टीम को 4 विकेट से जीत दिलाई।

कुलदीप यादव : श्रीलंका की पहले विकेट की मजबूत पार्टनरशिप को कुलदीप ने ही तोड़ा। उन्होंने कुसल मेंडिस के बाद चरिथ असलंका और दसुन शनाका के महत्वपूर्ण विकेट लिए। कुलदीप ने 10 ओवर में 51 रन पर 3 विकेट के साथ अपना स्पेल खत्म किया।

मोहम्मद सिराज : सिराज ने श्रीलंका को पावरप्ले में एक झटका दिया। फिर अंतिम ओवरों में आकर 2 विकेट लिए और श्रीलंकाई टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोका। उन्होंने 5.4 ओवर में 30 रन पर 3 विकेट के साथ अपना स्पेल खत्म किया।

ऐसे गिरे टीम इंडिया के विकेट

पहला: 5वें ओवर की आखिरी बॉल पर कप्तान रोहित शर्मा चमिका करुणारत्ने की बॉल पर विकेट के पीछे कुसल मेंडिस के हाथों कैच दे बैठे। दूसरा : शुभमन गिल छठे ओवर में लाहिरू कुमारा की गेंद पर अविष्का फर्नांडो को कैच दे बैठे। तीसरा : विराट कोहली 10वें ओवर में लाहिरू कुमारा की गेंद पर बोल्ड हो गए। उन्होंने 4 रन बनाए। चौथा : श्रेयस अय्यर को कसुन रजिथा ने 15वें ओवर की दूसरी बॉल पर आउट कर दिया। पांचवां : 35वें ओवर की पहली बॉल पर चमिका करुणारत्ने ने हार्दिक पंड्या को कुसल मेंडिस के हाथों कैच कराया। छठा : 40वें ओवर में धनंजय डी सिल्वा ने अक्षर पटेल को चमिका करुणारत्ने के हाथों कैच कराया।

पंड्या-राहुल ने संभाला - हार्दिक पंड्या और केएल राहुल ने भारतीय पारी को संभाला। दोनों के बीच 5वें विकेट के लिए 119 गेंदों पर 75 रन की साझेदारी हुई। एक समय टीम इंडिया ने 86 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में पंड्या-राहुल ने टीम इंडिया का स्कोर 160 पार पहुंचाया।

डेब्यू मैच में नुआनिदु फर्नांडो का अर्धशतक - डेब्यू मैच खेल रहे नुआनिदु फर्नांडो ने पहला इंटरनेशनल अर्धशतक जमाया। उन्होंने 63 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। उनकी पारी में 6 चौके शामिल रहे।

भारत दौरे पर न्यूजीलैंड के टी-20 कप्तान होंगे मिचेल सैंटनर: विलियमसन, साउदी नहीं खेलेंगे; 18 जनवरी को हैदराबाद में पहला वनडे

नई दिल्ली।

न्यूजीलैंड बोर्ड ने भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज की टीम घोषित कर दी है। लिमिटेड ओवर्स के कप्तान केन विलियमसन और टेस्ट कप्तान टिम साउदी सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। लेफ्ट आर्म स्पिनर मिचेल सैंटनर दोनों की गैरमौजदूगी में कप्तानी करेंगे। 3 टी-20 मैचों की सीरीज 27 जनवरी से शुरू होगी।

विलियमसन और साउदी भारत के खिलाफ वनडे सीरीज का भी हिस्सा नहीं होंगे। वनडे सीरीज 18 जनवरी से शुरू होगी। वहीं, भारत ने अब तक न्यूजीलैंड सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान नहीं किया है।

4 प्रमुख खिलाड़ी टीम में नहीं

न्यूजीलैंड ने 4 प्रमुख प्लेयर्स को टीम में शामिल नहीं किया हैै। विलियमसन, साउदी के अलावा, ट्रेंट बोल्ट और जिमी नीशाम भी टीम का हिस्सा नहीं होंगे। इनके अलावा मार्टिन गप्टिल को टीम से बाहर किया गया है। काइल जेमिसन, मैट हेनरी, एडम मिल्न और बेन सीयर्स इंजरी के चलते सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं थे। सैंटनर की कप्तानी में न्यूजीलैंड ने 10 टी-20 खेले हैं। 8 में जीत मिली, एक हारा और एक मैच बेनतीजा रहा।

15 प्लेयर्स के स्क्वॉड में लेफ्ट आर्म पेसर बेंजामिन लिस्टर को पहली बार जगह मिली है। वहीं, पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में डेब्यू करने वाले हेनरी शिपले को भी टी-20 टीम में शामिल किया गया है। प्रमुख प्लेयर्स के बिना उतर रही न्यूजीलैंड के लिए दोनों ही प्लेयर्स टी-20 डेब्यू कर सकते हैं। न्यूजीलैंड टीम 18 जनवरी से भारत में 3 वनडे और 3 टी-20 की सीरीज खेलेगी। 18, 21 और 24 जनवरी को 3 वनडे खेले जाएंगे। वहीं, 27 और 29 जनवरी को 2 टी-20 और एक फरवरी को तीसरा मैच होगा। मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमेन, डेन क्लीवर, डेवोन कॉन्वे, जेकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, बेन लिस्टर, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, माइकल रिपन, हेनरी शिपले, ईश सोढी और ब्लेयर टिकनेर। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ वनडे सीरीज की टीम पहले ही जारी कर दी थी। विलियमसन, साउदी समेत हेड कोच गैर स्टेड और बॉलिंग कोच शेन जर्गनसन भी भारत नहीं आएंगे। पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले के बाद चारों ही न्यूजीलैंड लौट जाएंगे।

हिमाचल के रणजी खिलाड़ी का निधन: 28 वर्षीय सिद्धार्थ भारद्वाज ने वडोदरा के अस्पताल में ली अंतिम सांस, कई दिन से बीमार थे

ऊना।

हिमाचल की रणजी टीम के खिलाड़ी 28 वर्षीय सिद्धार्थ भारद्वाज का निधन हो गया है। वह ऊना जिले के बसदेहड़ा गांव के रहने वाले थे। सिद्धार्थ पिछले कुछ दिन से बीमार थे और गुजरात में वडोदरा के अस्पताल में एडमिट थे, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली।

तेज गेंदबाज सिद्धार्थ भारद्वाज के निधन की खबर से गांव में माहौल गमगीन है। साथ ही क्रिकेट प्रेमियों में शोक की लहर दौड़ गई है। बता दें कि हिमाचल के रणजी खिलाड़ी सिद्धार्थ भारद्वाज अपनी टीम के साथ मैच खेलने वडोदरा गए थे।

वेंटिलेटर पर थे, उपचार के दौरान तोड़ा दम

वहीं बीमार होने के कारण एक मैच नहीं खेल सके। टीम मैनेजमेंट ने उन्हें अस्पताल में एडमिट कराया, लेकिन उनकी सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ। सिद्धार्थ को वेंटिलेटर पर भी रखा गया। उन्होंने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हिमाचल क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व सचिव सुमित शर्मा ने बताया कि वडोदरा से क्रिकेट खिलाड़ी सिद्धार्थ भारद्वाज के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव ऊना जिले के बसदेहड़ा में लाया गया है, जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

सीएम सुक्खू ने निधन पर जताया शोक

वहीं, रणजी खिलाड़ी सिद्धार्थ भारद्वाज के निधन पर सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू, डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर, आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल, ऊना के विधायक सतपाल सत्ती, पूर्व सचिव सुमित शर्मा, सदस्य सुरेंद्र शर्मा, जिला क्रिकेट संघ के प्रधान मदन पुरी और पूर्व विधायक सतपाल रायजादा सहित अन्यों ने गहरा शोक जताया है।

बार्सिलोना फुटबॉल क्लब के पूर्व अधिकारी ने मेसी को कहा था गटर का चूहा, व्हाट्सएप चैट से हुआ खुलासा

बार्सिलोना।

बार्सिलोना फुटबॉल क्लब के पूर्व अध्यक्ष जोसेप बार्टोमू के नेतृत्व वाले बोर्ड के एक पूर्व सदस्य ने लियोनल मेसी को कथित तौर पर व्हाट्सएप चैट में गटर का चूहा और हार्मोनल बौना कहा था। बार्टोमू 2014 से 2020 तक दिग्गज स्पैनिश फुटबॉल क्लब बार्सिलोना के अध्यक्ष रहे थे। यूरोपीय मीडिया आउटलेट्स की कई रिपोर्टों के मुताबिक, यह अपमानजनक टिप्पणियां क्लब में बार्टोमू के कार्यकाल के दौरान बार्सिलोना के कानूनी सेवाओं के प्रमुख रोमन गोमेज पोंटी द्वारा की गई थीं। कथित तौर पर एक व्हाट्सएप ग्रुप में टिप्पणियां की गईं, जिसमें बार्टोमू और पोंटी के अलावा पूर्व जनरल डायरेक्टर ऑस्कर ग्रेव और अन्य पूर्व-बोर्ड सदस्य शामिल थे। इन सभी बोर्ड सदस्यों ने बार्टोमू के पद छोड़ने के बाद क्लब से इस्तीफा दे दिया था। फोर्ब्स ने अपनी रिपोर्ट में स्पैनिश दैनिक एल पीरियोडिको के हवाले से कहा कि बार्टोमू का समूह मेसी के कॉन्ट्रैक्ट की खबर के लीक होने से नाराज था। एल मुंडो ने मेसी के कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी खबरों को प्रकाशित किया था। मेसी को लेकर पोंटी की टिप्पणियां बार्टोमू को संबोधित थीं। साथ ही पोंटी ने मेसी पर कई निराधार आरोप भी लगाए थे। यह कथित टिप्पणियां उस वक्त की गईं जब बोर्ड के सदस्य मेसी समेत कई खिलाड़ियों के कॉन्ट्रैक्ट विस्तार करने जा रहे थे और उसी को लेकर बातचीत चल रही थी। मेसी के बारे में मैसेज में लिखा था- बार्टोमू, आप इस गटर के चूहे के साथ अच्छा बर्ताव नहीं कर सकते। क्लब ने उसे सब कुछ दिया है और उसने बदले में साइनिंग, ट्रांसफर की तानाशाही बना रखी है। वह स्पॉनसरशिप वगैरह को लेकर सिर्फ खुद के बारे में सोचता है। इसके अलावा इस क्लब और हम बोर्ड के सदस्यों को इस हार्मोनल बौने से ब्लैकमेल और अशिष्टता झेलनी पड़ी है। उसे बार्का का एहसानमंद होना चाहिए और उसे इस क्लब पर जिंदगी कुर्बान करनी चाहिए। लेकिन जब चीजें खराब हो जाती हैं [कोरोना की एंट्री] तो आपको प्राप्त होता है एक व्हाट्सएप मैसेज, जिसमें मेसी ने लिखा होता है- अध्यक्ष, दूसरों के वेतन कम करें, लेकिन सुआरेज और मेरी सैलेरी को मत छुएं। इस पर बार्टोमू कहते हैं- कई बार हमने लियो (मेसी) की बात सुनी है, लेकिन हमेशा नहीं। महामारी नहीं होता तो यह कॉन्ट्रैक्ट पूरी तरह से मान्य था। मेसी 2004 से 2021 तक एफसी बार्सिलोना की सीनियर टीम के लिए खेले। उन्होंने बार्सिलोना के लिए 520 मैचों में 474 गोल किए। फिलहाल मेसी फ्रेंच क्लब पेरिस सेंट-जर्मेन के लिए खेलते हैं। हाल ही में मेसी ने अर्जेंटीना को तीसरी बार विश्व कप जीतने में मदद की।

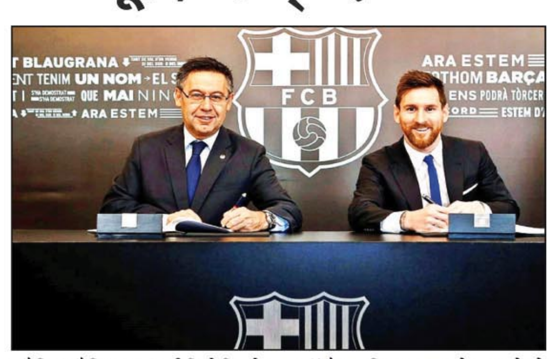

अर्जेंटीना ने जीता हॉकी वर्ल्ड कप का ओपनिंग मैच

भारत का पहला मुकाबला स्पेन के साथ से राउरकेला में

राउरकेला।

भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में हॉकी वर्ल्ड कप शुरू हो चुका है। पहला मुकाबला अर्जेंटीना की टीम ने जीता। अर्जेंटीना ने ओपनिंग मैच में साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया। उसकी ओर से केसिला माइको ने 42वें मिनट में विजयी गोल दागा। मेजबान भारत अपने अभियान का आगाज राउरकेला के बिरसा मुंडा स्टेडियम में स्पेन के खिलाफ करेगा। स्टेडियम के बाहर दर्शकों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। बिरसा मुंडा स्टेडियम को बनाने में 15 महीने से भी कम का समय लगा। 20 हजार दर्शक क्षमता वाले इस स्टेडियम के पास 6 प्रैक्टिस टर्फ हैं। इतना ही नहीं, स्टेडियम के अंदर टीमों के ठहरने, जिम, स्पोर्ट्स मेडिसिन जैसी सुविधाएं हैं।

भारत का पलड़ा भारी

भारत-स्पेन के बीच 1948 से हॉकी मैच खेले जा रहे हैं। 1973 तक भारत ने स्पेन को 4 में से 3 मैच हराए और एक ड्रॉ खेला, लेकिन 1973 के बाद स्पेन ने जोरदार वापसी की। 1978 से अब तक खेले गए 26 मैचों में से 10 के परिणाम भारत के पक्ष में रहे हैं। जबकि 11 में स्पेन को जीत मिली है। इस दौरान दोनों टीमों ने 5 मैच ड्रॉ मैच भी खेले हैं।

ओवरऑल बात करें तो इंटरनेशनल मंच पर 30 बार दोनों का आमना-सामना हुआ है। भारत ने 13 और स्पेन ने 11 जीते। 6 मैच ड्रॉ रहे। टोक्यो ओलिंपिक में भारत ने स्पेन को 3-0 से हराया था। वहीं, नवंबर 2022 में खेला गया आखिरी मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा था।

वर्ल्ड कप में स्पेन हावी

हॉकी वर्ल्ड कप में दोनों टीमों के बीच 6 मैच खेले गए। इनमें से 3 में स्पेन और 2 में भारत जीता है। एक मैच ड्रॉ रहा। दोनों के बीच वर्ल्ड कप में आखिरी मुकाबला 2014 में खेला गया था। जो 1-1 से ड्रॉ रहा था।

जीते तो नॉकआउट पक्का

स्पेन पर टीम इंडिया हमेशा से हावी रही है। जीत से हमारे नॉकआउट राउंड में पहुंचने की उम्मीद बढ़ जाएगी। भारत को तीनों मैच जीतकर ग्रुप में टॉप करना चाहिए। इंजरी को ध्यान में रखते हुए भी टीम इंडिया को पूरा टूर्नामेंट खेलना होगा।

भारत: कप्तान हरमन और फॉरवर्ड प्लेयर्स टीम की स्ट्रेंथ है। पेनल्टी कॉर्नर पर फोकस करते हुए टीम को गोल स्कोर करने पर ध्यान देना चाहिए। स्पेन: नए प्लेयर्स के साथ टीम बनाई है। ऐसे में देखना महत्वपूर्ण होगा कि वो कैसा परफॉर्म करेंगे। पेनल्टी कॉर्नर पर स्कोर करने की क्षमता है। भारत को इससे बचना होगा।

राउरकेला में भारत-स्पेन मैच से पहले दर्शकों में भारी उत्साह नजर आया। अपने खिलाड़ियों को प्रैक्टिस करते देखने के लिए कई फैंस स्टेडियम पहुंचे। स्टेडियम के बाहर पहुंचे अनिल कुमार ने बताया वर्ल्ड कप को लेकर हम काफी उत्साहित हैं। टीम इंडिया को सपोर्ट करने के लिए उन्होंने मैच के टिकट खरीद लिए हैं। वहीं, 10 साल की आबिदी सामंति ने बताया कि वह भारतीय खिलाड़ियों को देखने स्टेडियम पहुंची। वह बोलीं, मैं भारत का मैच देखूंगी और मैं चाहती हूं कि वर्ल्ड कप भी भारत ही जीते।

मैच का टिकट है तो फ्री बस यात्रा

राउरकेला प्रशासन ने मैच के दर्शकों के लिए फ्री बस यात्रा की सुविधा दी है। मैच के दिन दर्शक स्टेडियम का टिकट दिखाकर शहर में फ्री बस यात्रा कर सकते हैं। भारत से पहले इंग्लैंड-स्पेन का मैच भी खेला जाएगा। जिसके टिकट भी बिक चुके हैं।

माघ बिहू त्योहार का महत्व

माघ बिहू का पर्व माघ मास में आता है। यह असम का खास त्योहार है। मकर संक्रांति की दिन ही इस पर्व को मनाया जाता है। असम में इसे भोगाली बिहू भी कहते हैं। आओ जानते हैं कि यह पर्व इस बार अंग्रेंजी कैंलेंडर के अनुसार कब मनाया जाएगा और क्या है इसकी परंपरा।

माघ बिहू कब है: अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 15 जनवरी 2023 रविवार को यह पर्व मनाया जाएगा। इसी दिन आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना तथा तमिलनाडु में भोगी पण्डिगाई का पर्व मनाया जाएगा, जिसे पेड्डा पाण्डुगा और पोंगल की कहते हैं।

महत्व : यह त्योहार भी मकर संक्राति की तरह ही मनाया जाता है या यह कहें कि यह मकर संक्राति का ही स्थानीय रूप है। बिहू शब्द दिमासा लोगों की भाषा से है। *बि* मतलब *पूछना* और *शु* मतलब पृथ्वी में *शांति और समृद्धि* है। यह बिशु ही बिगड़कर बिहू हो गया। अन्य के अनुसार *बि* मतलब *पूछ्ना* और *हु* मतलब *देना* हुआ। आओ जानते हैं यह त्योहार या पर्व क्यों और कैसे बनाते हैं।

क्यों मनाते हैं त्योहार :

बिहु असम में फसल कटाई का प्रमुख त्योहार है। यह फसल पकने की खुशी में मनाया जाता है। इसी त्योहार को पूर्वोत्तर क्षेत्र में भिन्न भिन्न नाम से मनाते हैं।

कितनी बार मनाते हैं त्योहार :

1. एक वर्ष में यह त्योहार तीन बार मनाते हैं। पहला सर्दियों के मौसम में पौष संक्रांति के दिन, दूसरा विषुव संक्राति के दिन और तीसरा कार्तिक माह में मनाया जाता है।

2. पौष माह या संक्राति को भोगाली बिहू, विषुव संक्रांति को रोंगाली बिहू और कार्तिक माह में कोंगाली बिहू मनाया जाता है।

3. पौष माह या संक्राति को भोगाली बिहू मनाते हैं, जो कि जनवरी माह के मध्य में अर्थात मकर संक्रांति के आसपास आता है। इसे माघ को बिहू या संक्रांति भी कहते हैं।

4. भोगाली बिहू पौष संक्रांति के दिन अर्थात मकर संक्रांति के दिन या आसपास आता है। इसे भोगाली इसलिए कहा जाता है, क्योंकि इसमें भोग का महत्व है अर्थात इस दौरान खान-पान धूमधाम से होता है और तरह-तरह की खाद्य सामग्री बनाई और खिलाई जाती है।

कैसे मनाते हैं ये त्योहार :

1. भोगाली या माघ बिहू के पहले दिन को उरुका कहते हैं। इस दिन लोग खुली जगह में धान की पुआल से अस्थायी छावनी बनाते हैं जिसे भेलाघर कहते हैं।

2. इस छावनी के पास ही 4 बांस लगाकर उस पर पुआल एवं लकड़ी से ऊंचे गुंबज जैसे का निर्माण करते हैं जिसे मेजी कहते हैं। गांव के सभी लोग यहां रात्रिभोज करते हैं।

3. उरुका के दूसरे दिन स्नान करके मेजी जलाकर बिहू का शुभारंभ किया जाता है। गांव के सभी लोग इस मेजी के चारों ओर एकत्र होकर भगवान से मंगल की कामना करते हैं।

4. अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए लोग विभिन्न वस्तुएं भी मेजी में भेंट चढ़ाते हैं। बिहू उत्सव के दौरान वहां के लोग अपनी खुशी का इजहार करने के लिए लोकनृत्य भी करते हैं।

5. इस दिन नारियल के लड्डू, तिल पीठा, घिला पीठा, मच्छी पीतिका और बेनगेना खार के अलावा अन्य पारंपरिक पकवान भी पकाकर खाए जाते हैं।

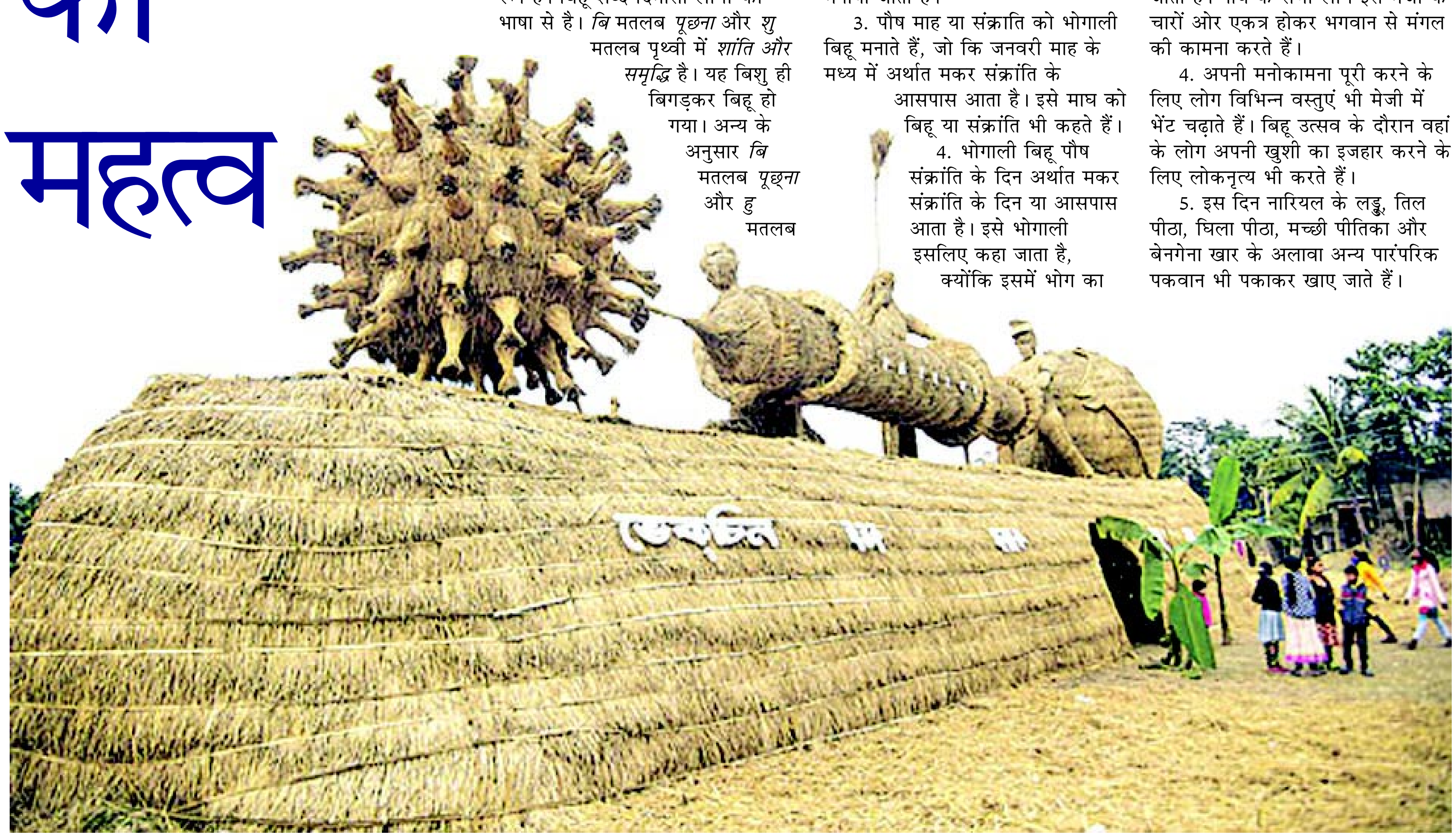

पोषण से भरपूर दही से होते हैं नुकसान भी

भारतीय शहरों में दही के बिना शायद ही किसी का खाना पूरा होता हो। यहां हर मील में दही जरूर शामिल होता है। यह न सिर्फ खाने का स्वाद दोगुना कर देता है, बल्कि पोषक तत्वों से भरा भी होता है, जो आपको फिट और एक्टिव रखते हैं। दही प्रोबायोटिक से भरा होता है, जो एक जीवित बैक्टीरिया और यीस्ट है, जो पाचन को मजबूती देता है और आंत की सेहत को दुरुस्त रखता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि इसे खाने से कुछ नुकसान भी हो सकते हैं। अगर नहीं, तो आइए जानते हैं दही खाने के नुकसान के बारे में।

पाचन से जुड़ी दिक्कतें : वैसे तो दही का सेवन सीने में जलन, डकार और कब्ज का इलाज करता है, लेकिन कई बार यह प्रोबायोटिक गैस और पेट फूलने की समस्या को बढ़ा भी सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स यह भी मानते हैं कि जो लोग रोजाना दही खाते हैं, वे कब्ज और जरूरत से ज़्यादा प्यास लगने की शिकायत भी करते हैं। ऐसा होने पर दही का सेवन रोक दें और डॉक्टर से सलाह करें।

सिर दर्द : कई बार हम समझ नहीं पाते हैं कि रोज खाने वाला आम खाना भी लगातार हो रहे सिरदर्द का कारण हो सकता है। दही सिर के आधे हिस्से में दर्द और माइग्रेन की वजह हो सकता है। डॉक्टर्स का कहना है कि यह बायोजेनिक एमाइन्स की वजह से होता है, जो जब उत्पन्न होते हैं जब किसी तरह का प्रोटीन पुराना हो जाता है या फिर नुकसान करने वाले बैक्टीरिया उसे फर्मेंट कर देते हैं।

एलर्जी बढ़ जाती हैं : जिन लोगों को कुछ तरह के खाने से एलर्जी होती है, उनके लिए उस खास फूड का पता लगाना मुश्किल हो जाता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स मानते हैं कि आंत और पाचन तंत्र में एलर्जी को ट्रेगर करने के पीछे प्रोबायोटिक्स होते हैं। इसलिए बाजार से दही खरीदे वक्त उसके इंग्रीडियेंट्स पढ़ लें। फ्लेवर्ड जही में आमतौर पर डेयरी, अंडे या फिर सोया का उपयोग किया जाता है, जिससे एलर्जी हो सकती है।

संक्रमण बढ़ने का खतरा : वैसे तो दही ज़्यादातर लोगों के लिए सुरक्षित होता है, लेकिन कई मामलों में दही में पाए जाने वाले बैक्टीरिया या यीस्ट रक्तप्रवाह में प्रवेश कर सकते हैं और अतिसंवेदनशील व्यक्तियों में संक्रमण का कारण बन सकते हैं। गंभीर एक्यूट पैन्क्रियाटाइटिस से जूझ रहे लोगों को डॉक्टर प्रोबायोटिक्स न लेने की सलाह देते चाहिए, क्योंकि इससे मौत का खतरा बढ़ सकता है।

अर्थराइटिस के मरीजों में दर्द को बढ़ा सकता है : दही में एक खास तरह का प्रोटीन होता है, जो जोड़ों में सूजन का कारण बन सकता है, खासतौर पर अर्थराइटिस से पीड़ित लोगों में।

तुनिषा शर्मा के केस में नहीं मिली शीजान खान को राहत

वसई कोर्ट ने खारिज की जमानत

24 दिसंबर 2022 को *अली बाबा दास्तान ए काबुल* एक्ट्रेस तुनिषा शर्मा का निधन हो गया था। उन्होंने अपने शूटिंग सेट पर को-एक्टर शीजान खान के मेकअप रूम में आत्महत्या कर ली थी। उनके निधन के बाद 20 साल की तुनिषा की मां की शिकायत के बाद उनके को-स्टार और एक्स ब्वायफ्रेंड शीजान खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। शीजान खान से तुनिषा सुसाइड केस में पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। तुनिषा शर्मा केस में शीजान खान की जमानत याचिका पर फैसला आ चुका है। वसई कोर्ट ने एक्टर की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। समाचार एंजेंसी ने जानकारी शेयर करते हुए बताया कि इस तुनिषा शर्मा सुसाइड मामले में अली बाबा एक्टर शीजान खान की वसई कोर्ट ने सुनवाई के बाद बेल रिजेक्ट कर दी है। टीवी एक्टर शीजान खान को पुलिस हिरासत में लगभग 20 दिन हो चुके हैं और पुलिस उनसे हर पहलू पर जांच पड़ताल कर रही है। 13 जनवरी से पहले तुनिषा डेथ केस मामले में 9 जनवरी को सुनवाई हुई थी। वसई कोर्ट ने 11 जनवरी तक इस मामले को दिया था। शीजान खान के केस में आए दिन कोई न कोई खुलासा हो रहा है। जहां तुनिषा की मां के द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद शीजान खान के परिवार ने सामने आकर सफाई दी थी, तो वही अब हाला ही में उनकी लव लाइफ को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। तुनिषा डेथ केस मामले में एक्ट्रेस की लव लाइफ को लेकर खुलासा हुआ है। रिपोर्ट्स की मानें तो शीजान खान से ब्रेकअप के बाद तुनिषा किसी अली नाम के लड़के को डेट कर रही थीं। अली और तुनिषा एक-डेटिंग एप के जरिए एक-दूसरे से संपर्क में आए थे। ऐसी ही रिपोर्ट्स है कि सुसाइड करने से 15 मिनट पहले ही उन्होंने अली से वीडियो कॉल पर बातचीत की थी। इस मामले में सामने आकर

तुनिषा की मां ने इस बात को क्लियर किया कि अली एक्ट्रेस के जिम ट्रेनर थे। तुनिषा की मां वनिता ने एक्टर पर ड्रग्स करने का आरोप लगाया था। साथ ही एक्ट्रेस के मामा ने इस मामले को लव जिहाद का मामला बताते हुए कहा था कि तुनिषा हिजाब पहनने लगी थीं। वनिता की मां द्वारा लगाए गए इन आरोपों को बाद शीजान खान की बहन फलक नाज, शफक नाज और उनकी मां ने सामने आकर एक्ट्रेस की मां के सभी आरोपों को झूठा बताया था।

मेडिटेशन के इन फायदों के बारे में नहीं जानते होंगे आप

ध्यान यानी मेडिटेशन एक क्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपने मन को चेतना की एक विशेष अवस्था में लाने का प्रयास करता है। कई धार्मिक परंपराओं और मान्यताओं में प्राचीन काल से ही ध्यान के अभ्यास किया जा रहा है। अगर इसका अभ्यास रोज किया जाए, तो इससे आपको मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है और आप स्वस्थ महसूस करते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य को फायदा पहुंचता है

रिसर्च से पता चलता है कि ध्यान करना हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए कितना फायदेमंद होता है। इसका अभ्यास आपका तनाव दूर करता है, बेचैनी कम करता है, उदारता बढ़ाता है, आत्म-जागरूकता और आत्म-सम्मान में सुधार करता है।

उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करता है?

शोध में भी देखा गया है कि ध्यान का अभ्यास आपका जवां रखता है और उम्र बढ़ाता है। ऐसा इसलिए होता है कि क्योंकि ध्यान करने से तनाव कम होता जाता है। तनाव आपके शरीर पर नकारात्मक असर डालता है।

ध्यान करने से ऊर्जा बढ़ती है

ध्यान का अभ्यास आपके दिमाग को साफ करता है और जिससे आप एनर्जेटिक महसूस करते हैं। ध्यान वेगस तंत्रिका को उत्तेजित कर सकता है, जो सकारात्मक भावनाओं और आराम को बढ़ावा देता है।

बेचैनी और अवसाद को दूर करता है

ध्यान करने से बेचैनी और अवसाद के लक्षणों से आराम मिलता है। यह शरीर में प्राण के स्तर को बढ़ाता है और आयुर्वेद के मुताबिक, जैसे प्राण का स्तर बढ़ता है, वैसे ही बेचैनी कम होने लगती है।

ध्यान, फोकस और याददाश्त में सुधार करता है

ध्यान करने से फोकस बेहतर होता है और साथ ही याददाश्त में सुधार होता है। हम या तो बीते हुए समय को लेकर नाराज होते हैं, या तो आने वाले समय को लेकर परेशान। ध्यान आपको वर्तमान में जीने में मदद करता है। आप जैसे ही ध्यान का अभ्यास करना शुरू करेंगे, वैसे ही आपका फोकस बेहतर होना शुरू हो जाता है। ध्यान से आपका दिमाग शांत होता है, जिससे आपकी याददाश्त बेहतर होने लगती है।

ठीक होने और दर्द को मैनेज करने में मदद करता है

शोध बताते हैं कि ध्यान करने से पुराना दर्द भी ठीक हो सकता है। अगर आप रोज ध्यान का अभ्यास करेंगे, तो इससे पुराना दर्द जो आपको लंबे समय से परेशान कर रहा था, ठीक हो सकता है।

शरीर को पहुंचते हैं ये फायदे

मानसिक स्वास्थ्य के साथ ध्यान करने से शरीर को भी कई मिलते हैं, जैसे, हाई ब्लड प्रेशर और ऐंगजाइटी अटैक का कम होना, तनाव की वजह से होने वाला सिर दर्द, छाले, नींद न आना, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द होना। मूड और स्वभाव में सुधार होना, इम्यून सिस्टम का बेहतर होना, नीद और रिश्तों में सुधार आना आदि।

सर्दियों में चाय और कॉफी की क्रेविंग को ऐसे करें कम

चाय और कॉफी लवर्स की सुबह इसके बिना बिल्कुल अधूरी है। वहीं सर्दियों के मौसम में तो इसका सेवन काफी हद तक बढ़ जाता है। ठंड से बचने के लिए लोग अधिक से अधिक गर्म पेय पदार्थों का सेवन करना पसंद करते हैं। लेकिन हद से ज्यादा कोई भी चीज सेहत के लिए हानिकारक ही होती है। कैफीन आपके मूड को अच्छा करने के लिए जाना जाता है। लेकिन हर दिन 10 कप कॉफी या चाय पीना भी ठीक नहीं है क्योंकि इससे आपतो लत लग सकती है। कई बार ऐसा भी होता है कि अत्यधिक कैफीन के सेवन से नींद में खलल पड़ सकती है, जिससे तनाव हो सकता है। चलिए जानते हैं कि कैसे कॉफी और चाय की लत को नियंत्रित कर सकते हैं-

सर्दियों में इन हेल्दी चीजों से करें दिन की शुरुआत

1. अपनी नियमित चाय या कॉफी का कोई अन्य विकल्प चुनें : नियमित चाय और कॉफी के बजाय कोई अन्य विकल्प चुनें, जैसे कि हर्बल टी, हल्दी या इलाइची दूध जैसे विकल्पों के साथ अपनी नियमित चाय या कॉफी को बदलें। ये पाचन में मदद करते हैं और दूसरा ये हेल्थी ऑप्शन भी हैं। सभी कॉफी लवर्स के लिए कैफीन की लत को रोकने के लिए एक डी-कैफीनयुक्त कॉफी वर्जन एक बेहतर विचार हो सकता है।

2. पर्याप्त नींद लें : आपकी नींद का समय सबसे ज्यादा मायने रखता है। साथ ही यह सुनिश्चित करना कि आपको अच्छी नींद आ रही है या नहीं कॉफी-चाय की लत से निपटने का एक तरीका हो सकता है। उचित नींद लेने से यह सुनिश्चित होगा कि आपके पास पूरे दिन ऊर्जा है, जिससे आपको दिनभर ज्यादा चाय या कॉफी की जरूरत नहीं पड़ेगी।

3. अपनी दिनचर्या बदलें : जब आपकी कॉफी या चाय की क्रेविंग की बात आती है, तो रूटीन तोड़ना सबसे अच्छा होता है। छोटे-छोटे कॉफी या चाय के ब्रेक लेने के बजाय, वॉकिंग ब्रेक लें जो अंतत: आपकी चाय की आदत को खत्म करने और क्रेविंग को नियंत्रित करने में भी मदद करेगा।

4. अपने दिन की शुरुआत गर्म नींबू पानी से करें : इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप जल्दी उठते हैं या नहीं, जब भी आप अपने दिन की शुरुआत करते हैं, तो सबसे पहले गुनगुने नींबू पानी का सेवन कर के करें।

बढ़ती उम्र में भी दिखना चाहते हैं जवां तो आज ही से खाने में शामिल करें ये सब्जियां

आपने अक्सर ऐसा देखा होगा कि बढ़ती उम्र में हर कोई हेल्थ के साथ-साथ अपनी स्किन का काफी ध्यान रखने लगता है। इसके लिए लोग पार्लर में कई तरीके के ट्रीटमेंट कराते हैं। ताकि उनके चेहरे से उनकी उम्र का पता ना लगे। पर, क्या आप जानते हैं कि, अगर आप अपनी डेली डाइट में कुछ सब्जियां शामिल कर लेंगें तो आपको किसी भी तरह की एंटी-एजिंग क्रीम या ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं पड़ेगी। इन सब्जियों में खास तौर पर टमाटर, गाजर और प्याज शामिल हैं। इनमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके चेहरे के रिंकल्स को रिमूव करने, स्किन को टाइट करने और चेहरे के ग्लो को बरकरार रखने में मददगार हैं। इन तीनों को आप खाने में शामिल करने के साथ-साथ अपने चेहरे पर भी लगा सकते हैं।

टमाटर : इसमे मौजूद पोषक तत्व आपके चेहरे के ग्लो को बरकरार रखने में मदद करते हैं। यही वजह है कि, टमाटर को खाने के साथ-साथ इसका फेस मास्क भी बनाया जाता है। टमाटर में धूप से हुई टैनिंग को भी खत्म करने की क्षमता होती है। जिस वजह से लोग स्किन को साफ करने के लिए भी टमाटर का इस्तेमाल करते हैं।

गाजर : सर्दियों में गाजर मिलना बेहद ही आसान होता है। गाजर खाने में काफी टेस्टी होती है इसलिए डाइटिशियन हर रोज गाजर खाने की सलाह देते हैं। अगर आप अपने डेली के खाने में गाजर को शामिल कर लेगें तो स्किन में आने वाले लचीलेपन से छुटकारा मिल सकता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**